3 | राजधानी
कुछ लोग कर रहे झूठ की राजनीतिः राजनाथ

6 | अभिमत
जीर्णोद्धार की प्रतीक्षा में जानकी मंदिर

10 | राष्ट्रीय
चारधाम में वीआईपी दर्शन 31 मई के बाद

11 | विदेश
राजकीय यात्रा पर चीन पहुंचे पुतिन

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 14 अंक 204
लखनऊ, शुक्रवार, 17 मई, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ
नगर संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

छेत्री ने संन्यास का ऐलान किया
स्पोर्ट्स-12

उत्तर प्रदेश बना चुनावी जंग का मैदान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा, लगातार अमेठी और रायबरेली में एक साथ प्रचार कर रही हैं, जहां उनके भाई राहुल गांधी ने अपनी मां सोनिया गांधी से नामांकन भरा है। प्रियंका ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के दिनों से इस निर्वाचन क्षेत्र के साथ गांधी परिवार के मजबूत बंधन को रेखांकित किया।

प्रियंका ने कहा कि देश की सबसे पुरानी कांग्रेस महात्मा गांधी के आदर्शों का पालन करती है जिन्होंने मरने से पहले हे राम कहा था तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कांग्रेस पर धर्म विरोधी होने का आरोप लगाना सरासर गलत है। उन्होंने आरोप लगाया कि भगवा पार्टी हिंदू धर्म की चैंपियन होने का दावा करती है, लेकिन उत्तर प्रदेश में सरकारी गौशालाओं की स्थिति बेहद दयनीय बनी हुई है।

प्रियंका ने मोदी सरकार पर योजना से संबंधित कागजात पर अपनी तस्वीर लगाकर मुफ्त राशन योजना का श्रेय लेने की कोशिश करने का आरोप लगाया और कहा कि यह कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार थी जिसने भोजन का अधिकार अधिनियम बनाया था। कांग्रेस नेता ने उत्तर प्रदेश में बार-बार प्रश्नपत्र लीक होने पर भी भाजपा की आलोचना की और इस तरह के घटना को रोकने के लिए कड़े कानून बनाने का वादा किया। उन्होंने वादा किया कि अगर उनकी पार्टी केंद्र में सत्ता में आती है तो शिक्षा पर जीएसटी हटा दिया जाएगा और सशस्त्र बलों में भर्ती के लिए अग्नि-वीर योजना को समाप्त कर दिया जाएगा।उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी सैन्य कर्मियों के लिए पेंशन प्रावधान के साथ स्थाई नियुक्ति की पुरानी पद्धति को बहाल करेगी। कांग्रेस महासचिव ने लघु उद्यमियों के लिए 5000 करोड़ रुपए का कोष बनाने के बारे में भी बातचीत की।

पायनियर समाचार सेवा। जौनपुर/आजमगढ़

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस तृणमूल की राजनीति को आजमाना चाहती है, उन्होंने इसे दलितों, महिलाओं पर अत्याचार है और उत्पीड़न की राजनीति करार दिया। भदोही में एक जनसभा में विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया के घटक दलों पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि वे उत्तर प्रदेश में तृणमूल की राजनीति का प्रयोग करना चाहते हैं। भदोही से इंडिया गठबंधन की ओर से तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। पीएम मोदी ने कहा कि लोगों को मालूम है कि तृणमूल बंगाल में कैसी राजनीति करती हैं। तृणमूल की राजनीति यानी राम मंदिर को अपवित्र बताना, तृणमूल की राजनीति यानी रामनवमी मनाने पर प्रतिबंध लगाना, तृणमूल की राजनीति यानी बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण देना। सपा उग्र को इसी दिशा में लेकर जाना चाहती है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा और बसपा के बीच गठबंधन का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, पिछली बार बुआ (मायावती की ओर इशारा करते हुए) ने सपा के लोगों को पहचान लिया और उन्हें छोड़ दिया। अब वे बंगाल से एक बुआ (ममता बनर्जी)ले आए हैं। जौनपुर में एक अन्य रैली में, भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार कृपाशंकर सिंह और मछलीशहर (आरक्षित) के बी पी सरोज के समर्थन में आयोजित एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह लोकसभा चुनाव देश के लिए एक ऐसा नेता चुनने का अवसर है जो एक मजबूत सरकार चला सके जो दुनिया को भारत की ताकत से अवगत कराए। जय श्री राम और हर हर मोदी के नारों के बीच प्रधानमंत्री ने कहा, आपका उत्साह दिखाता है कि आपने उत्तर प्रदेश में इंडिया गुट के लिए एक भी सीट जीतना मुश्किल कर दिया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर हमला करते हुए मोदी ने कहा, सपा के शहजादे भी काशी का मजाक उड़ाते हैं। वे अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए हर हद पार कर रहे हैं। मुझे आश्चर्य है कि यह 21वीं सदी है और वे तीन तलाक का झंडा लेकर घूम रहे हैं। पीएम मोदी ने इंडिया गुट के नेताओं पर धर्म के आधार पर आरक्षण की वकालत करने का आरोप लगाते हुए कहा, वे धर्म के आधार पर आरक्षण की वकालत करते हैं। वे संविधान में बदलाव करके एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण का अधिकार छीनना चाहते हैं।

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इंडिया गुट के सहयोगी समाजवादी पार्टी के साथ मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उसी समय देश की सबसे पुरानी पार्टी के पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्रीचरणजीत सिंह चन्नी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि केजरीवाल पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उनका विरोध किया जाना चाहिए। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पंजाब को छोड़कर दिल्ली समेत अन्य राज्यों में इंडिया गुट का सहयोगी है। पंजाब में वर्तमान में आम आदमी पार्टी की सरकार है। चन्नी ने कहा कि केजरीवाल, जो शराब घोटाले में शामिल हैं और केवल 15 दिनों के लिए जेल से बाहर हैं, उन पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। दिल्ली में बड़ा शराब घोटाला हुआ और पंजाब में भी ऐसा ही हुआ। हम इसकी जांच की मांग करते हैं। उनका स्वागत करने की बजाय विरोध किया जाना चाहिए।समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में केजरीवाल ने अपना दावा दोहराया कि अगर भाजपा सत्ता में लौटती है तो गृहमंत्री अमित शाह को अगला प्रधानमंत्री बनाया जाएगा और योगी आदियनाथ को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद से हटा दिया जाएगा। केजरीवाल ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नियम बनाया है कि 75 साल से अधिक उम्र के किसी भी व्यक्ति को सरकार और संगठन में कोई पद नहीं दिया जाएगा और उन्हें रिटायर कर दिया जाएगा। इस नियम के तहत लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी को रिटायर कर दिया गया और इसी नियम के तहत कई भाजपा नेताओं को हटा दिया गया या उन्हें टिकट नहीं दिया गया। केजरीवाल ने कहा, पीएम मोदी अगले साल 75 साल की उम्र पार करने जा रहे हैं और उन्होंने अमित शाह को देश का प्रधानमंत्री बनाने का फैसला किया है। भाजपा में जो नेता बाधा उत्पन्न कर सकते थे उन्हें किनारे कर दिया गया।

दिल्ली में सीएम को अंतरिम जमानत देना सही : सुप्रीम कोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए अंतरिम जमानत देना कोई अपवाद नहीं है और इस फैसले के आलोचनात्मक विश्लेषण का स्वागत है।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को दी गई अंतरिम जमानत के संबंध में दिए गए कुछ बयानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केजरीवाल के वकील के दावों तथा जवाबी दावों पर विचार करने से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा, हमने किसी के लिए अपवाद स्वरूप कुछ नहीं किया है। हमने अपने आदेश में वही कहा, जो हमें न्यायोचित लगा। ईडी की ओर से सॉलसिटर जनरल तुषार मेहता ने चुनावी रैलियों में दिए गए केजरीवाल के इन भाषणों पर विरोध जताया कि अगर जनता आम आदमी पार्टी को वोट देती है तो उन्हें दो जून को जेल वापस नहीं जाना पड़ेगा। पीठ ने मेहता से कहा, यह उनका मानना है। हम कुछ नहीं कह सकते।

केजरीवाल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कार्यवाही के दौरान एक वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री के बयान का उल्लेख किया। हालांकि उन्होंने मंत्री का नाम नहीं लिया। शीर्ष अदालत केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ उनकी मुख्य याचिका पर सुनवाई कर रही थी।न्यायालय ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में केजरीवाल को एक जून तक अंतरिम जमानत दी थी। अदालत ने उन्हें दो जून को आत्मसमर्पण करने को कहा है। केजरीवाल को इस मामले में 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था।

वहीं प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) ने बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय को सूचित किया कि वह जल्द ही दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी(आप) के खिलाफ कथित आबकारी घोटाले से जुड़े धनशोधन के मामले में अभियोजन शिकायत (आरोप पत्र)दर्ज करेगा।

ईडी की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल एसवी राजू ने न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायामूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ से कहा, हम अरविंद केजरीवाल और आप के खिलाफ अभियोजन शिकायत (शेष पेज 9)

चढ़ता पाराः दिल्ली और उत्तर भारत में 45 डिग्री तक जा सकता है तापमान

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

देश के उत्तर पश्चिम भाग में रहने वाले लोग आने कुछ दिनों में भीषण गर्मी के लिए से जूझने के लिए खुद को तैयार रखें। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने क्षेत्र में आंधी और बारिश की भविष्यवाणी करने के कुछ दिनों बाद बृहस्पतिवार को विशेष रूप से पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली में क्षेत्र में आंधी और बारिश की भविष्यवाणी करने के कुछ दिनों बाद, आसन्न गर्मी और लू की चेतावनी जारी की। आईएमडी के अनुसार शनिवार तक राष्ट्रीय राजधानी में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है और उससे पहले ही तीव्र गर्मी की स्थिति और अधिक बढ़ जाएगी।

आईएमडी ने कहा कि अगले पांच दिनों तक, उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में पछुआ और उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण लू का प्रकोप रहने की संभावना है, खासकर शिशुओं, बुजुर्गों और अंतर्निहित बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं बढ़ सकती हैं। आईएमडी ने लंबे समय तक धूप में रहने वाले या भारी काम करने वाले व्यक्तियों में गर्मी से संबंधित बीमारियों के बढ़ते जोखिम के बारे में भी आगाह किया है। इसके विपरीत, आईएमडी के अनुसार, 22 मई, 2024 तक दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में भारी से बहुत भारी वर्षा के साथ बारिश का दौर जारी रहने की उम्मीद जताई है, तमिलनाडु और केरल में अलग-अलग स्थानों पर अधिकतम प्रभाव पड़ने की संभावना है। उत्तर पश्चिमी क्षेत्र के लिए पूर्वानुमान 18 मई से पूर्वी और मध्य भारत में एक अधिक गर्मी पड़ने की आशंका है। यह अलर्ट जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ती गर्मी की लहरों के बारे में व्यापक चिंताओं के साथ मेल (शेष पेज 9)

कोविशील्ड के बाद अब कोवैक्सीन ने बढ़ाई चिंता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

इस साल की शुरुआत में ब्रिटेन की अदालतों में एस्ट्राजेनेका ने स्वीकार किया था कि उसके वैक्सीन में दुर्लभ दुष्प्रभाव खून के थक्के जमने के मामले मिले हैं। इस वैक्सीन को भारत में कोविशील्ड के रूप में बेचा गया। वहीं बीएचयू के शोधकर्ताओं ने एक अध्ययन में सुझाव दिया है कि जिन लोगों को कोवैक्सिन टीका लगा है उन्हें राहत नहीं मिलने वाली है, क्योंकि इस वैक्सीन के भी साइड इफेक्ट (दुष्प्रभाव) चिंताजनक हैं। बीएचयू शोधकर्ताओं ने पाया कि कोवैक्सिन प्राप्तकर्ताओं में से लगभग एक-तिहाई ने 'विशेष रुचि की प्रतिकूल घटनाओं' की सूचना दी।

जर्नल स्प्रिंगर नेचर में प्रकाशित इस अध्ययन जो एक साल के फॉलोअप है, अध्ययन में कहा गया है कि अध्ययन में 926 प्रतिभागियों में से लगभग 50 प्रतिशत ने फॉलोअप अवधि के दौरान संक्रमण की शिकायत की, जो वायरल ऊपरी श्वसन पथ के संक्रमण से प्रमुख थे। अध्ययन के मुताबिक, किशोरियां इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हुईं। कुछ दुष्प्रभाव काफी गंभीर थे। अध्ययन में 635 किशोरों और 291 वयस्कों को शामिल किया गया, जिन्हें बीबीवी152 वैक्सीन लगी थी। टीकाकरण के 1 वर्ष के बाद प्रतिभागियों से विशेष रुचि की दीर्घकालिक प्रतिकूल घटनाओं के बारे में टेलीफोन पर साक्षात्कार लिया गया। इस बीच, एस्ट्राज़ेनेका के टीके को एक और दुर्लभ रक्त के थक्के जमने की बीमारी से जोड़ा गया है जिसे वैक्सीन-प्रेरित इम्यून थ्रोम्बोसाइटोपेनिया और थ्रोम्बोसिस (वीआईटीटी) कहा जाता है।भारत में अधिकांश आबादी ने हैदराबाद स्थित भारत बायोटेक द्वारा विकसित कोविशील्ड और कोवैक्सिन लगवाया है। ऐसा कहा गया था कि यह दुनिया भर में फैली (शेष पेज 9)

मालीवाल ने बयान दर्ज कराया, एनसीडब्ल्यू ने सीएम के पीए को किया तलब

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल का बयान बृहस्पतिवार को उनके घर पर बयान दर्ज किया। ज्ञात रहे कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी विभव कुमार ने स्वाति मालीवाल पर हमला और मारपीट करने का दावा किया गया था। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (एसीपी) पीएस कुशवाह के नेतृत्व में पुलिस टीम मालीवाल के घर पहुंची और चार घंटे से अधिक समय तक वहां रही। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, एक महिला पुलिस अधिकारी सहित टीम घटना की जानकारी लेने और उनका बयान दर्ज करने के लिए राज्य सांसद के आवास पर गई थी।इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने मामले के संबंध में गुरुवार को बिभव को तलब किया, उसकी सुनवाई शुक्रवार सुबह 11 बजे होनी है। आयोग ने इस मामले का स्वत: संज्ञान लिया है।

सचिन समेत आईपीएल के महारथी ज्यादा मतदान के लिए करेंगे बैटिंग

राजेश कुमार। नई दिल्ली

अगर आपके पास मतदान करने के लिए क्रिकेट के दिग्गज और चुनाव आयोग के राष्ट्रीय प्रतीक सचिन तेंदुलकर और 10 आईपीएल टीमों में खेलने वाले शीर्ष क्रिकेटरों का फोन आ जाए तो आश्चर्यचकित न हों। मतदान के प्रति रूझान बढ़ाने के लिए ये क्रिकेटर मतदाताओं से आने वाले चरणों में बड़ी संख्या में वोट डालने की अपील करेंगे। चुनाव आयोग के सूत्रों ने अगले तीन चरणों के मतदान के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों में मतदाताओं की उदासीनता और गर्मी की लहर पर चिंता व्यक्त की है। 18 मई से पूर्वी और मध्य भारत में भी गर्मी का ताजा दौर शुरू हो जाएगा।चुनाव निकाय ने मतदाताओं तक पहुंचने के लिए हितधारकों द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न मतदाता जागरूकता अभियानों और अभियानों पर प्रकाश डालते हुए, आईपीएल, फोनपे टेलीकॉम सेवा प्रदाताओं जैसे भारत संचार निगम लिमिटेड, भारती एयरटेल लिमिटेड, जियो टेलीकम्युनिकेशन, वोडाफोन-आइडिया लिमिटेड, फेसबुक, गुगल, व्हाटसएप, यूट्यूब, गूगल पे समेत अन्य प्लेट फॉर्म को इसमें शामिल किया है। इसके अन्य प्लेटफॉर्म, रेल मंत्रालय, नागरिक उड्डयन, डाक विभाग, बैंकिंग नेटवर्क, देश भर के सिनेमा थिएटर, मदर डेयरी और अन्य दुग्ध सहकारी समितियां, संगीत ऐप स्पोटीफाई, बाइक ऐप बड़ी संख्या में लोगों को वोट डालने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए रैपिडो, किराना ऐप ब्लिंकिट, बुकमायशो, ज़ोमैटो और स्विगी जैसे फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म, टाटा न्यू ऐप और ट्रूकॉलर को मतदान बढ़ाने के लिए जोड़ा गया है।

चुनाव आयोग ने गुरुवार को कहा कि लोकसभा चुनाव के पहले चार चरणों में संचयी मतदान 66.95 प्रतिशत दर्ज किया गया है, वर्तमान चुनावी अभ्यास में अब तक लगभग 97 करोड़ मतदाताओं में से 45.10 करोड़ मतदान कर चुके हैं।चुनाव निकाय ने कहा कि 13 मई को हुए चौथे चरण के मतदान में अद्यतन मतदाता मतदान 69.16 प्रतिशत था, जो 2019 के संसदीय चुनावों में इसी चरण की तुलना में 3.65 प्रतिशत अधिक है। लोकसभा चुनाव में तीसरे चरण के मतदान के लिए अद्यतन मतदान आंकड़े (शेष पेज 9)

सपा-कांग्रेस का गठबंधन जब भी हुआ महामारी का कारण बना: योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ कौशांबी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कौशांबी लोकसभा क्षेत्र के मंझनपुर में विशाल जनसभा को संबोधित किया और भाजपा प्रत्याशी विनोद सोनकर के लिए अधिक से अधिक मतदान की अपील की। इस अवसर पर सीएम योगी ने कौशांबी में डबल इंजन सरकार द्वारा किए गए कार्यों और उपलब्धियों की चर्चा की तो समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। सीएम योगी ने कहा कि ये सपा और कांग्रेस का गठबंधन जब भी हुआ है ये महामारी का कारण बना है। ये गठबंधन नरकगामी है, पाप का प्रतीक है, क्योंकि इनके पास विकास की कोई सोच नहीं है। ये नकारात्मक सोच के कारण देश के खिलाफ षडयंत्र कर रहे हैं। इन लोगों के मंसूबे देश के लिए खतरनाक हैं। मेरी क्षेत्र के जागरूक मतदाताओं से अपील है कि वो अपनी पार्टी लाइन से ऊपर उठें, जाति से उपर उठें और विकास के लिए वोट करें।

सीएम योगी ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र के महापर्व के चार चरण पूरे हो चुके हैं। अभी तीन चरण बाकी हैं, लेकिन रुझान अभी से प्राप्त हो गए हैं। हर एक को पता है कि चार जून को क्या होने जा रहा है। पूरे देश के अंदर एक ही स्वर और नारा गूंज रहा है कि फिर एक बार मोदी सरकार। इस नारे को जनता जनार्दन ने अपना संकल्प बना लिया है। उन्होंने कहा कि 2014 के पहले का भारत, गरीब भूख से मरता था, स्वास्थ्य सुविधा और पैसे की कमी के कारण दम तोड़ता था, किसान आत्महत्या करता था, नौजवान पलायन करता था, बेटियां और व्यापारी सुरक्षित नहीं थे, विकास कार्य ठप पड़े थे, अराजकता का माहौल था, देश के अंदर जगह जगह विस्फोट होते थे और सीमा पार दुश्मन अतिक्रमण करता था, पहचान का संकट था। आज मोदी जी के नेतृत्व में भारत बदल चुका है। आज एक नए भारत का दर्शन हो रहा है। दुनिया के अंदर देश का सम्मान बढ़ा है, सीमाएं सुरक्षित हुई हैं, आतंकवाद और नक्सलवाद पर नकेल कसी गई है। ये नया भारत देश के अंदर सुरक्षा दे रहा है तो विकास के बड़े बड़े कार्य भी कर रहा है। मेडिकल कॉलेज बन रहे हैं, आईआईटी, आईआईएम, एम्स बन रहे हैं, एनआईटी और ट्रिपल आईटी बन रहे हैं, वर्ल्ड क्लास यूनिवर्सिटी की स्थापना हो रही है, पर्यटन विकास के नए-नए प्रतिमान स्थापित हो रहे हैं, हर घर जल की योजना भी लागू हो रही है।

सीएम योगी ने बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष की बातों का जिक्र करते हुए कहा कि वो कह रहे हैं कि राशन फ्री देंगे। जब सत्ता थी तब तो कुछ किया नहीं, तब तो गरीब को भूखा मार रहे थे। समाजवादी पार्टी कहती है कि आटा और डाटा फ्री देंगे, लेकिन जब सत्ता में थे तब तो माफिया के शार्गिद बनकर काम कर रहे थे। कहीं खनन माफिया, कहीं भूमाफिया तो कहीं राशन माफिया हावी होकर के गरीब के हिस्से को हड़प जाता था और इनकी जुबान सिली रहती थी। आज इनको मालूम है कि माफिया मुक्त उत्तर प्रदेश में इनके लिए कोई जगह नहीं है, इसलिए चिल्ला रहे हैं कि आटा और डाटा देंगे। इन्हें मालूम है कि अब इन्हें कभी वापस नहीं आना है, इसलिए अभी से ये लोग परेशान हैं। इन्हें मालूम है कि इस चुनाव में जैसे ही सपा और कांग्रेस का गठबंधन हारेगा, वैसे ही जनता इनका नाम भी भूल जाएगी, जिसके बाद ये कहीं से चुनाव लड़ने की स्थिति में नहीं रहने वाले हैं। आज देश के अंदर 80 करोड़ लोग फ्री में राशन प्राप्त कर रहे हैं। 60 करोड़ लोगों को 5 लाख रुपए के आयुष्मान भारत की योजना का लाभ मिल रहा है। 50 करोड़ गरीबों के जनधन अकाउंट खुल गए हैं। 12 करोड़ किसानों को किसान सम्मान निधि का लाभ, 12 करोड़ घरों में शौचालय का निर्माण, 10 करोड़ घरों में उज्ज्वला योजना का कनेक्शन मिला है। 4 करोड़ गरीबों को मकान दे दिए हैं। मोदी जी की गारंटी है कि जितने गरीब मकान से वंचित हैं, तीसरे कार्यकाल में हर एक को मकान दिलाने का प्रबंध करेंगे। 70 साल के ऊपर हर एक बुजुर्ग को आयुष्मान कार्ड देंगे, 5 लाख तक फ्री में उपचार की व्यवस्था करेंगे।

भारत के अंदर बाबा साहेब अंबेडकर जी के संविधान को प्रभावी ढंग से लागू करते हुए एक देश में एक प्रधान और एक विधान की नीति पर चलते हुए समान नागरिक कानून भी लागू करेंगे।

योगी के आते ही बदल गया यूपी का माहौल: मोदी

● पूर्वांचल में जनसभाओं को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने की सीएम योगी की तारीफ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल (आजमगढ़/ जौनपुर/ भदोही/ प्रतापगढ़) में जनसभाओं को संबोधित किया और सभी जगह उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आने वाले 5 साल में मोदी और योगी मिलकर पूरे पूर्वांचल की तस्वीर और तकदीर दोनों बदलने वाले हैं। इस दौरान पीएम मोदी ने सीएम योगी द्वारा माफिया के सफाए के साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़े बदलाव के लिए सीएम योगी की जमकर तारीफ की और पूर्वांचल को विकसित भारत का नया ग्रोथ इंजन करार दिया।

आजमगढ़ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने माफिया और दंगाइयों के खिलाफ सीएम योगी द्वारा चलाए गए सफाई अभियान की तारीफ की। उन्होंने कहा कि सपा के गुंडाराज को आपने देखा है। बाजार सात बजे बंद हो जाते थे। माताएं बहनें घर से बाहर नहीं निकल पाती थीं, पढ़ाई के लिए भी बेटियां घर से नहीं निकल पाती थीं। आज भाजपा सरकार में यूपी का तेज विकास हो रहा है। एयरपोर्ट बने हैं, यूनिवर्सिटी बनी हैं। आज उत्तर प्रदेश में माफिया, दंगाइयों और रंगदारी मांगने वालों की सफाई करके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भरपूर स्वच्छता अभियान चलाया है।

इसी तरह, भदोही में भी पीएम ने माफिया के सफाए का जिक्र करते हुए कहा कि सपा सरकार में वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया हावी था। हर डिस्ट्रिक्ट में अलग माफिया का साम्राज्य था। हर जिले में इन लोगों ने एक-एक माफिया को ठेका देकर रखा था। यहां व्यापारी सुरक्षित नहीं था, बहन बेटियां सुरक्षित नहीं थीं, युवाओं का कोई भविष्य नहीं होता था, लेकिन जब से योगी आए हैं,पूरा माहौल बदल गया है। अब जनता नहीं डरती, बल्कि माफिया डरते हैं। जौनपुर में भी पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित किया और यहां पर उन्होंने पूर्वांचल में विकसित होते वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर की बात की। उन्होंने कहा कि विकसित भारत बनाना ये मेरा प्रण है और विकसित भारत का ग्रोथ इंजन पूर्वांचल होगा, पूर्वी भारत होगा। उन्होंने कहा कि इसीलिए जब यहां एक्सप्रेसवे बनाता हूं तो जौनपुर वालों को बड़ा लाभ होता है। जब बनारस के हवाई अड्डे को अपग्रेड करता हूं तो यहां के लोगों को फायदा होता है। ये पूरा क्षेत्र हेल्थ और एजुकेशन (शिक्षा और स्वास्थ्य) का एक बड़ा मजबूत हब बन रहा है। आने वाले 5 साल में मोदी और योगी पूर्वांचल की तस्वीर और तकदीर दोनों बदलने वाले हैं। प्रतापगढ़ में पीएम मोदी ने कहा कि सपा-कांग्रेस की राजनीति का सबसे ज्यादा नुकसान यूपी को हुआ है। गुंडाराज, भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और परिवारवाद, ये सपा की राजनीति थी। आज इस क्षेत्र से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे निकल रहा है, गंगा एक्सप्रेसवे निकलने जा रहा है, एक्सप्रेसवेज के दोनों ओर लॉजिस्टिक पार्क, इंडस्ट्रियल सेंटर, कृषि उत्पादन केंद्र और फूड प्रोसेसिंग यूनिट बनेंगे। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट में हम यहां के आंवला उत्पादों को बढ़ावा दे रहे हैं। इसका लाभ यहां के किसानों को, आंवला उत्पादकों को होगा। जहां सपा होगी वहां उद्योग नहीं लग सकते। सपा के राज में व्यापारियों से रंगदारी हर मुहल्ले की घटना हो गई थी। इसका परिणाम ये हुआ कि यूपी में निवेश नहीं आया, उद्योग नहीं लगे, रोजगार नहीं मिले।

छात्रसंघ के पूर्व पदाधिकारियों ने बैठक कर की इंडिया गठबंधन को जिताने की अपील

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी की उपस्थिति में छात्र-युवा नेताओं की बैठक में भाजपा की तानाशाही के विरुद्ध लोकसभा 2024 के लोकसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को विजयी बनाने की अपील की गई। लखनऊ विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय छात्रसंघ के पूर्व पदाधिकारियों एवं छात्र नेताओं की संयुक्त बैठक समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय 19- विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ में सम्पन्न हुई। बैठक में छात्र नेताओं द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रसंघ के पूर्व महामंत्री लखनऊ के विधायक एवं लखनऊ लोकसभा के क्षेत्र से समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी विदास मेहरोत्रा को तन-मन-धन से समर्थन देने का निर्णय लिया गया। लखनऊ के मतदाताओं से अपील करते हुए छात्र नेताओं ने कहा कि रविदास मेहरोत्रा को पूरा लखनऊ जानता है और पूरे लखनऊ को रविदास जानते हैं। उनके जन सम्पर्क की कहानियां एवं राजनीतिक उपलब्धियों को देखकर कहा जा सकता है कि 'हम फिदाये लखनऊ, लखनऊ फिदाये रविदास मेहरोत्रा' ऐसा ही संघर्षमय एवं लोकप्रिय व्यक्तित्व है रविदास का। सभी लोग अपना स्नेह, समर्थन एवं महत्वपूर्ण वोट देकर रविदास मेहरोत्रा को लखनऊ का प्रतिनिधि चुनें। छात्र नेताओं ने कहा कि यह लोकसभा चुनाव करो या मरो के सिद्धांत पर आधारित है।

आजमगढ़ को बदनाम करने वाले आज हो चुके हैं बेनकाब: योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ आजमगढ़

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि आजमगढ़ 10 वर्ष पहले पहचान और विश्वास के संकट से जूझ रहा था। हर एक व्यक्ति पर सुरक्षा का खतरा मंडरा रहा था। देश में विकास कार्य ठप हो चुके थे क्योंकि कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकार भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी थी। उस दौरान गरीब भूख से मरता था, किसान आत्महत्या करते थे, बेटी और व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। वहीं देश और दुनिया में आतंकी घटना होने पर उसके तार आजमगढ़ से जोड़े जाते थे और उसे बदनाम किया जाता था। पिछले 10 वर्षों में हमने बदलते हुए भारत को देखा है। हम एक नये भारत का दर्शन कर रहे हैं, जिसमें दुनिया में सम्मान बढ़ा है, सीमाएं सुरक्षित हुई हैं, आतंकवाद-नक्सलवाद पर प्रभावी अंकुश लगा है। आजमगढ़ में महाराज सुहेलदेव के नाम पर एक विश्वविद्यालय बन गया है। इसके साथ ही आजमगढ़ पूर्वांचल एक्सप्रेस से जुड़ गया है। आज आजमगढ़ में एयरपोर्ट भी है। ये सब मोदी की गारंटी से हुआ है। ये बातें मुख्यमंत्री गुरुवार को आजमगढ़ के फरिया-निजामाबाद रोड के लालगंज लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। सीएम योगी ने आजमगढ़ के लोकसभा प्रत्याशी दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' और लालगंज लोकसभा प्रत्याशी नीलम सोनकर के पक्ष में वोट की अपील की। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आजमगढ़ को बदनाम करने वाले आज बेनकाब हो चुके हैं। आज आजमगढ़ वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, प्रयागराज समेत अन्य जिलों से फोरलेन की बेहतरीन कनेक्टिविटी के साथ जुड़कर नये भारत के नये उत्तर प्रदेश का नया आजमगढ़ बन चुका है। पहले देश और दुनिया में लोग आजमगढ़ का नाम सुनते ही चौंक जाते थे। उस दौरान यहां के लोगों को देश और दुनिया में जाने में काफी समस्या होती थी क्योंकि वहां आजमगढ़ वासियों को होटल तो दूर धर्मशाला में भी रूम नहीं मिलते थे। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज आजमगढ़वासियों का सम्मान बढ़ा है। उन्हे नई पहचान मिली है। यही वजह है कि पूरे देश में अबकी बार 400 पार की गूंज सुनायी दे रही है। पूरा देश एक स्वर में कह रहा है कि जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे।

500 वर्षों के इंतजार के बाद अयोध्या में रामलला विराजमान हो गये हैं। इससे हर देशवासी अभिभूत है। वह पीएम नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का इंतजार कर रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि हमें भटकना और बहकना नहीं है जिन्होंने हमारे लिये काम किया है और हमें पहचान दी है। ऐसे में हमें नि:संकोच और बेझिझक कमल खिलाने के अभियान के साथ जुड़ना है।

भाजपा के अहंकार को खंड-खंड कर देगी बुंदेलखंड की जनता: अखिलेश यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि चार चरणों के चुनाव में भाजपा चारों खाने चित हो गयी है। अब तो भाजपा के लोगों के आंसू की नदी भी बहने लगी है। इस चुनाव में जनता भाजपा से दस साल की सरकार का हिसाब-किताब लेगी। भाजपा ने किसानों से झूठे वादे किए। बुन्देलखण्ड समेत प्रदेश के किसानों को धोखा दिया। लोकसभा चुनाव में बांदा, चित्रकूट, फतेहपुर, कौशाम्बी समेत पूरे बुन्देलखण्ड में भाजपा की करारी हार होगी। इंडिया गठबंधन की ऐतिहासिक जीत होने जा रही है। भाजपा ने बुन्देलखण्ड समेत पूरे प्रदेश को लूटा है। बुन्देलखण्ड की जनता इस बार भाजपा को एक भी सीट नहीं जीतने देगी। बुन्देलखण्ड की जनता भाजपा के अहंकार को खण्ड-खण्ड कर देगी।

अखिलेश यादव ने गुरुवार को बांदा लोकसभा क्षेत्र से इंडिया गठबंधन की समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी कृष्णा देवी, फतेहपुर लोकसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रत्याशी नरेश उत्तम पटेल और कौशाम्बी लोकसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी पुष्पेन्द्र सरोज के पक्ष में विशाल चुनावी जनसभाओं में ऐतिहासिक वोटों से उन्हें जिताने की अपील की। अखिलेश यादव ने उक्त चुनावी जनसभाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि भाजपा ने दस साल में महंगाई, बेरोजगारी बढ़ाकर लोगों का जीवन बर्बाद कर दिया है। सब चीजों के दाम महंगे कर दिए हैं। पढ़ाई-लिखाई, दवाई, सिंचाई सब कुछ महंगा हो गया है। यह चुनाव देश की आने वाली पीढ़ी के भविष्य को बचाने का चुनाव है। यह लोकतंत्र और संविधान बचाने का चुनाव है। इस चुनाव में एक तरफ हम इंडिया गठबंधन के संविधान बचाने वाले लोग हैं। दूसरी तरफ संविधान बदलने की बात करने वाले भाजपा के लोग हैं। भाजपा बाबा साहब के संविधान को बदलना चाहती है। उनका नाम मिटाना चाहती है। अखिलेश यादव ने कहा कि संविधान से हम लोगों को न्याय, अधिकार और वोट डालने का अधिकार मिला है। भाजपा इन्हीं अधिकारों को छीनना चाहती है। आरक्षण खत्म करना चाहती है। संविधान, लोकतंत्र और आरक्षण बचाने के लिए भाजपा को हटाना जरूरी है। भाजपा हटेगी तभी सब कुछ बचेगा। तभी भाईचारा बचेगा। भाजपा भेदभाव करती है। नफरत फैलाती है। समाज को लड़ाती है। यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के फैसलों से लोगों का जीवन संकट में पड़ गया। भाजपा ने किसानों, नौजवानों से झूठे वादे किये। किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। भाजपा ने महंगाई बढ़ा कर किसानों की कमरतोड़ दी। खाद, बीज, सिंचाई सब महंगी कर दी लेकिन किसानों को फसलों की कीमत नहीं मिली। इस सरकार ने यूरिया की बोरी से 5-5 किलो करके 10 किलो यूरिया निकाल ली। इन्होंने किसानों को जबरदस्ती नैनो यूरिया खरीदवा दी कहा था पैदावार बढ़ जाएगी। डीएपी के साथ जबरदस्ती नैनो यूरिया खरीदवाई लेकिन पैदावार नहीं बढ़ी। अब पता चला है कि नैनो यूरिया बनाने वाले देश छोड़ कर भाग गये।

उन्होंने लोगों से अपने बूथ और वोट की रक्षा की अपील करते हुए कहा कि कोई रोके तो भी हर हालत में वोट डाल देना। उन्होंने कहा कि इधर भाजपा और बसपा ने अंदर से हाथ मिला लिया है। मेरी बहुजन समाज के लोगों से अपील है कि बाबा साहब के संविधान को बचाने के लिए इंडिया गठबंधन को जितायें। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के प्रत्याशियों को वोट दें।

इंडिया गठबंधन को मिलेंगी 300 सीटें: डीके शिव कुमार

● कर्नाटक के डिप्टी सीएम ने कहा, चुनाव बाद गठबंधन के सभी सहयोगी दल मिलकर करेंगे पीएम का चुनाव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष डीके शिव कुमार ने कहा कि चुनाव में इंडिया गठबंधन 300 सीटें मिलेंगी। प्रधानमंत्री का चुनाव गठबंधन के सांसद करेंगे। वह गुरुवार को लखनऊ में मॉल एवेन्यू स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सामूहिक नेतृत्व में विश्वास करती है। चुनाव के बाद गठबंधन के सभी सहयोगी दल एक साथ बैठकर फैसला लेंगे।

डीके शिवकुमार ने कहा की महंगाई ,बेरोजगारी ने आज सुरसा का रूप ले लिया है, सरकार बनने के बाद से ही हम कर्नाटक में हर माह 10 किलो अनाज गरीब परिवारों को दे रहे हैं। एक करोड़ 20 लाख महिलाओं को 2000 रुपए प्रति महीना गृह लक्ष्मी योजना के अंतर्गत दे रहे हैं। एक करोड़ 50 लाख परिवारों को हम 200 यूनिट मुफ्त बिजली गृह ज्योति योजना के तहत दे रहे हैं। प्रदेश के बेरोजगारों को 3000 रुपए प्रति माह बेरोजगारी भत्ता दे रहे हैं। हमने शक्ति योजना का वादा किया था जिसमें हम पूरे प्रदेश की महिलाओं को मुफ्त में बस यात्रा उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने यूपीए सरकार के समय डॉ. मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री चुने जाने की प्रक्रिया का जिक्र भी किया। शिव कुमार ने कहा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के कहने पर कर्नाटक में गारंटी कार्ड साइन करके जनता को दिया गया था। कर्नाटक में सरकार बनते ही सभी गारंटी लागू कर दी गई। कर्नाटक में 10 किलोग्राम राशन पहले से दिया जा रहा है। अब इसे पूरे देश में देने की गारंटी कांग्रेस ने दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के लिए मुस्लिम आरक्षण का मुद्दा उठा रहे हैं। वह जान गए हैं कि भाजपा चुनाव में मैजिक नंबर नहीं पाने जा रही है। देश की प्रगति, भलाई और शांति के लिए इंडिया गठबंधन की सरकार जरूरी है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक की आबादी 6.7 करोड़ है हमारा बजट 3,70000 करोड़ का है जिसमें से सारे खर्चे निकालने के बाद 52000 करोड़ हमने सिर्फ विकास कार्यों के लिए रखे हैं। मैं पूछना चाहता हूं 10 साल से केंद्र में काबिज़ भारतीय जनता पार्टी की सरकार से की एक ऐसी योजना बताइए जो गरीब के लिए हो? आज देश में लोकसभा चुनाव गतिमान है खड़गे और राहुल गांधी ने कांग्रेस के पांच न्याय, पच्चीस गारंटी कार्ड में हस्ताक्षर किया है। कांग्रेस लोगों की ताकत है ,सभी जातियों वर्गों ,समुदायों, पंथ का ख्याल रखा जाएगा यह हमारा वादा हैं। कांग्रेस जो कहती है वह करके दिखाती है और यही बात कांग्रेस को दूसरे दलों से अलग बनाती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने वादा किया है जातीय जनगणना करने का क्योंकि हम देश के संसाधनों का एक समान बंटवारा चाहते हैं, सबके लिए अवसर और देश के संसाधन समान रूप से उपलब्ध हो यही हमारी मंशा है। मैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री से पूछना चाहता हूं कि वह जातीय जनगणना से क्यों घबरा रहे हैं और जातीय जनगणना क्यों नहीं होने देना चाहते? हम पूरी तरह से आश्वस्त हैं की 4 जून को देश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। आप लोग भी सभी प्रदेशों से रिपोर्ट मंगवाइए तो आपको पता चल जाएगा कि इंडिया गठबंधन कितनी मजबूत स्थिति में है। कर्नाटक गवर्नमेंट बनी उसके बाद इंडिया गठबंधन बना और इंडिया गठबंधन बनने के बाद तेलंगाना में हमारी सरकार बनी और अब पूरे देश में बनने जा रही है। इसलिए जरूरत है कि सब साथ मिलकर चलें बदलाव के लिए, जीत के लिए, सामाजिक सौहार्द के लिए, देश में शांति के लिए। आज देश की जनता इंडिया गठबंधन की सरकार बनाने को आतुर है क्योंकि वो समझ चुकी है कि...हाथ ही बदल सकता है हालात। पत्रकार वार्ता के दौरान कर्नाटक के राज्यसभा सांसद सी चंद्रशेखर ,राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे, उत्तर प्रदेश कांग्रेस मीडिया चेयरमैन डॉ. सीपी राय, नेशनल कोऑर्डिनेटर गरिमा मेहरा दसौनी चित्रा बाथम, प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रवक्ता सूची विश्वास, डॉ. अलीमुल्लाह खान, प्रियंका गुप्ता मौजूद रहे।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मेरा आधार कार्ड व हाई स्कूल के प्रमाण पत्र में मेरा नाम कु0 बन्दना है जो सही है मेरी शादी के बाद मेरा नाम बदलकर बंदना देवी हो गया है दोनों नाम मेरा ही है, कु0 बंदना पत्नी अभिनाश कुमार गौतम, ग्राम–बड़हरा पो0– तुरना, थाना – नन्दगंज, जिला – गाजीपुर

सूचना

पूर्व में मेरा नाम मो0 सईद पुत्र मो0 हासिम था, जिसे बदलकर मैंने अपना नाम सईद अहमद पुत्र मो0 हासिम रख लिया है। मेरा सभी कारोबार सईद अहमद के नाम से ही हो रहा है। मुझे भविष्य में सईद अहमद पुत्र मो0 हासिम सा0.दुलहापार कला, पोस्ट–पौली, जिला–संत कबीर नगर के नाम से जाना/पहचाना जाये

आवश्यकता है

आवश्यकता है
श्री बच्चू राम राम स्वरूप सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय अढ़ौली–धाता, फतेहपुर (उ.प्र.) कालेज कोड– 2006 में स्नातक कला संकाय हेतु हिन्दी साहित्य, प्रा० भा० इतिहास तथा स्नातकोत्तर–संस्कृत विषयों में एक–एक सहा० आचार्यों की आवश्यकता है। शैक्षिक योग्यता एवं वेतनमान यू०जी० सी० के मानकानुसार। आवेदन की अन्तिम तिथि– 10 जून 2024
मुख्य ट्रस्टी/प्रबन्धक
मो०– 6306376276, 9935306738

छठे चरण के चुनाव में धनबलियों की भरमार, 36 प्रतिशत उम्मीदवार करोड़पति

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लोकसभा चुनाव 2024 के छठे चरण में यूपी के 14 निर्वाचन क्षेत्रों में लड़ रहे प्रत्याशियों में धनबलियों की भरमार है। चुनाव में 36 फीसद करोड़पति उम्मीदवार अपना भाग्य आजमा रहे हैं।

गुरुवार को उत्तर प्रदेश इलेक्शन वॉच और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने उत्तर प्रदेश लोकसभा चुनाव 2024 के छठें चरण में 14 निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ने वाले सभी 162 उम्मीदवारों के शपथपत्रों के आधार पर रिपोर्ट जारी की है। जिनमें सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, फूलपुर, इलाहाबाद, अंबेडकरनगर, श्रावस्ती, डुमरियागंज, बस्ती, सन्त कबीर नगर, लालगंज (एससी), आज़मगढ़, जौनपुर, मछलीशहर (एससी) और भदोही निर्वाचन क्षेत्र शामिल है। उम्मीदवारों द्वारा घोषित आपराधिक मामले 162 में से 38 (23 फीसद) उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किए हैं जब कि 21फीसद उम्मीदवारों ने अपने ऊपर गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए है।

लोकसभा चुनाव 2024 के छठें चरण के चुनाव में अपराधिक मामले घोषित करने वाले उम्मीदवारों का दलवार विवरण देखा जाये तो बहुजन समाज पार्टी के 14 में से 4 (29फीसद), भारतीय जनता पार्टी के 14 में से 6 (43फीसद), समाजवादी पार्टी के 12 में से 9 (75फीसद) उम्मीदवारों ने अपने ऊपर अपराधिक मामले घोषित किए हैं। उम्मीदवारों द्वारा घोषित गंभीर आपराधिक मामलों में बहुजन समाज पार्टी के 29फीसद, भारतीय जनता पार्टी के 21 फीसद, समाजवादी पार्टी के 75फीसद उम्मीदवारों ने अपने ऊपर गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। आपराधिक मामलों में बाबू सिंह कुशवाहा जो जौनपुर से समाजवादी पार्टी से चुनाव लड़ रहे है उनके ऊपर 25 आपराधिक मामले दर्ज है, दूसरे नम्बर पर आपराधिक छवि के उम्मीदवार में राम भुआल निषाद हैं जो सुल्तानपुर से समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार है। इनके ऊपर 8 आपराधिक मामले दर्ज है।वही तीसरे नंबर पर मोइनुद्दीन अहमद खान जो बहुजन समाज पार्टी से श्रावस्ती के उम्मीदवार है, जिनके ऊपर 10 आपराधिक मामला पंजीकृत है। करोड़पति उम्मीदवारों में 162 में से 59 यानी 36फीसद उम्मीदवार करोड़पति हैं। जिसमे भारतीय जनता पार्टी के 14 में से 14 (100फीसद), समाजवादी पार्टी के 12 में से 11 (92फीसद), बहुजन समाज पार्टी के 14 में से 9 (64फीसद), उम्मीदवार करोड़पति हैं। उत्तर प्रदेश लोकसभा चुनाव 2024 के छठें चरण के उम्मीदवारों की औसतन संपत्ति 4 .66 करोड़ है।

मुख्य दलों में भारतीय जनता पार्टी के 14 उम्मीदवारों की औसत संपत्ति लगभग 28 करोड़ है। बहुजन समाज पार्टी के 14 उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 4 करोड़ के आसपास है। समाजवादी पार्टी के 12 उम्मीदवारों की औसत संपत्ति लगभग 13 करोड़ है।

सार्वजनिक सूचना

मैं, दीपक कुमार सिन्हा पुत्र श्री राधिका प्रसाद सिन्हा निवासी 5/127 विकास खण्ड 5, गोमती नगर, लखनऊ, उ0प्र0, 226010 सभी को सूचित करता हूं कि मैंने उपरोक्त प्रॉपर्टी की मूल लीज डीड जोकि मुख्य सब-रजिस्ट्रार लखनऊ में बुक सं0 2, खण्ड सं0 1256, पृष्ठ 185/200 पर क्रमांक संख्या, 26149, पर पंजीकृत है एवं प्रॉपर्टी मकान सं0 5/127 की चेन डीड का एक हिस्सा है खो गयी है। इसके तहत एफआईआर सं0 एल.ए.आर. 20230000496330 दिनांक 03/08/2023 को दर्ज की गयी है। क्षेत्र 119 वर्ग मीटर, विकास खंड, गोमतीनगर, लखनऊ रितु धवन और विशाल धवन ने संपत्ति खरीदने में रूचि दिखाई है। वे भारतीय स्टेट बैंक आरएसीपीसी, गोमतीनगर, लखनऊ (62242) से ऋण के लिए उक्त संपत्ति पर बंधक बनाना चाहते हैं। इस संबंध में कोई भी आपत्ति प्रकाशन के 15 दिन के भीतर की जा सकती है। यदि संपत्ति अंतिम रूप से नहीं खरीदी गई है तो यह विज्ञापन किसी भी तरह से संपत्ति पर मेरे स्वामित्व को प्रभावित नहीं करेगा। कृपया संपर्क करें: श्री शिवम मिश्रा (एडवोकेट) मो0 नं0: 9140515522

पाकिस्तान कर रहा भारत की तारीफ, पर कुछ लोग कर रहे झूठ की राजनीतिः राजनाथ सिंह

● रक्षा मंत्री ने राजधानी के राजाजीपुरम में जनसभा को किया संबोधित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

रक्षा मंत्री व लखनऊ से लोकसभा प्रत्याशी राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान की संसद के एक संसद सदस्य ने भारत की तारीफ करते हुए कहा है कि आज भारत विश्व की महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है जबकि वह हमारे बारे में अच्छी बात सोचता नहीं है। यह मोदी की गारंटी ही है, जो उसने मान लिया है कि भारत विकास के पथ पर तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। वहीं यहां पर कुछ राजनीतिक पार्टियां अपने निजी स्वार्थ के लिए पाकिस्तान का समर्थन करती हैं। यह झूठ बोलकर हमारे बीच गलतफहमी पैदा करती हैं। भारतीय जनता पार्टी कभी झूठ बोलकर राजनीति नहीं करती है। हम एक सार्थक और जनहित की राजनीति करते हैं। बीजेपी सरकार बनाने के लिए नहीं बल्कि देश बनाने के लिए राजनीति करती है।

राजनाथ सिंह गुरुवार को राजधानी के राजाजीपुरम में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रदेश का विकास बिना कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त किए बिना नहीं किया जा सकता है। सीएम योगी के नेतृत्व में प्रदेश की कानून व्यवस्था काफी सुदृढ़ हुई है, जिसकी वजह से प्रदेश विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि बर्बाद पाकिस्तान खुद को बचाने के लिए दुनिया के सामने भीख मांग रहा है। वहां पर हिंदुस्तान के समर्थन में नारे लग रहे हैं। वहीं यहां पर कुछ राजनीतिक फायदे के लिए पाकिस्तान की तरफदारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्व के जाने माने राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार देश में एनडीए 400 से अधिक सीटों का नेतृत्व करने जा रही है, लेकिन यह ये लोग मानने को तैयार नहीं है। यह जनता जनार्दन के भारतीय जनता पार्टी पर विश्वास और उत्साह को समझने को तैयार नहीं हैं। रक्षा मंत्री ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि यह सिर्फ झूठ की राजनीति करते हैं। इंदिरा गांधी ने वर्ष 1975 में इमरजेंसी लगाकर लोकतंत्र का गला घोंटा गया था। इन्होंने 132 बार संविधान में बदलाव का काम किया है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने दस वर्ष के कार्यकाल में एक भी संविधान में बदलाव नहीं किया है। इनके पास मुद्दों का आकाल है इसलिए यह अनाप शनाप बातें कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले भारत की बात कोई गंभीरता से नहीं सुनता है, लेकिन आज पूरी दुनिया का ध्यान भारत की ओर है। आज विश्व के बड़े बड़े विद्वानों का कहना है कि वर्ष 2027 तक भारत दुनिया की टॉपर थ्री अर्थव्यवस्था वाला देश होगा। आज दुनिया के सभी देशों के राष्ट्रीय अध्यक्ष कहते हैं कि 21 वीं सदी अगर किसी देश की है तो वह भारत की है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए कहा कि प्रदेश के विकास का पूरा श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जाता है क्योंकि इन्होंने प्रदेश की कानून व्यवस्था सुदृढ़कर उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाया है। राजधानी लखनऊ में लालकुआं और हैदरगंज का फ्लाईओवर से जाम की समस्या को काफी कम किया गया है।

अवैध व्यावसायिक कॉम्पलेक्स व नीलमथा में 6 रो-हाउस भवन सील

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नीलमथा और गोमतीनगर में एलडीए द्वारा अवैध निर्माण पर कड़ी कार्रवाई की गयी। दोनों क्षेत्र में बिना नक्शा पास कराए काम्पलेक्स और रोहाउस भवनों पर विहित प्राधिकारी द्वारा नोटिस भेजकर सीलिंग आदेश दिया था। आदेश पर एलडीए प्रवर्तन द्वारा सीलिंग की कार्रवाई की गयी।

गुरूवार को नीलमथा और गोमतीनगर में एलडीए ने अवैध निर्माण पर कार्यवाही की। इस दौरान गोमती नगर के विकास खण्ड.5 में एक अवैध व्यावसायिक कॉम्पलेक्स व नीलमथा में 06 रो-हाउस भवनों को सील किया गया। प्रवर्तन जोन.1 की जोनल अधिकारी वन्दना पाण्डेय ने बताया कि त्रिभुवन कुमार व अन्य द्वारा गोमती नगर के विकास खण्ड के ग्राम.ग्वारी में लगभग 180 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखण्ड पर भूतल पर दुकानों व प्रथम तल पर हॉल का निर्माण कराया जा रहा था। प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराये बिना अवैध रूप से निर्मित किये जा रहे इस व्यावसायिक कॉम्पलेक्स के विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा वाद दर्ज करते हुए सीलिंग के आदेश पारित किये गये थे। आदेश पर सहायक अभियंता उदयवीर सिंह, अवर अभियंता आशीष श्रीवास्तव, संजय भाटी व एसके दीक्षित द्वारा प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से उक्त कॉम्पलेक्स को सील कर दिया गया।

जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया कि अंजनी कुमार सिंह व अन्य द्वारा नीलमथा के रामसेवक पुरम में हरिहरपुर नाले के पास खसरा संख्या-433 पर लगभग 6000 वर्गफिट क्षेत्रफल में बिना स्वीकृत मानचित्र के 6 रो-हाउस भवनों का निर्माण कराया जा रहा था। जिसके विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा वाद योजित करते हुए सीलिंग के आदेश पारित किये गये थे। सहायक अभियंता अनिल कुमार, अवर अभियंता ऋतुपाल व विपिन बिहारी राय द्वारा प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से उक्त भवनों को सील कर दिया गया।

अवध बार एसोसिएशन का वार्षिक चुनाव

आरडी शाही अध्यक्ष व मनोज कुमार द्विवेदी महासचिव बने

विधि संवाददाता। लखनऊ

हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ स्थित अवध बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में अध्यक्ष के पद पर आरडी शाही निर्वाचित हुए हैं। जबकि महासचिव के पद पर पर मनोज कुमार द्विवेदी ने जीत हासिल की है।

बुधवार/गुरूवार की मध्य रात्रि में अवध बार का चुनाव परिणाम घोषित किया गया। जिसमें अध्यक्ष पद पर आरडी शाही ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सुभाष चंद्र मिश्रा को 387 मतों से पराजित किया। वहीं महासचिव पद पर मनोज कुमार द्विवेदी ने कांटे के मुकाबले में 38 मत से जीत दर्ज की। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी बालकेश्वर श्रीवास्तव को हराया। इसी प्रकार वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर राम उजागिर पांडेय विजयी रहे। उपाध्यक्ष मध्य के दो पदों पर प्रतिभान यादव व आशीष कुमार मिश्रा तथा कनिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर गणेश नाथ मिश्रा निर्वाचित हुए। संयुक्त सचिव के तीन पदों पर देवकी नंदन पाण्डेय, ज्ञान सागर गुप्ता व अम्बरीष कुमार द्विवेदी विजयी घोषित हुए। कोषाध्यक्ष का पद सुधाकर मिश्र के खाते में गया। वरिष्ठ कार्यकारिणी के छह पदों पर अल्पना श्रीवास्तव, देवी प्रसाद सिंह, मनोज कुमार साहू, अयोध्या प्रसाद शुक्ला, आनंद अवस्थी व प्रतिभा अग्निहोत्री ने जीत हासिल की। वहीं कनिष्ठ कार्यकारिणी के छह पदों पर शोभा राजपूत, अंकित कुमार यादव, नेहा सिंह, अखिलेश नंद पांडेय, अंशुमान पांडे और कमलेश कुमार गुप्ता विजयी घोषित किए गए। इधर अपनी जीत पर खुशी व्यक्त करते हुए नव निर्वाचित अध्यक्ष ने अपनी प्राथमिकताएं भी बताई। उनका कहना है कि बार की ओर से यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा कि जो मुकदमे सूचीबद्ध होते हैं, वे सभी सुनवाई के लिए टेक अप हों अथवा कम से कम उनमें कोई तिथि नियत कर दी जाए। उन्होंने कहा कि जजों के रोस्टर के सम्बंध में भी सुधार को प्राथमिकता दिया जाएगा। मसलन सिविल के जानकार जज सिविल मुकदमे और क्रिमिनल के जानकर जज क्रिमिनल के मुकदमे सुनें।

रियल इस्टेट अपीलेट ट्रिब्यूनल को न्यायिक कार्य जारी रखने का आदेश

विधि संवाददाता। लखनऊ

यूपी रियल इस्टेट अपीलेट ट्रिब्यूनल में न्यायिक कार्य रोक दिए जाने सम्बंधी एक आदेश पर हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने संज्ञान लिया है। पीठ ने ट्रिब्यूनल को न्यायिक कार्य जारी रखने का आदेश दिया है। जस्टिस राजन रॉय एवम जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ल की पीठ ने यह आदेश इस मामले पर स्वत: संज्ञान लेते हुए पारित किया। गुरूवार को पीठ के समक्ष एक वकील ने 15 मई 2024 को ट्रिब्यूनल के निबंधक द्वारा जारी सूचना पर संज्ञान लेने का अनुरोध किया। जिसमें न्यायिक कार्य रोक देने का जिक्र था। पीठ को बताया गया कि वर्तमान में ट्रिब्यूनल में मात्र एक न्यायिक सदस्य है और प्रशासनिक तथा तकनीकी सदस्य का पद रिक्त चल रहा है। इसी कारण से न्यायिक कार्य में बाधा उत्पन्न हुई है। पीठ ने इस पर सम्बंधित प्राविधानों को उद्धत करते हुए कहा कि ट्रिब्यूनल का कार्य मात्र इस कारण से बाधित नहीं हो सकता कि राज्य सरकार प्रशासनिक व तकनीकी सदस्य के पदों पर नियुक्ति नहीं कर रही है। पीठ ने इन पदों पर नियुक्ति के सम्बंध में सरकार से जवाब भी मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 27 मई को होगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केन्द्रों पर परखीं सुविधाएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लोकसभा चुनाव के लिए बनाए सैंटिनियल कालेज के बूथों का जिला निर्वाचान अधिकारी द्वारा जायजा लिया गया। उन्होंने कराई गयी मिनिमम एश्योर्ड फैसिलिटी को भी परखा गया। चारो बूथों में कूलर और पोलिंग पार्टी के ठहरने के स्थान पर भी कूलर की व्यवस्था का निर्देश दिया गया। वहीं, टंकियों की सफाई और उनकी टीडीएस की जांच टीम बनाकर कल शाम तक कराने के निर्देश दिया गया।

गुरुवार को जिला निर्वाचन अधिकारी सूर्य पाल गंगवार ने लोक सभा चुनाव के लिए बनाए गए बूथों पर उपलब्ध कराई गई मिनिमम एश्योर्ड फैसिलिटी का जायज़ा लेने के उद्देश्य से कैसरबाग स्थित सेंटिनियल कालेज, गोलागंज स्थित क्रिश्चियन कालेज विक्रमादित्य मार्ग स्थित अवध गर्ल्स डिग्री कालेज स्थित मतदान केंद्र का निरीक्षण किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा निरीक्षण की शुरुआत सेंटिनियल कालेज से की गई। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी आकाश सिंह ने बताया इस मतदान केंद्र को मॉडल मतदेय स्थल बनाया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया की उक्त मतदान केंद्र में स्थित चारो बूथों में कूलर और पोलिंग पार्टी के ठहरने के स्थान पर भी कूलर की व्यवस्था को सुनिश्चित कराया जाए और साथ ही ठंडे आरओ व वाटर की व्यवस्था को भी सुनिश्चित कराया जाए। साथ ही निर्देश दिया की परिसर में साफ सफाई और कूलर आदि में समय समय पर पानी भरने के लिए एक एक अतिरिक्त कर्मचारी की ड्यूटी लगाना सुनिश्चित किया जाए। इसके बाद जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा क्रिश्चियन कॉलेज और अवध गर्ल्स डिग्री कालेज पहुंच कर वहा उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया की शहरी क्षेत्रों में जो भी मतदान केंद्र है सभी में ठंडे पानी की व्यवस्थाए बैठने के लिए कुर्सी, शौचालय और शेड आदि की व्यवस्था को सुनिश्चित कराया जाए। सभी मतदान केंद्रों में लगी पानी की टंकियों की सफाई और उनकी टीडीएस की जांच टीम बनाकर कल शाम तक कराना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया की कल शाम तक सभा बूथों के पानी की टीडीएस रिपोर्ट प्रस्तुत करना सुनिश्चित किया जाए।

एलडीए उपाध्यक्ष ने मॉडल केन्द्रों का निरीक्षण कर लिया तैयारियों का जायजा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एलडीए द्वारा इस बार शहर के 14 अपार्टमेंट्स में मॉडल मतदान केन्द्र बनाए जा रहे हैं। जिसकी तैयारियों को लेकर प्राधिकरण के उपाध्यक्ष द्वारा गुरूवार को अलग.अलग मतदान केन्द्र का निरीक्षण किया गया। एलडीए उपाध्यक्ष द्वारा मतदान केन्द्रों की साज.सज्जा व मतदाताओं की सहूलियत के लिए कराये जाने वाले टेंट शेडए पेयजल आपूर्ति आदि कार्यों की रूपरेखा तैयार करते हुए अधिकारियों को पूर्ण व्यवस्था कराने के निर्देश दिये गए। गुरुवार को एलडीए उपाध्यक्ष डॉ इंद्रमणि त्रिपाठी ने वृंदावन योजना के सेक्टर.6 स्थित आकाश इन्क्लेव, मानसरोवर योजना स्थित सनराइज अपार्टमेंट, गोमती नगर विस्तार स्थित सरयू अपार्टमेंट, विभूति खण्ड स्थित एल्डिको एलिगेन्स, ओमैक्स हाइट्स व विक्रात खण्ड स्थित परिजात अपार्टमेंट का निरीक्षण करके मॉडल मतदान केन्द्र की तैयारियों का जायजा लिया। इसमें परिजात अपार्टमेंट के आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों ने बताया गया कि एसोसिएशन द्वारा फर्स्ट वोटर को गिफ्ट दिया जाएगा। साथ ही मतदाताओं को अधिक से अधिक संख्या में मतदान के लिए जागरूक करने के लिए सोसाइटी के लोगों के मध्य लकी ड्रा इवेंट भी कराया जाएगा। इस पर उपाध्यक्ष डॉ इन्द्रमणि त्रिपाठी ने आरडब्ल्यूए द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वोटरों को अधिक से अधिक संख्या में मतदान के लिए प्रेरित करना है, जिसके लिए प्राधिकरण के स्तर से उन्हें पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा। उपाध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रत्येक मतदान केन्द्र में जरूरत के हिसाब से कुर्सी, सोफा, पंखे.कूलर आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाए। इसमें यह विशेष ध्यान रखा जाए कि मतदाताओं को धूप में कतार न लगानी पड़े, इसके लिए बूथ पर टेंट लगाकर शेड की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाए।

सपा विधायक पर लगा पांच हजार रुपए का हर्जाना

विधि संवाददाता। लखनऊ

समाजवादी पार्टी से प्रतापगढ़ के रानीगंज क्षेत्र के विधायक राकेश कुमार वर्मा पर हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने पांच हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। जस्टिस आलोक माथुर की एकल पीठ ने यह आदेश रानीगंज से ही भाजपा प्रत्याशी रहे अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा की निर्वाचन याचिका पर दिया है। वर्ष 2022 के विधान सभा चुनाव में अभय कुमार ने राकेश कुमार वर्मा के रानीगंज से विधायक निर्वाचित करने को हाईकोर्ट में चुनौती दी हुई है। उनकी ओर से वकील कुलदीप पति त्रिपाठी का कहना था कि राकेश कुमार वर्मा ने अपने हलफनामे में अपने आपराधिक इतिहास की जानकारी छिपाई है। साथ ही उम्र सम्बंधी तथ्य भी गलत लिखे गए हैं। गुरूवार को मामला जब सुनवाई के लिए पेश हुआ तो राकेश कुमार वर्मा के वकील की ओर से सुनवाई टालने की मांग की गई। इसका अभय कुमार के वकील ने विरोध किया। वहीं पीठ ने पाया कि पूर्व में कई अवसरों पर भी राकेश कुमार वर्मा की ओर से सुनवाई टालने का अनुरोध किया जा चुका है। पीठ ने इस पर पांच हजार रुपए के हर्जाने के साथ अनुरोध को स्वीकार कर लिया।

देश की सुरक्षा के लिए पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएंः डॉ. राजेश्वर सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने गुरुवार को महानगर स्थित शालीमार गैलेंट में आयोजित चाय पर चर्चा कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता हिस्सा किया। इस कार्यक्रम में भाजपा एमएलसी राम चंद्र प्रधान एवं युवा भाजपा नेता नीरज सिंह भी राजेश्वर सिंह के साथ रहे। इस दौरान डॉ. सिंह ने देश, प्रदेश और लखनऊ में हुए बदलावों के बारे में विस्तार से चर्चा की।

सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने लखनऊ की प्रगति में राजनाथ सिंह के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि लगातार सड़कें,एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट टर्मिनल, मेट्रो विस्तार, फ्लाईओवर, रिंग रोड, रेलवे ओवर ब्रिज और अस्पतालों का विकास हो रहा है। विधायक ने उपस्थित जनसमूह से राजनाथ सिंह को 5 लाख वोटों से जिताने की अपील की। डॉ. सिंह ने कहा कि देश की सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत सरकार आवश्यक है। सरोजनीनगर विधायक ने पिछले 10 साल में हुई आर्थिक प्रगति की चर्चा करते हुए कहा की देश आज दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, वित्तवर्ष 2021-22 में भारत को 83.57 बिलियन अमेरिकी डॉलर (6.9 लाख करोड़) का उच्चतम वार्षिक एफडीआई इनफ्लो प्राप्त हुआ। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार द्वारा किये गए कार्यों की चर्चा करते हुए डॉ. सिंह ने कहा की यूपी अब निवेश का एक सुरक्षित गंतव्य है। बसपा और सपा के शासनकाल में, यूपी में क्रमश: 364 और 700 दंगे हुए, 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में निवेश लाना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन आज मशहूर ब्रिटिश आग्नेयास्त्र कंपनी वेब्ले एंड स्कॉट की रिवॉल्वर यूपी में बन रही है, रूस में बनी एके राइफल के नवीनतम संस्करण, ब्रह्मोस मिसाइल और बड़े विमान सब यूपी में ही बनने जा रहे हैं, यह सब इसलिए संभव है क्योंकि सरकार निवेशकों को सुरक्षा प्रदान कर रही है। बिजनेस करने में यूपी की ईज ऑफ डूइंग रैंक 14वें से सुधरकर दूसरे स्थान पर पहुंच गई है।

योगी के शासनकाल में जीएसडीपी वृद्धि- 12.89 लाख करोड़ से बढ़कर 25 लाख करोड़ तक पहुँच गयी। 2024-25 में सरकार ने 7.36 लाख करोड़ का सबसे बड़ा राज्य बजट प्रस्तुत किया।

एकेटीयू अपने छात्रों को बनायेगा एआई एक्सपर्ट

लखनऊ। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय अपने छात्रों को नई उभरती तकनीकी में एक्सपर्ट बनाने पर जोर दे रही है। जिससे कि पढ़ाई पूरी करने के बाद छात्र आसानी से रोजगार पा सकें। इस दिशा में कुलपति प्रो जेपी पाण्डेय के निर्देशन में विश्वविद्यालय ने आईबीएम से एमओयू किया था। जिसके तहत कंपनी अब संबद्ध संस्थानों के छात्रों को निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स कराने जा रही है। कोर्स करने के लिए छात्रों को गूगल फॉर्म को भरना होगा। आइबीएम ऑनलाइन रूप से छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में एआई फंडामेंटल्स, फंडामेंटल्स ऑफ सस्टेनबिलिटी एंड टेक्नोलॉजी और इंट्रोडक्शन टू जेनेरेटिव एआई इन एक्शन के बारे में प्रशिक्षित किया जाएगां इसी तरह डाटा साइंस में डाटा फंडामेंटल्स, ओपेन डीएस 4 ऑल और क्लावउ कम्प्यूटिंग में फंडामेंटल्स के बारे में विशेषज्ञ कोर्स करायेंगे। इस कोर्स को बीटेक सीएसई और आईटी के छात्र कर सकते हैं। डीन टेऊनिंग एंड प्लेसमेंट प्रो नीलम श्रीवास्तव के अनुसार ऐसे कोर्स से छात्रों को काफी लाभ मिलता है।

भारत में महज 12 फीसद लोगों का रक्तचाप नियंत्रण में

लखनऊ। प्रतिवर्ष 17 मई को मनाये जाने वाले विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के एक दिन पूर्व डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस मौके पर निदेशक प्रो (डॉ) सीएम सिंह ने कहा कि भारत ने 2025 तक उच्च रक्तचाप (बढ़ा हुआ रक्तचाप) के प्रसार में 25 फीसद सापेक्ष कमी लाने का लक्ष्य रखा है। इसे प्राप्त करने के लिए, भारत सरकार ने भारत में उच्च रक्तचाप से पीड़ित 22 करोड़ से अधिक लोगों के लिए उपचार सेवाओं तक पहुँच को बढ़ाने के लिए भारतीय उच्च रक्तचाप नियंत्रण पहल (इंडियन हाइपरटेंशन कंट्रोल इनीशिएटिव-आईएचसीआई) की शुरुआत की है। निदेशक ने कहा कि नवंबर 2017 में प्रारंभ की गई, यह एक 5-वर्षीय पहल है। जिसमें स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, राज्य सरकारें और विश्व स्वास्थ्य संगठन की भारतीय शाखा शामिल हैं। कार्डियोलॉजी के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ भुवन चंद तिवारी ने बताया कि भारत में उच्च रक्तचाप से पीड़ित केवल 12 फीसद लोगों का रक्तचाप नियंत्रण में है। अनियंत्रित रक्तचाप हृदय संबंधी बीमारियों जैसे दिल के दौरे और स्ट्रोक के लिए मुख्य जोखिम कारकों में से एक है। यह भारत में कुल मौतों के एक तिहाई के लिए जिम्मेदार है। कार्डियोवैस्कुलर एवं थोरेसिक सर्जरी विभागाध्यक्ष एवं हृदय रोग विशेषज्ञ प्रो (डॉ) एपी जैन ने बताया कि विश्वव्यापी स्तर पर उच्च रक्तचाप दुनिया भर में 3 में से 1 वयस्क को प्रभावित करता है। यह आम, घातक स्थिति स्ट्रोक, दिल का दौरा, हार्ट फैलियर, गुर्दों की क्षति और कई अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनती है।

संसदीय सीट के चुनाव में बिजली कटौती समेत कई मुद्दे नदारद

मोहनलालगंज लोकसभा

संवाददाता। मोहनलालगंज

संसदीय सीट के चुनाव में बिजली कटौती का मुद्दा अब बीते दिनों की बात हो चली है। चौबीस घण्टे सप्लाई के दावे के बीच फिलहाल मोहनलालगंज लोकसभा सीट के अधिकांश इलाकों में बिजली की समस्या अब चुनावी मुद्दे से बाहर हो चुकी है। यही नही मोहनलालगंज और बंथरा को नगर पंचायत का दर्जा और नगराम-गंगागंज रोड की समस्या भी अब चुनावी मुद्दा नही रह गई है।

मोहनलालगंज संसदीय सीट के चुनाव में बिजली कटौती की समस्या तकरीबन 20 साल से प्रमुख चुनावी मुद्दा रही। जिसे लेकर सपा के सांसद उम्मीदवार आरके चौधरी और भाजपा के सांसद प्रत्याशी कौशल किशोर दोनो ही नेता धरना-प्रदर्शन कर चुके थे। हालांकि मौजूदा लोकसभा चुनाव में बिजली कटौती की समस्या का अब कोई मुद्दा नही है। चौबीस घण्टे बिजली देने के दावे के बीच फिलहाल मोहनलालगंज लोकसभा क्षेत्र से बिजली कटौती का मुद्दा सवालों से बाहर है। इसके अतिरिक्त मोहनलालगंज और बंथरा को नगर पंचायत का दर्जा देने की मांग भी अब चुनावी मुद्दा नही रह गई है। दोनों क्षेत्रों को नगर पंचायत का दर्जा मिलने से आमजन की दशकों पुरानी यह मांग भी मुद्दों से बाहर हो चुकी है। जिसके बाद मोहनलालगंज और बंथरा में विकास का पहिया रफ्तार पकड़ रहा है। जबकि नगराम-गंगागंज रोड भी अब सुर्खियों से दूर है। जिस रोड को लेकर अनगिनत धरना-प्रदर्शन और धान की रोपाई कर सांकेतिक विरोध जताया जा चुका हो। कई वर्षों से सुर्खियों में रही उस रोड की अब तस्वीर बदल चुकी है। क्षेत्रीय लोगों की यह समस्या भी इस बार मुद्दा नही है। यही नही पंचायतों में खेल मैदानों के निर्माण और कचरा निस्तारण की समस्या के निराकरण की मांग भी इस बार हासिए पर जा चुकी है। मनरेगा से निर्माणाधीन खेल मैदान और पंचायतीराज विभाग से बन रहे ठोस द्रव अपशिष्ट प्रबंधन केन्द्र से इन समस्याओं के निराकरण की उम्मीद जग उठी है। इसी तरह ग्रामीण क्षेत्र में पाइपलाइन का जाल बिछाए जाने के आगाज से हर घर तक पेयजल आपूर्ति का रास्ता भी साफ हो गया है। छिटपुट शिकायतों के बीच पेयजल आपूर्ति से जुड़ा यह मुद्दा भी किनारे पर पहुंचता दिख रहा है। जबकि इलेक्ट्रॉनिक तौल और ई पॉस मशीनों के जरिए खाद्यान्न वितरण के आगाज से घटतौली व भ्रष्टाचार का मुद्दा भी हासिए पर पहुंच चुका है। लिहाजा इस बार के संसदीय चुनाव में ऐसे कई मुद्दे मतदाताओं के जेहन से दूर हो चुके हैं।

नगर आयुक्त ने दिये अवैध होर्डिंग हटाने के निर्देश

लखनऊ। राजधानी में नगर निगम मानकों के विपरीत लगी होर्डिंग हटायी जाएंगी। केवल वही होर्डिंग लगेंगी, जिनके ढांचे की मजबूती का प्रमाण पत्र स्ट्रक्चरल इंजीनियर देंगे। निर्धारित साइज से बड़ी होर्डिंग भी हटाई जाएंगी। नगर आयुक्त द्वारा गुरुवार को विज्ञापन एजेन्सियों के साथ बैठक कर उन्हें तत्काल सभी होर्डिंग उतारने को कहा गया। गुरुवार को नगर निगम ने मुम्बई की घटना को गंभीरता से लिया है। मुम्बई में आंधी से एक विशालकाय होर्डिंग गिरने से करीब आठ लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद लखनऊ नगर निगम भी सक्रिय हो गया है। नगर आयुक्त डॉ इन्द्रजीत सिंह के निर्देश पर नौ विज्ञापन एजेन्सियों को नोटिस जारी किया गया था। नगर आयुक्त ने सभी एजेन्सियों की बैठक बुलाकर मानक विपरीत होर्डिंग लगाने वालों को कड़ी फटकार लगाई। नगर आयुक्त ने तीन दिनों में शहर में मानक से बड़ी लगी होर्डिंग हटवाने का आदेश किया है। इसके साथ घरों पर लगी होर्डिंग भी हटवाई जाएंगी।

करंट की चपेट में आकर पोल से गिरा युवक, ट्रामा सेण्टर में भर्ती

लापरवाही

● सेफ्टी किट बगैर ट्रांसफार्मर बदलने पहुंची थी वर्कशॉप के ठेकेदार की टीम

संवाददाता। मोहनलालगंज

वर्कशाप और पूरनपुर सबस्टेशन के स्टाफ की लापरवाही से गुरुवार को बेली गांव में ट्रांसफार्मर बदलने गए युवक की जान खतरे में पड़ गई। पोल पर करंट की चपेट में आकर युवक नीचे गिर पड़ा। जख्मी हालत में उसे केजीएमयू के ट्रामा सेण्टर में भर्ती कराया गया है। उधर अधिकारी मामले में गोलमोल जवाब देते नजर आए।

मोहनलालगंज के बेली गांव में 10 केवीए का ट्रांसफार्मर फुंक गया था। गुरुवार को वर्कशॉप के ठेकेदार के कर्मचारी ट्रांसफार्मर पिकप लोडर से दूसरा ट्रांसफार्मर लेकर गांव पहुंच गए। पूरनपुर सबस्टेशन से भी एक संविदाकर्मी लाइन बन्द कराने के लिए पहुंच गया। बताया जा रहा है कि पूरनपुर सबस्टेशन के कर्मचारी ने शटडाउन लेकर लाइन के फ्यूज खोल दिए। लेकिन चूक की वजह से लाइन में करंट दौड़ता रहा। जिसकी चपेट में आकर उन्नाव निवासी वर्कशॉप के ठेकेदार का कर्मचारी विनय झुलसकर पोल से नीचे गिरकर बुरी तरह जख्मी हो गया। हादसे की खबर फैलते ही हड़कंप मच गया। जख्मी विनय को फौरन गोसाईगंज सीएचसी और फिर सिविल अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया गया। जहां से उसे केजीएमसी के ट्रामा सेण्टर रेफर कर दिया गया।

सेफ्टी किट बगैर काम रही थी वर्कशाप की टीम

मोहनलालगंज में ट्रांसफार्मर बदलने पहुंच रही वर्कशॉप के ठेकेदार की टीम सुरक्षा उपकरणों के बगैर ही बार बार काम करती नजर आती है। हाल ही में मोहनलालगंज में सुरक्षा उपकरण बगैर ट्रांसफार्मर बदल रहे स्टाफ का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है। फिर भी वर्कशॉप और मोहनलालगंज डिवीजन के अधिकारी इसे लेकर लापरवाही बरत रहे हैं। गुरुवार को बेली गांव में इसी लापरवाही ने वर्कशॉप की टीम में शामिल विनय की जिन्दगी मुश्किल में डाल दी।

यह कहते हैं अधिकारी

मोहनलालगंज के एक्सइएन सुधीर कुमार अग्रवाल ने बताया बेली गांव में ट्रांसफार्मर बदलने के दौरान वर्कशॉप की टीम में शामिल युवक चोटिल हो गया। फिलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। जबकि वर्कशॉप के एक्सइएन अनिल वर्मा ने बताया पूरनपुर सबस्टेशन के लाइन स्टाफ की चूक से हादसा हो गया। जिसमें ठेकेदार का एक स्टाफ जख्मी हो गया। जिसे केजीएमसी के ट्रामा सेण्टर में एडमिट कराया गया है। ठेकेदार के स्टाफ को सेफ्टी किट अनिवार्य रुप से पहनने के लिए सख्त हिदायत दी गई है।

जेल जाकर फिर गई है केजरीवाल की बुद्धिः योगी आदित्यनाथ

● दिल्ली के सीएम पर यूपी के मुख्यमंत्री ने किया जोरदार पलटवार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/बांदा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के बयानों पर तगड़ा पलटवार किया है। उन्होंने कहा है कि केजरीवाल की बुद्धि जेल जाने के बाद फिर गई है। अन्ना हजारे के सपनों पर पानी फेरने वाले केजरीवाल अब मेरा नाम लेकर बातें कर रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि अन्ना ने जिस कांग्रेस के खिलाफ आंदोलन किया था, केजरीवाल ने उसे ही अपने गले का हार बना लिया है। सीएम योगी गुरुवार को यहां तिंदवारी में हमीरपुर-महोबा लोकसभा सीट के लिए चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां से पार्टी प्रत्याशी पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल के लिए जनता से वोट की अपील की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि जेल जाकर उन्हें पता चल गया है कि अब वह कभी जेल के बाहर नहीं आने वाले हैं। उन्होंने अन्ना हजारे के सपनों पर पानी फेरने का काम किया है। इस पाप के लिए अन्ना हजारे उन्हें कभी माफ नहीं कर सकते। आम आदमी पार्टी ने सत्ता में पहुंचकर अपने ईद-गिर्द भ्रष्टाचारियों का जमावड़ा लगा दिया है। अन्ना दुखी होते होंगे कि मेरे आंदोलन की उपज किस प्रकार की राजनीति करते हैं। केजरीवाल के जेल में होने से दिल्लीवासी खुश थे कि कम से कम उनकी खांसी बंद थी, अब ये फिर से दिल्ली वालों को खांसने के लिए मजबूर कर देंगे।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि तिंदवारा विधानसभा देश का इतिहास लिखने वाला क्षेत्र है। इस विधानसभा ने प्रदेश को मुख्यमंत्री और देश को प्रधानमंत्री भी दिया है। जब यहां कार्यक्रम करने के लिए मुझसे कहा गया तो मैं खुद को रोक नहीं पाया। उन्होंने कहा कि आज से 10 साल पहले का बुंदेलखंड और आज के बुंदेलखंड में जमीन आसमान का अंतर है। पहले यहां माफिया हावी थे, खनन माफिया, भू माफिया, जंगल माफिया और डकैतों का आतंक था। सपा और कांग्रेस इन माफिया और डकैतों की संरक्षक रही है। ये लोग ऐसे तत्वों को यहां से जनप्रतिनिधि बनाकर भेजते थे, फिर यही माफिया और डकैत जनता का शोषण करते थे और संसाधनों पर डकैती डालते थे। प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर बुंदेलखंड के युवाओं को पलायन करना पड़ता था, बेटियों, बहनों को मीलों दूर सिर पर मटकी रखकर पानी लाने को मजबूर होना पड़ा। सीएम योगी ने कहा कि 10 साल में आपने बुंदेलखंड को बदलते देखा है। अभी ये शुरुआत है। बुंदेलखंड फिर से देश को लीड करेगा। अब यहां पानी के लिए बेटी और बहन को मीलों नहीं जाना होगा। अब हर घर में नल होगा और नल में जल होगा वो भी आरओ का। कनेक्टिविटी के लिए हर सड़क को टू लेन और फोर लेन बनाया जा रहा है। पर्यटन स्थलों का विकास किया जा रहा है। डिफेंस कॉरीडोर को ऐसा बनाएंगे कि जब हमारा जवान सीमा पर तोप दागेगा तो उसपर लिखा होगा मेड इन बांदा।

पीएम मोदी को चुनाव जिताकर सत्ता पर बिठाने को आतुर है जनता जनार्दनः सीएम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/फतेहपुर

सीएम योगी ने कहा है कि फतेहपुर बुंदेलखंड का प्रवेश द्वार है, लेकिन कांग्रेस और सपा के लोगों ने अपने शासनकाल में यहां पर लूट मचा रखी थी। उस दौरान यहां सपा के माफिया, खनन माफिया, खाद्यान्न माफिया और भू-माफिया हावी थे। यहां चारो ओर अराजकता चरम पर थी। प्रदेश में बेटी और व्यापारी की सुरक्षा खतरे में थी। प्रदेश में गरीब भूख से मरता था तो किसान आत्महत्या को मजबूर था। यही कारण है कि समाजवादी पार्टी के लोगों को जनसभा में जनता नहीं मिल रही, तो वह प्रेस कॉन्फ्रेंस तक सीमित हो चुके हैं। अब तो यह स्थिति हो गई है कि समाजवादी पार्टी को सभा करने के लिए कहीं जगह नहीं मिल पा रही है। ऐसे में जनता भी कह रही है कि भैया आप लोग घर में ही ठीक हैं। यह लोग केवल प्रेस वार्ता तक सीमित हो गए हैं। इसमें भी कांग्रेस और सपा के लोग कुछ नया नहीं बोलते हैं। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को बिंदकी के फतेहपुर लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने लोकसभा प्रत्याशी साध्वी निरंजन ज्योति के पक्ष में वोट की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में देश की तस्वीर बिलकुल बदल चुकी है। वही वजह है कि लोकसभा चुनाव के अभी तीन चरण बाकी है, लेकिन परिणाम को लेकर देश का हर व्यक्ति निश्चिंत है। हम देश की जनता के इस विश्वास का अभिनंदन करते हैं क्योंकि वह 10 वर्ष की लगातार सेवा के बाद इस बार भी उत्साह के साथ मोदी को चुनाव जीताकर सत्ता पर बैठाने को आतुर है। इसके लिए जनता जनार्दन ने अबकी बार 400 पर के अभियान को आगे बढ़ाने के लिए कमर कसी ली है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सबका साथ सबका विकास पर विश्वास रखती है। यही वजह है कि भारतीय जनता पार्टी की ओर से गरीब कल्याणकारी योजनाओं को लाभ बिना भेदभाव के दिया जा रहा है। वहीं देश को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी लगातार काम कर रही है। पहले देश में आतंकी घटनाएं होती थी, लेकिन आज पाकिस्तान पटाखा फूटने पर भी सफाई देता है।

दोहरा मापदंड ठीक नहीं, संज्ञान ले आयोग व सभापति : मायावती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आम आदमी पार्टी की नेता और राज्यसभा सांसद स्वाति मालिवाल के बदसलूकी मामले में बसपा सुप्रीमो मायावती भी मैदान में उतर आई हैं। बसपा सुप्रीमो ने राज्यसभा सांसद स्वाति मालिवाल के मुद्दे पर अपनी पहली प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि दोहरा मापदंड ठीक नहीं। राज्यसभा के सभापति व महिला आयोग को भी इस घटना का समुचित संज्ञान लेने की जरूरत है। गुरुवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक बाद एक दो सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट किया और महिला सुरक्षा पर इंडिया अलाइंस के दोहरे रवैये पर सवाल उठाया। मायावती ने अपने पोस्ट में कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान व उत्पीड़न के साथ ही किसी भी नेता द्वारा अन्य कोई भी गलत कार्य करने पर सख्त कार्रवाई के मामले में चाहे कोई भी पार्टी या इंडी व अन्य गठबन्धन हो तो इन्हें दोहरा मापदण्ड नहीं अपनाना चाहिए अर्थात् इन्हें बीएसपी के शीर्ष नेतृत्व से ज़रूर सबक लेना चाहिए। इसके बाद सोशल मीडिया साइट एक्स पर किए पोस्ट मे मायावती ने लिखा आप पार्टी की महिला राज्यसभा सांसद के साथ सीएम आवास में अभद्रता के गंभीर मामले पर देश की नजर तथा दोषी के विरुद्ध अब तक कार्रवाई नहीं होना अनुचित। ऐसे में मायावती ने लिखा कि राज्यसभा के सभापति व महिला आयोग को भी इस घटना का समुचित संज्ञान लेने की जरूरत।

किसानों की आय बढ़ाने में कृषि पर्यटन का हो सकता बहुत बड़ा योगदानः देवेश चतुर्वेदी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● यूपी पर्यटन की ओर से कृषि पर्यटन दिवस पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित हुआ सेमिनार

उत्तर प्रदेश पर्यटन की ओर से 16 मई को विश्व कृषि पर्यटन दिवस पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। लखनऊ के गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित किया गया। कार्यशाला में कृषि और ग्रामीण पर्यटन से जुड़े हित धारक और विशेषज्ञों ने अनुभव साझा किया। उत्तर प्रदेश में इस क्षेत्र में असीमित संभावनाएं हैं। सरकार पहल कर रही है, लोगों को भी आगे आना चाहिए।

बतौर मुख्य अतिथि देवेश चतुर्वेदी, अपर मुख्य सचिव (नियुक्ति और कार्मिक विभाग, कृषि, कृषि शिक्षा और अनुसंधान विभाग एवं कृषि विपणन कृषि, विदेश व्यापार और निर्यात संवर्धन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार) ने कहा कि हमारा देश कृषि प्रधान है। यहां कृषि और ग्रामीण पर्यटन में असीमित अवसर हैं। किसानों की आय बढ़ाने में इस क्षेत्र का बहुत बड़ा योगदान हो सकता है। एस.सी.एस. कृषि और ग्रामीण पर्यटन के विकास के लिए तीन बिंदु सुझाए। उन्होने कहा कि पहला, गांवों में चार-पांच दिन या इससे ज्यादा ठहरने की अच्छी व्यवस्था होनी चाहिये। इससे लाभ यह होगा कि जो आर्थिक रूप से संपन्न लोग हैं वह भ्रमण व ठहरने के लिए आकर्षित होंगे। इस वर्ग के गांवों में रुख करने से किसानों की आय में अच्छी वृद्धि होगी। दूसरा-पर्यटन विभाग को शिक्षा विभाग से वार्ता कर छात्र-छात्राओं के गांवों में भ्रमण की व्यवस्था बनानी चाहिए। इससे बड़ा लाभ यह होगा कि जो विद्यार्थी ग्रामीण परिवेश से दूर हो चुके हैं उन्हें ग्रामीण जीवन और वहां की खूबियों का व्यावहारिक ज्ञान होगा। इससे उनका सोचने-समझने का दृष्टिकोण बदलेगा, साथ ही ग्रामीणों की आय बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि अयोध्या, प्रयागराज, मथुरा, आगरा समेत जो अन्य पर्यटन स्थल हैं वहां बड़ी संख्या में पर्यटक जाते हैं। यदि रास्ते में कृषि और ग्रामीण पर्यटन स्थल उपलब्ध हों तो लोग निश्चित रूप से पर्यटन न केवल जाएंगे बल्कि ठहरेंगे भी। यदि पर्यटक गांवों में जाएंगे तो जो लोग प्रत्यक्ष रूप से पर्यटन क्षेत्र से जुड़े हैं उनको तो रोजगार मिलेगा ही साथ में स्थानीय उत्पाद तैयार करने वालों की आय भी बढ़ेगी। ग्रामीणों के सामने रोजगार का द्वार खुलेगा। उन्होंने कहा कि नीति आयोग भी मानता है कि पर्यटन क्षेत्र में अधिक रोजगार हैं। इसमें जितना निवेश करेंगे उसका अच्छा रिटर्न मिलता है।

प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने कहा कि हमारा हिंदुस्तान गांवों में बसता है। शुद्ध हवा-जल गांवों में ही मिलता है। गांवों में पहुंचते ही अनेक बीमारियां गायब हो जाती है। वर्तमान समय में कृषि और ग्रामीण पर्यटन में बहुत अधिक संभावनाएं हैं। क्योंकि शहरों में रहने वाले लोग गांवों में घूमना पसंद करते हैं। वह वहां की जीवनशैली देखना चाहते हैं । शहरों में रहने वाली नई पीढ़ी को खेती किसानी को केवल किताबों में ही पढ़ रहे हैं। जमीनी हकीकत देखने के लिए गांवों की ओर रुख कर रहे हैं। पर्यटन विभाग प्रदेश में कृषि पर्यटन और ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से कार्य कर रहा है। इसमें लोग खुद भी आगे आएं।

मंत्री जेपीएस राठौर को सहकारिता रत्न पुरस्कार से करेगा सम्मानित करेगा इफको

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में सहकारिता आन्दोलन को जन-जन तक पहुंचाने, प्रदेश की कमजोर जिला सहकारी बैंकों को फिर से पुनर्जीवित करने तथा मात्र एक माह में 30 लाख कृषकों को पैक्स का सदस्य बनवाने में सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर के अतुल्यनीय योगदान को देखते हुए उन्हें वर्ष 2022-23 के लिए 'सहकारिता रत्न पुरस्कार' से सम्मानित किये जाने का निर्णय इफको द्वारा लिया गया है। इस आशय की जानकारी देते हुए इफको के प्रबन्ध निदेशक उदय शंकर अवस्थी द्वारा बताया गया कि इफको के निदेशक मण्डल द्वारा भारत के सहकारिता आन्दोलन को विकसित करने एवं उसे मजबूत कराने में जेपीएस राठौर, सहकारिता मंत्री के अनन्य योगदान के दृष्टिगत राष्ट्रीय स्तर पर दिया जाने वाला सहकारिता रत्न पुरस्कार दिया जायेगा। उन्होनें यह भी बताया कि यह पुरस्कार सहकारिता आन्दोलन को, विशेषकर आम-जन से जोड़कर ग्रामीण क्षेत्र के कृषकों को आर्थिक रूप से मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सहकारिता बन्धुओं को सम्मानित करने के लिए स्थापित किया गया है।

दो साल में बाबा विश्वनाथ के दरबार में 139 देशों के भक्तों ने लगाई हाजिरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ वाराणसी

काशी हमेशा से विदेशी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रही है। धर्म, अध्यात्म और संस्कृति को जानने की जिज्ञासा विदेशी पर्यटकों को सात समुद्र पार से काशी खींच लाती है। नव्य भव्य श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के विस्तारित होने के बाद धाम में आने वाले श्रद्धालुओं के देशों के भक्तों की संख्या बढ़ गई है। बाबा के दरबार में 139 देशों के भक्तों ने पिछले दो सालो में हाज़री लगाई है। काशी को इतिहास से भी प्राचीन लिविंग सिटी का दर्जा प्राप्त है। सुप्रसिद्ध यूरोपियन लेखक और साहित्यकार मार्क ट्वेन ने काशी की कथाओं और आध्यात्मिक परंपरा पर मंत्रमुग्ध हो कर लिखा है, 'बनारस इतिहास से भी पुराना है, परंपरा से भी पुराना है, किंवदंतियों से भी पुराना है और इन सभी को जोड़कर तुलना करें तो इनकी संयुक्त आयु से भी दोगुना पुराना होने की प्रतीति देता है।' धरोहरों और विरासत को सदियों से संजो के रखने वाली काशी ने विशिष्ट संस्कृति और परंपराओं को जीवंत रखा है। विदेशी सैलानियों को काशी का यही कौतूहल खींच कर लाता है।

विदेशी सैलानियों में एक बड़ी संख्या में सैलानी श्रीकाशी विश्वनाथ जी के दर्शन करने भी आते हैं। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि धाम के लोकार्पण के बाद लगभग 25 महीनों में बाबा के दरबार में 139 देशों के भक्तों ने हाजिरी लगाई है। वहीं यदि संख्यात्मक आंकड़ों की बात करें तो वर्ष 2019 के मुकाबले वर्ष 2023 में केवल श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करने वाले विदेशी सैलानियों की संख्या में ही चार गुने से भी अधिक की वृद्धि हुई है।

समाजसेवी व शिक्षाविद बृजेश चंद्र मिश्र का आकस्मिक निधन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अम्बालिका इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेण्ट एण्ड टेक्नोलॉजी, लखनऊ के संस्थापक तथा जाने माने समाजसेवी एवं शिक्षाविद पं. बृजेश चंद्र मिश्र (84 वर्ष) का गुरुवार को बीमारी के चलते मेदान्ता अस्पताल लखनऊ में आकस्मिक निधन हो गया। स्व. बीसी मिश्र का लखनऊ के मेदान्ता अस्पताल में पिछले कुछ दिनों से इलाज चल रहा था। स्व. मिश्र, राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी के समधी तथा उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधान मण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना' के ससुर थे। वह एआईएमटी के निदेशक एवं पर्यावरणविद अम्बिका मिश्र के पिता भी थे। पं. बीसी मिश्र के आकस्मिक निधन की जानकारी होते ही कैण्ट स्थित उप्र कांग्रेस विधान मण्डल दल की नेता श्रीमती आराधना मिश्रा के आवास पर बड़ी संख्या में शिक्षामनीषी, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग पहुंचे, और स्व. मिश्र को श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं प्रदेष के उप मुख्यमन्त्री ब्रजेश पाठक ने भी बैकुण्ठ धाम में स्व. मिश्रा के हो रहे अंतिम संस्कार के समय पहुंच कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। र

सेना व एनडीएमए ने आपदा प्रबंधन पर किया टेबल टॉप अभ्यास

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के नेतृत्व में भारतीय सेना के मध्य कमान के मुख्यालय, लखनऊ और उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लखनऊ के सहयोग से गुरुवार का लखनऊ में आपदा प्रबंधन पर एक महत्वपूर्ण टेबल टॉप अभ्यास का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस बहु-हितधारक अभ्यास ने आपदा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न संस्थाओं और केंद्रीय मंत्रालयों को परस्पर विचार-विमर्श, ज्ञान, कौशल और अनुभव साझा करने का मंच दिया।

इस आयोजन में देश के चार आपदा प्रभावित राज्यों जैसे-हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पूर्व चेतावनी एजेंसियां और आपदा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न संगठनों ने प्रतिभाग किया।

भारत की आपदाओं के प्रति संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए यह अभ्यास एक सामयिक पहल थी, जो जलवायु परिवर्तन के कारण आपदाओं की बदलते स्वरूप, परिमाण, प्रकार और आवृत्ति के कारण उत्पन्न हो रही है। हाल ही में उत्तरकाशी सुरंग बचाव अभियान, आपदाओं के शमन और त्वरित प्रतिक्रिया करने वाले कर्मियों के क्षमता निर्माण के लिए हमारे प्रशिक्षण, संसाधन और तैयारी नीतियों को पुनरीक्षित करने की ओर संकेत करता है। आपदा प्रबंधन में प्रमुख हितधारकों के रूप में, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) और भारतीय सेना ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में निरन्तर सीखने और सर्वोत्तम तकनीकों के आदान-प्रदान की आवश्यकता को मान्यता प्रदान की है। आज के इस अभ्यास में केन्द्रीय मंत्रालय के विभिन्न विभाग जैसे भारतीय रेलवे, सड़क एवं परिवहन, नागरिक उड्डयन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कल्याण, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन के साथ राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), एसडीएमए, चार राज्यों के राजस्व विभाग, और प्रारंभिक चेतावनी एजेंसियां जैसे भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएससी), राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस), जल आयोग (सीडब्ल्यूसी), और भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया।

अपने ही घर में अपनों से घिरी बसपा, भगवा लहराने को बेताब भाजपा

● अम्बेडकरनगर में वर्तमान बसपा सांसद रितेश पाण्डेय भाजपा से और लालजी वर्मा सपा से दे रहे हैं टक्कर

सतीश सिंह। लखनऊ

एक दौर में बसपा का अभेद दुर्ग रहे अम्बेडकरनगर संसदीय सीट को लेकर बसपा अपनों से ही घिर गयी है। कभी मायावती के चहेते रहे लालजी वर्मा और रितेश पाण्डेय इस बार उन्हें मैदान में चुनौती देते नजर आ रहे हैं। जबकि 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा-बसपा गठबंधन के चलते बसपा के खाते में आई श्रावस्ती सीट पर भी इस बार समीकरण बदले नजर आ रहे हैं। 2019 के चुनाव में बसपा के टिकट पर सांसद बने रामशिरोमणि वर्मा इस बार सपा की तरफ से मैदान में हैं। ऐसे में बसपा के लिए इन दोनों सीटों को बचाना किसी चुनौती से कम नहीं है तो वहीं भाजपा इन दोनों सीटों पर भगवा लहराने को लेकर बेताब है।

अम्बेडकरनगर संसदीय सीट

वर्ष 1995 में तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में बसपा प्रमुख मायावती के अम्बेडकरनगर के जिला घोषित करते ही यह पार्टी के लिए अभेद दुर्ग बन गया था। इस जिले की सियासत ने वर्ष 2012 के विधानसभा चुनाव में करवट बदली और सपा ने विधानसभा चुनाव में यहां से क्लीन स्विप कर दिया। जिसके बाद से पार्टी के हाथ से यह किला धीरे-धीरे दरकता चला गया। इस बार के लोकसभा चुनाव में बसपा अपनो से ही मैदान में घिर गयी है। बसपा के वर्तमान सांसद रितेश पाण्डेय को जहां भाजपा ने मैदान उतारा है तो वहीं लालजी वर्मा को सपा ने टिकट दिया है। जबकि बसपा से कमर हयात मैदान में हैं। चुनाव में भाजपा का इस सीट पर कब्जा न हो इसके लिए लालजी वर्मा के सहारे सपा पिछड़ा वोट बैंक में सेंध लगा रही है तो वहीं मुस्लिम प्रत्याशी उतार कर बसपा इस गढ़ को बचाने में जुटी हुई है। पिछले लोकसभा चुनावों की बात करें तो बसपा के रितेश पांडे ने बीजेपी के मुकुट बिहारी को हराया था। वहीं 2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के हरिओम पांडे ने बसपा के राकेश पांडे को शिकस्त दी थी। जबकि 2009 के चुनाव में बसपा के टिकट पर राकेश पाण्डेय ने सपा के शंखलाल मांझी को चुनाव में पटखनी दी थी। 2011 की जनगणना के मुताबिक, अंबेडकरनगर की आबादी 2,397,888 है।

तीन बार बसपा प्रमुख कर चुकी हैं नेतृत्व

अंबेडकरनगर संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत अकबरपुर, कटेहरी,टांडा, जलालपुर और गोशाईंगज विधानसभा आती हैं। यह सीट 90 के दशक में बसपा का गढ़ बनी थी। बसपा मुखिया मायावती के मुरीद हुए अम्बेडकरनगर जनपद के लोगों ने 1996 के लोकसभा चुनाव में संसदीय सीट बसपा की झोली में डाल दी। संसदीय सीट पर बसपा का नीला परचम लहराया था। घनश्याम चंद्र खरवार सांसद निर्वाचित हुए थे। ठीक दो साल बाद बसपा मुखिया मायावती सांसद निर्वाचित हुईं। मायावती 1998 में पहली बार तो 1999 में भी दूसरी बार अम्बेडकरनगर जिले से लोकसभा पहुंची थीं। इसके बाद 2004 में भी जिले के मतदाताओं ने मायावती का संसद भेजा था। चुनाव दर चुनाव बसपा के मतों का ग्राफ बढ़ता रहा। 2007 के विधानसभा चुनाव में तो बसपा ने क्लीन स्वीप कर दिया। जिले के संसदीय सीट से लेकर सभी पांच विधानसभाओं और जिला पंचायत अध्यक्ष तक की कुर्सी पर बसपा का कब्जा हो गया था।

श्रावस्ती संसदीय सीट

भगवान बुद्ध की धरती रही श्रावस्ती लोकसभा सीट पर इस जिले के दो और बलरामपुर जिले के तीन विधानसभा क्षेत्र आते हैं। ब्राह्मण बहुल श्रावस्ती सीट पर इस बार भाजपा ने 2014 से 2019 तक पीएम कभी मोदी प्रधान सचिव व फरवरी 2020 में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्र के पुत्र साकेत मिश्र को टिकट दिया है। वहीं सपा ने रामशिरोमणि वर्मा और बसपा ने मुईनुद्दीन अहमद खान पर दांव लगाया है। पिछले लोकसभा चुनावों की बात करें तो 2019 के चुनाव में बसपा के राम शिरोमणि वर्मा ने बीजेपी के दद्दन मिश्र को हराया था। वहीं 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के दद्दन मिश्रा ने सपा से चुनाव लड़े माफिया अतीक अहमद को हराया था। जबकि 2009 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के विनय कुमार अलियास ने बसपा के रिजवान जहीर को हराया था। 2011 की जनगणना के आधार पर श्रावस्ती जिले की आबादी 11.2 लाख है। इसमें 83 फीसद आबादी सामान्य वर्ग के लोगों की है।

पहली बार कांग्रेस यहां से जीती

यह संसदीय सीट का अस्तित्व 2008 में आई जब परिसीमन आयोग ने इसकी सिफारिश की। हिमालय की तलहटी में बसा श्रावस्ती जिला नेपाल सीमा के करीब है। श्रावस्ती लोकसभा सीट के तहत 5 विधानसभा सीट (भींगा, श्रावस्ती, तुलसीपुर, ज्ञानसारी और बलरामपुर) आती है। नए परिसीमन के बाद यह लोकसभा सीट बनी। 2009 में पहली बार चुनाव हुए और कांग्रेस के विनय कुमार अलियास जीते थे।

Format C-1

(As per the judgement dated 25th September, 2018, of Hon'ble Supreme Court in WP (Civil) No. 536 of 2011 (Public Interest Foundation & Ors. Vs. Union of India & Anr.)

Name and address of candidate: **Rahul Gandhi,** 10 Janpath, New Delhi 110001

Name of political party: **Indian National Congress**

Name of Election: Lok Sabha General Election- 2024

Name of Constituency: **36- Rae Bareli Parliamentary Constituency**

I **Rahul Gandhi**, a candidate for the above mentioned election, declare for public information the following details about my criminal antecedents:

(A) Pending criminal cases

S. No.	Name of Court	Case No. and dated	Status of case(s)	Section(s) of/Acts concerned and brief description of offence(s)
1	Not Available	FIR No. 240/2021 dated 09.09.2021 Delhi.	The Hon'ble High Court of Delhi in W.P.(C) 8210/2021 its order dated 24.01.2024 referred to the existence of the aforementioned FIR. The FIR per direction of the Hon'ble High Court is in sealed cover. I am therefore, not aware of the details of the FIR. I am also not aware of whether I am arraigned as an accused in this FIR. I am, however, disclosing its existence out of abundant caution.	**SS. 228A IPC** **SS. 23(4) POCSO** **SS. 74 Juvenile Justice Act** Alleged disclosure of identity of parents of minor rape victim girl on the Twitter handle of the candidate.
2	9th Addl. Chief Metropolitan Magistrate Court, Nrupatunga Road, Bangalore City	FIR No. 0362/2022 dated 4.11.2022 Yeshwanthapura Police Station, Bengaluru City, Karnataka	Investigation was stayed in terms of order dated 16.12.2022 in Writ Petition No. 25123/2022 by Hon'ble High Court of Karnataka. On 28.6.2023 the Hon'ble High Court of Karnataka was pleased to dismiss the above writ petition.	**Copyright Act u/s 63** **IT Act u/s 66 and** **SS 34, 120B, 403, 465 IPC** It is alleged against the accused that they have used song/(s) that the Complainant had copyrights over in the social media/Twitter handle of Indian National Congress while covering a video of the Bharat Jodo Yatra.
3	Court of Metropolitan Magistrate 9th Court Bandra, Mumbai, Maharashtra	Complaint Case No. 311/SS/2023	WP/3011/2023 filed before the Hon'ble Bombay High Court challenging order dated 23.11.2019 rejecting the application for dismissal of Complaint on the ground that two separate offences cannot be tried together is pending.	**SS. 499, 500 IPC** Alleged defamation against RSS with reference to the murder of journalist Gauri Lankesh.
4	Special Court MP/MLA, Ranchi, Jharkhand	Complaint Case No. 1698/2018 (MP/MLA Case No. 16/2021)	The order dated 15.09.2018 passed in Cr. Revision No. 281/2018 by which the Magistrate was directed to take a fresh look on the materials available on record, after he had dismissed the complaint, was challenged in Cr. M.P. No. 4241/2018 before the Hon'ble High Court of Jharkhand at Ranchi and vide order dated 16.02.2024 the WP was dismissed.	**SS. 499, 500 IPC** Alleged defamation against Bhartiya Janata Party, its leaders, supporters and workers with reference to criminal antecedents of the President of the Party.
5	Court of Chief Judicial Magistrate, Kamrup (Metropolitan), Guwahati, Assam	Complaint Case C.R. 559/2016	Criminal Revision Petition No. 26/2023 was filed before the Additional District and Sessions Judge by Complainant challenging order dated 18.3.2023 passed by the learned Additional Chief Judicial Magistrate, Kamrup in C.R. Case No. 559/2016. The Criminal Revision Petition was allowed vide order dated 22.09.2023. The ACJM, Kamrup, Guwahati was directed to hear both parties afresh and pass fresh order.	**SS. 499, 500 IPC** Alleged defamation against RSS with reference to persons belonging to RSS not allowing the Accused to visit Barpeta Satra.
6	Court of the 3rd Jt Civil Judge, JD, JMFC, Bhiwandi, Maharashtra	Complaint Case SCC 2425/2014	1. WP ST/14290/2023 filed by the Accused challenging the admissibility of documents is pending before Hon'ble High Court of Bombay. 2. WP/799/2022 filed by the Complainant challenging order rejecting application for issuance of witness summons was rejected on 22.6.2022 by Hon'ble High Court of Bombay. 3. WP/376/2019 filed by the Complainant challenging application rejecting to mark the transcript copy as an Exhibit. Rejected vide Order dated 20/9/2021 by Hon'ble High Court of Bombay. 4. The summoning order dated 11.07.2014 passed by the Ld. J.M.F.C, Bhiwandi was challenged before the Hon'ble High Court of Bombay vide Criminal Writ Petition No. 4960 of 2014. Hon'ble High Court was pleased to dismiss the petition vide order dated 10.03.2015. Against the order dated 15.12.2014 an SLP Crl. No. 3749/2015 was filed before the Hon'ble Supreme Court, which was dismissed as withdrawn vide order dated 01.09.2016.	**SS. 499, 500 IPC** Alleged defamation against RSS with reference to association of members of RSS with the murder of Mahatma Gandhi.
7	Court of Ms. Taniya Bamniyal, ACMM-III, Rouse Avenue Courts, New Delhi	Complaint Case No. 18/ 2019	The summoning order dated 26.06.2014 was challenged before the Hon'ble High Court of Delhi vide Crl. M.C. No. 3333 of 2014. The Hon'ble High Court was pleased to dismiss the petition vide order dated 7.12.2015. Against the order dated 07.12.2015 a SLP Crl No.1024 of 2016 was filed before the Hon'ble Supreme Court, which was disposed off vide order dated 12.02.2016, whereby all inferences and conclusions drawn by the High Court, on the various factual aspects in the matter were expunged and liberty was granted to raise all the issues before the trial court. Moreover, trial court proceedings have been stayed on 22.02.2021 by the Hon'ble High Court of Delhi on a 482 petition (Crl.M.C. No. 578/2021) filed by the Complainant. These is no charge and no conviction.	**SS. 403, 406, 420 r/w 120-B IPC** Private Complaint by Dr. Subramanian Swamy, former MP Rajya Sabha (former Member of BJP National Executive) regarding alleged conspiracy to criminally misappropriate and cheat the shareholders of M/s The Associated Journals Ltd. by M/s Young Indian and its Directors.

(A) Pending criminal cases

S. No.	Name of Court	Case No. and dated	Status of case(s)	Section(s) of/Acts concerned and brief description of offence(s)
8	Court of Addl. Chief Metropolitan Magistrate 13, Ahmedabad, Gujarat	Criminal Case No. 29989/2019	Trial was stayed by the Hon'ble Gujarat High Court in terms of order 10.02.2021 in Special Criminal Application No. 1744/2021 filed by the complainant.	**SS. 499, 500 IPC** Alleged defamation case against Ahmedabad District Co-operative Bank and its Chairman on deposit of 750 crores during demonetization.
9	Court of Additional District & Sessions Judge 8th, Surat, Gujarat	Criminal Appeal No. 254/2023	A private criminal complaint was filed with regard to an alleged defamatory statement made by the Accused against the so-called Modi Samaj under SS. 499, 500 IPC. Candidate-Accused was convicted and sentenced to Simple Imprisonment for 2 years on 23.03.2023. As it was a 2 year sentence hence sentence was suspended for 30 days by Chief Judicial Magistrate, Surat on 23 March 2023. 8th Additional Sessions Judge, Surat granted bail to the Accused on 3 April 2023 and suspended the sentence of the Accused pending appeal vide order dated 3 April 2023. The order of conviction has been stayed vide order dated 4 August 2023 by Hon'ble Supreme Court in SLP (Crl.) No. 8644/2023 which is pending. Pursuant to the Supreme Court order on 4 August 2023 the Lok Sabha issued a notification dated 7 August 2023 canceling the "disqualification".	**SS. 499, 500 IPC** Alleged defamatory statement made by the accused against allegedly the so called Modi Samaj.
10	Court of Metropolitan Magistrate 16, Ahmedabad, Gujarat	Criminal Enquiry Case No. 36580/2019	Trial was stayed by the Hon'ble Gujarat High Court in terms of order dated 24.02.2021 in Special Criminal Application No. 2010/2021 filed by the complainant.	**SS. 499, 500 IPC** Alleged defamation against Bharatiya Janata Party, its leaders, supporters and workers with reference to criminal antecedents of the President of the Party.
11	Special Judicial Magistrate MP/MLA Court, Patna, Bihar	Criminal Case Complaint (P) 1551/2019	Trial was stayed by the Hon'ble Patna High Court in terms of order dated 24.04.2023 in Special Criminal Misc No. 73323/2019.	**SS. 499, 500 IPC** Alleged defamatory statement made by the accused against allegedly all persons with surname Modi.
12	Special Court MP/MLA, Ranchi, Jharkhand	Complaint Case 1993/2019 (MP/MLA Case No. 17/2021)	1. Cr. M.P. No. 152/2020 u/s 482 of Cr.P.C. against summoning order before Hon'ble Jharkhand High Court. The petition was dismissed vide order dated 5.7.2022. 2. WP Cr. No. 302/2023 was allowed vide order dated 16.08.2023 exempting personal appearance by the Hon'ble High Court at Ranchi.	**SS. 499, 500 IPC** Alleged defamatory statement made by the accused against so called Modi clan.
13	Court of 40th Metropolitan Magistrate Girgaon, Mumbai, Maharashtra	Complaint Case CC No. 6200/SS/2021	Trial was stayed by the Hon'ble Bombay High Court in terms of order dated 22.11.2021 in Writ Petition No. 4391/2021.	**SS. 499, 500 IPC** Alleged defamation against Prime Minister Shri Narendra Modi.
14	Special MP/MLA Court, Chaibasa, Jharkhand	Complaint Case 229/2021	1. Cr.M.P. No. 1368/2022 u/s 482 of Cr.P.C. in Jharkhand High Court against summoning order is pending. 2. W.P. Cr. No. 230/2024 was filed challenging order dated 27.02.2024 passed by learned Magistrate, Chaibasa issuing NBW. Hon'ble High Court vide order dated 20.03.2024 stayed NBW for one month. 3. W.P.(Cr.) No. 276 of 2024 filed before the Hon'ble Jharkhand High Court and vide order dated 25.04.2024 it has been directed that further proceedings shall remain stayed.	**SS. 499, 500 IPC** Alleged defamation against Bharatiya Janata Party, its leaders, supporters and workers with reference to criminal antecedents of the President of the Party.
15	ACJM (Custom), Lucknow, Uttar Pradesh	Complaint Case No. 628/2018	The Hon'ble Court was pleased to dismiss the aforementioned private complaint vide order dated 26.09.2019. Criminal Revision 283/2022 was filed by the complainant and same is pending before Hon'ble ADJ, Court No. 14, Lucknow.	**SS. 499, 500 IPC** Alleged defamation of Prime Minister Shri Narendra Modi, Bhartiya Janata Party, its leaders and workers.
16	ACJM COURT NO.27, Lucknow Uttar Pradesh	Criminal Misc. Case No. 126818/2022	The Hon'ble Court was pleased to dismiss the aforementioned private complaint vide order dated 14.6.2023 Criminal Revision 547/2023 was filed by the complainant and same is pending before Hon'ble Special Court, MP/MLA Court No. 19, Lucknow.	**SS. 499, 500 IPC** Alleged defamation of Shri Vinayak Damodar Savarkar.
17	Special Court MP/MLA, Sultanpur Uttar Pradesh	Criminal Misc. Case No. 1943/2018	The matter is currently pending in the Special Court MP/MLA, Sultanpur where process was issued on 08.01.2024 and the accused was admitted to bail on 20.02.2024. A plea is yet to be recorded and the trial is pending.	**SS. 499, 500 IPC** Alleged defamation against Bharatiya Janata Party, its office bearers with reference to criminal antecedents of the President of the Party.
18	Chief Metropolitan Magistrate, Bengaluru, Karnataka	Complaint Case 7399/2024	Matter is currently pending before the Chief Metropolitan Magistrate, Bengaluru for service of other accused parties.	**SS. 499, 500 IPC** It is alleged that the accused have made false imputations against the ministers and office bearers of the Bhartiya Janta Party for having a rate card for appointment and transfer in important government posts.

(B) Details about cases of conviction for criminal offences

S.No.	Name of Court & date(s) of order(s)	Description of offence(s) & punishment imposed	Maximum Punishment Imposed
1	Complaint Case No. 18712/2019, Metropolitan Magistrate, Surat Order of conviction dated 23.03.2023	A private criminal complaint was filed with regard to an alleged defamatory statement made by the Accused against the so-called Modi Samaj under SS. 499, 500 IPC. I was convicted and sentenced to Simple Imprisonment for 2 years on 23.03.2023. As it was a 2 years sentence hence sentence was suspended for 30 days by Chief Judicial Magistrate, Surat on 23 March 2023. 8th Additional Sessions Judge, Surat granted bail to me on 3 April 2023 and suspended the sentence to me pending appealvide order dated 3 April 2023. The order of conviction has finally been stayed by Hon'ble Supreme Court in SLP (Crl.) No. 8644/2023 vide order dated 4 August 2023 Pursuant to the Hon'ble Supreme Court order on 4 August 2023, the Lok Sabha issued a notification dated 7 August 2023canceling the "disqualification". And restored my Membership as Member of Parliament.	**2 years**

थोक मुद्रास्फीति
बढ़त की आशंका

थोक मुद्रास्फीति अप्रैल में 13 महीने के सर्वोच्च स्तर 1.26 प्रतिशत पर पहुंच गई। अगले दो महीने में गरमी बढ़ने के साथ ही खाद्य पदार्थों की कीमत में संभावित वृद्धि देश में अनेक परिवारों की चिन्ता का कारण बन सकती है। थोक मुद्रास्फीति से खाद्य पदार्थ और ईंधन महंगे हो सकते हैं। हालांकि, मजेदार बात है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक-सीपीआई के आधार पर मापे जाने वाली खुदरा मुद्रास्फीति में गिरावट आई है और वह 11 महीने के सबसे निचले स्तर 4.83 प्रतिशत पर पहुंच गई, जबकि पिछले महीने यह 4.85 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक-आरबीआई मुद्रा नीति तय करने के लिए मुख्यत: खुदरा मुद्रास्फीति पर गौर करता है। लेकिन औसत व्यक्ति के लिए थोक मूल्य सूचकांक-डब्लूपीआई में वृद्धि चिन्ता का विषय है क्योंकि इसका प्रभाव मुख्यत: प्रसंस्कृत और गैर-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों तथा विनिर्मित वस्तुओं पर पड़ता है। वर्तमान समय में भारत भयानक गरमी का अनुभव कर रहा है जिससे सब्जियों के दाम बढ़ने की आशंका है। पूर्वानुमान है कि डब्लूपीआई मुद्रास्फीति मई, 2024 में 2-3 प्रतिशत बढ़ेगी और यह बढ़ते हुए जून, 2024 में अपने शिखर पर पहुंचेगी। डब्लूपीआई खाद्य मुद्रास्फीति में प्रमुख खाद्य पदार्थ तथा विनिर्मित खाद्य पदार्थ शामिल हैं। इसमें लगातार तीसरे महीने वृद्धि हुई है और यह अप्रैल में 8 महीने के सर्वोच्च स्तर 5.5 प्रतिशत पर पहुंच गई, जबकि अप्रैल 2023 में यह 0.4 प्रतिशत बढ़ी थी। विनिर्मित खाद्य पदार्थों में यह 15 महीने के सर्वोच्च स्तर 1.2 प्रतिशत पर पहुंच गई, जबकि प्रमुख खाद्य पदार्थों में यह चार महीने के सर्वोच्च स्तर 7.7 प्रतिशत पर पहुंची।

अप्रैल में डब्लूपीआई मुद्रास्फीति वृद्धि में मुख्यत: ईंधन और खाद्य पदार्थों का योगदान रहा है। लेकिन खाद्य मुद्रास्फीति के मामले में अच्छी खबर यह है कि सामान्य मानसून की उम्मीद से स्थिति में सुधार आएगा। सामान्य मानसून

से कृषि उत्पादन में वृद्धि की उम्मीद है। वस्तुओं की कीमतों में चीन से बढ़ती मांग की उम्मीद में भी वृद्धि हो रही है। भारत में यह चुनाव वर्ष है। ऐसे में अनुमानों के आधार पर कीमतों में वृद्धि संभावित है जिसमें सरकारी नीतियों की निरंतरता पर संदेह शामिल है। इसके साथ ही चुनाव पर होने वाले भारी खर्च का खामियाजा भी आम आदमी को बढ़ी कीमतों के रूप में भुगतना पड़ता है। कार्पोरेट और व्यापारियों द्वारा राजनीतिक पार्टियों की फंडिंग के कारण अक्सर चुनाव के पहले और चुनाव के बाद कीमतें बढ़ सकती हैं। लाजिस्टिक बाधाओं, श्रमिकों की कमी तथा तेल की कीमतें बढ़ने के कारण परिवहन की लागत बढ़ने से कुल मिला कर मुद्रास्फीति पर दबाव बढ़ता है। इसके कारण खाद्य पदार्थों के उत्पादकों तथा उपभोक्ताओं पर समान रूप से दबाव बढ़ जाता है। खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों के कारण चुनाव चर्चा आर्थिक नीतियों तथा उनके प्रभावों पर केन्द्रित हो सकती है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, वर्तमान समय में महंगाई तथा बेरोजगारी चुनाव में गरमागरम बहस के मुद्दे हैं। आमतौर से सत्तारूढ़ पार्टी को बढ़ती कीमतों का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है क्योंकि लोग उसे कीमतों पर लगाम लगाने का जिम्मेदार मानते हैं। मुद्रास्फीति पर प्रभावी नियंत्रण के लिए एक समग्र रणनीति की जरूरत है जिसमें अल्पकालीन हस्तक्षेपों के साथ दीर्घकालीन ढांचागत परिवर्तन शामिल हैं। लक्षित सब्सिडी तथा मूल्य स्थिरीकरण व्यवस्थाओं जैसे त्वरित कदमों से खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों से उपभोक्ताओं को अस्थाई राहत मिल सकती है।

जीर्णोद्धार की प्रतीक्षा में जानकी मंदिर

मां जानकी जहां प्रकट हुई थीं उस स्थान का नाम पुनौराधाम है। यह स्थान बिहार के सीतामढ़ी जिले में सीतामढ़ी शहर से साढ़े तीन किलोमीटर दूर स्थित है।

प्रभात झा
(लेखक, पूर्व भाजपा सांसद हैं)

भारत में सामान्य तौर पर किसी से भी पूछा जाए कि भगवान श्री राम लला का जन्म कहां हुआ, तो सभी तपाक से उत्तर देंगे अयोध्या। हर भारतीय के जुबां पर यह नाम है। इसी तरह यदि आप पूछें कि मां जानकी का जन्म कहां हुआ तो लोग उत्तर देते हैं जनकपुर जो सरासर गलत है। जनकपुर तो मां जानकी/सीता जी का ननिहाल और विवाह स्थल है। सत्य यह है कि मां जानकी जहां प्रकट हुई थीं उस स्थान का नाम पुनौराधाम है। यह स्थान बिहार के सीतामढ़ी जिले में सीतामढ़ी शहर से साढ़े तीन किलोमीटर दूर स्थित है। यह वही स्थान है, जहां एक बार अकाल पड़ने पर राजा जनकजी को कहा गया कि आप यदि स्वयं खेत में हल जोतेंगे तो अकाल समाप्त हो जायेगी और वरुण देवता प्रसन्न हो जाएंगे। उस समय जनकपुर भारत का हिस्सा हुआ करता था, पर आज जनकपुर नेपाल में है, पर मां सीताजी का प्राकट्यस्थल पुनौराधाम आज भी भारत में है। इसके शास्त्रों में प्रमाण भी उपलब्ध हैं।

वृहद विष्णुपुराण के मिथिला खंड में वर्णित है कि हम संसार में प्राणियों की सारी मनोकामनाएं पूरी करने वाली विशेष फलदायक यज्ञ स्थली पुण्योर्वरा (पुनौराधाम) की यात्रा और दर्शन विशेषकर चैत्र श्री रामनवमी और वैशाख श्री जानकी नवमी में मोक्ष की अभिलाषी को करने चाहिए, क्योंकि दोनों तिथि क्रमश: श्री राम जी का जन्मदिवस और मां सीता जी का प्राकट्य दिवस है। वर्णन है की एक बार सम्पूर्ण मिथिला में घोर दुर्भिक्ष पड़ गयाद्य अनावृष्टि से मिथिलावासियों में त्राहि-त्राहि मच गई। लोग अन्न और जल के अभाव में दम तोड़ने लगेद्य सब जीव-जंतु व्याकुल हो उठे। उस समय मिथिला महाराजा निमि के वंशज राजा जनक राज कर रहे थ। यज्ञ से वर्षा होती है और वर्षा के प्रभाव से अन्न उत्तपन्न होता है। इससे प्रभावित होकर राजर्षि जनक ने अपने राज्य के विद्वानों, ऋषि-मुनियों और ज्योतिषियों की आपातकालीन सभा बुलाकर भीषण दुर्भिक्ष की विभीषिका से त्राण पाने के उपाय पर विचार-विमर्श कियाद्य सर्वसम्मत से निर्णय लिया गया कि राजा जनक को हलेष्ठी यज्ञ करना चाहिएद्य इसके निमित्त शोध के आधार पर पुण्यारण्य (पुण्डरीक आश्रम) को उपयुक्त स्थान के रूप में चयन किया गया।

वृहद विष्णुपुराण के मिथिला माहात्म्य के अष्टम अध्याय में वर्णित है कि राजर्षि जनक का जो प्राचीन दुर्ग था , उसके पारत: पंचकोशी चार विशाल द्वार थेद्य वे इन दिनों भी वर्तमान जनकपुरधाम से क्रमश: दस मील उत्तर की ओर धनुषा, दस मील दक्षिण की ओर गिरजा स्थान, दस मील पूरब की ओर हरिहरालय महादेव और दस मील पश्चिम जलेश्वरनाथ के नाम से लोक विदित है। यह स्पष्ट है कि महाराजा जनक इसी जलेश्वरनाथ(शिव जी का जलशयन स्थल) से पश्चिम भाग में शास्त्रवत अठासी ऋषियों एवं रानी सुनैना सहित तीन योजना के बाद हलेष्ठी यज्ञार्थ पुण्डरीक आश्रम पुण्यारण्य पधारे थे, जहां हलेष्ठी यज्ञ की सिद्धि प्राप्त हुई और मां जानकी का प्राकट्य हुआ।

पद्मपुराण में वर्णन है कि जानकी नाम तो जनक जी के वंशानुगत जनक शब्द से रखा गया, लेकिन शास्त्रानुसार उनका नाम सीता होना अपेक्षित है, क्योकि सीत(फार का नुकीला अग्र भाग) और सीता(सिराउर) के संयोग से उत्पत्ति होने के कारण सीता नाम की पुष्टि होती है। जन्म के बाद लौकिक एवं वैदिक रीतियों से वर्षा से बचाने के लिए मड़ई (मढ़ी) में मां सीता जी रखी गईं तथा उस स्थान का नाम सीतामढ़ी हुआ।

पुण्डरीक क्षेत्र अर्थात पुनौराधाम,जहां मां जानकी जी का प्राकट्य हुआ, वहां कई पुरातन स्मृतियां हैं, जिनका वर्णन और वहां की भाषाएं का उल्लेख रामायण, पुराणों, संहिताओं एवं इतिहास के पृष्ठों में स्वर्णाक्षरों में वर्णित है, सनातन में अविस्मरणीय-अमिट हैद्य पुनौराधाम में प्रवेश मात्रा से प्राणी पवित्र हो जाता हैद्य मां जानकी कुण्ड में जलस्पर्श एवं स्नान करने से सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैद्य मां जानकी जन्म कुण्ड को पुण्यनिधि कहा गया हैद्य शास्त्रों-पुराणों में वर्णन है कि यहां तीर्थाटन करने से सभी पापों, संकटों से मुक्ति पाकर श्रद्धालु पुण्यलोक की प्राप्ति कर सकते हैं। जगतगुरु रामभद्राचार्य जी ने इसका शास्त्रों में प्रमाण देते हुए वर्णन किया है कि: सीताराम गुणग्राम पुण्यारण्य विहारिणी, वंदे विशुद्ध विज्ञानों कवीश्वर कपीश्वर (बालकाण्ड संख्या-3)। इसका अर्थ है कि श्री सीताराम जी के गुण समूह रूपी पवित्रता में विहार करने वाली पुण्यारण्य अर्थात पुनौराधाम विशुद्ध विज्ञान संपन्न कवीश्वर श्री वाल्मीकि जी और कपीश्वर श्री हनुमान जी की मैं वंदना करता हूं। जगतगुरु रामभद्राचार्य जी गत 12 वर्षों से लगातार पुनौराधाम में जानकी नवमी आने के नौ दिन पूर्व से जगत जननी मां जानकी की जन्म स्थली पर नौ दिन कथा कर जानकी नवमी सम्पन्न कर समाज को सदैव संदेश देते हैं कि पुनौराधाम ही मां जानकी का प्राकट्यस्थल है। मैं और जगतगुरु रामभद्राचार्य जी बिहार के तत्कालीन राज्यपाल के साथ-साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी को इस आशय की जानकारी भी दीद्य आजादी के बाद पहली बार कोई संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्तित्व तत्कालीन राज्यपाल और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी पुनौराधाम पहुंचेद्य उन्होंने हजारों की सभा में कहा कि पुनौराधाम के बारे में तो मुझे पता ही नहीं था कि यह मां जानकी जी का प्राकट्यस्थल है। यह तो मैं प्रभात झा जी जो हमारे मिथिला के ही गौरव हैं, ने जब बताया तो जानकारी मिलीद्य जगतगुरु रामभद्राचार्य जी ने कहा कि आप जानकी नवमी पर आईये तो मैं वहां पहुंचा। नीतीश जी ने कहा कि बिहार सरकार पुनौराधाम स्थित मां जानकी के प्राकट्यस्थल का धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विस्तार करने की दिशा में अनेक कदम भविष्य में उठाये जाएंगे।

अयोध्या में भगवान रामलला का भव्य और दिव्य मंदिर वर्षों के संघर्ष के बाद न्यायालय के फैसले से बनकर तैयार हो गयाद्य अभी अयोध्या में भगवान रामलला के मंदिर का प्रथम चरण बना है जिसकी जिसकी प्राणप्रतिष्ठा 22 जनवरी 2024 को स्वयं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों द्वारा किया गया। कहा जाता है कि %बिना राम के सीता नहीं और बिना सीता के राम नहीं। पूरे विश्व से अयोध्या में बने भगवान रामलला के भव्य दिव्य मंदिर के दर्शनार्थ आज लाखों लोग पधार रहे हैं। अयोध्या का विकास इतना हो रहा है कि आने वाले दिनों में अयोध्या विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक पर्यटन स्थल बन जाएगाद्य ऐसा होना हमारी आध्यात्मिक शक्ति को बढ़ाएगा भी। पर दूसरी ओर, मां जानकी(सीताजी) का प्राकट्यस्थल पर न चर्च है , न मस्जिद है, न किसी तरह का जमीनी विवाद है, और तो और वहां मां जानकी का एक छोटा मंदिर भी बना हैद्य वहां वह स्थल भी मौजूद है जहां राजा जनक ने हल जाता था और मां सीता हल जोतते समय एक मटके से हल के अगले हिस्से जिसे सीत कहा जाता है, के लगने से प्रकट हुईं।'सीत' जो हल का अगला हिस्सा होता है उसके लगने से ही मां सीता प्रकट हुईं।'सीत' के कारण ही उनका नाम 'सीता' पड़ा । पुनौराधाम से राजा जनक ने उन्हेंएक 'मढ़ी' में लेकर गए, आज जिसे 'सीतामढ़ी' कहा जाता है। उसके पीछे की कहानी जानकार लोग यही कहते हैं।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी भी जब भी अयोध्या में गए थे जय श्री राम नहीं बोले वह हमेशा 'जय सियाराम' ही बोले। अब सवाल उठता है की मां जानकी सीता जी के प्रकट स्थल का जीर्णोद्धार कब होगा। जगतगुरु रामभद्राचार्य जी ने प्रण लिया हुआ है कि जब तक मां सीता जी के प्रकट स्थल का जीर्णोद्धार और यह भारत का श्रेष्ठ धाम नहीं बनेगा मेरी कथा सदैव जानकी नवमी पर यहां होती रहेगी। मैं स्वयं राज्यसभा में भी पुनौरा धाम का मामला और वहां मां जानकी के प्राकट्य स्थल के संपूर्ण विकास का मामला उठाया था सदन में सभी दलों ने इसका समर्थन भी किया था। बहुत मुश्किल से भारत में लोगों को अब यह जानकारी हुई है कि पुनौराधाम जो सीतामढ़ी से मात्र साढ़े तीन किलोमीटर दूर है, मां सीता का प्राकट्यस्थल है। नहीं तो लोगों के मन में तो अभी भी जनकपुर का नाम ही बैठा था।

जनकपुर इसलिए प्रसिद्ध हुआ कि वहां मां जानकी ने भगवान शंकर के धनुष को सहज उठाकर रख दिया था। यह देख राजा दशरथ आश्चर्यचकित हो गए इसके बाद उन्होंने घोषणा की थी की जो व्यक्ति इस धनुष को उठा लेगा मैं उसी से अपनी बेटी सीता का विवाह कर दूंगा। जनकपुर में बहुत लोग आए पर सभी को ज्ञात है कि भगवान श्री राम ने ही वह धनुष उठाया प्रत्यंचा चढ़ा दी इसके बाद मां सीता का स्वयंवर रचा और भगवान श्री राम से उनका विवाह हुआ।

पुनौराधाम भारत के बिहार राज्य में स्थित सीतामढ़ी में है। अत: भारत सरकार और बिहार सरकार का यह आध्यात्मिक और नैतिक दायित्व बनता है की पुनौराधाम को भारत का श्रेष्ठ धाम बनाने की दिशा में पुरजोर प्रयास करें। अयोध्या स्थित रामलाल के भव्य मंदिर के निर्माण के लिए निमित्त ट्रस्ट से जुड़े श्री कामेश्वर चौपाल जी, जिन्होंने भव्य राम मंदिर के निर्माण की पहली ईट सबसे पहले लगाई थी का कहना है कि बिहार सरकार पुनौराधाम ट्रस्ट को यदि हमारे अयोध्या स्थित ट्रस्ट को सौंप दे तो हम सभी पुनौराधाम को अयोध्या की तर्ज पर भव्य दिव्य मंदिर और भारत का श्रेष्ठ धार्मिक पर्यटन बनाने की दिशा में विचार कर सकते हैं। उनका भी मानना है कि अयोध्या की मान्यता विश्व में भगवान राम लला को लेकर है तो मां सीता जी (मां जानकी) को लेकर पुनौराधाम का नाम विश्व में क्यों नहीं हो सकता।

भारत की जनता अब पुनौराधाम आने लगी है। जानकी नवमी को वहां बहुत बड़ा मेला लगता है। प्राकृतिक कुंड के सामने जानकी नवमी वाले दिन जगत गुरु रामभद्राचार्य जी पूजा अर्चना कर सभी को आशीर्वाद देते हैं। वहां 9 दिन तक भंडारा चलता है। देश भर से माता बहने आती हैं और अपने-अपने नवजात बच्चों और अनय बच्चों के सर पर मां जानकी के प्राकट्यस्थल का रज लगती है। यहां कहावत कहीं जाती है कि यहां का रज जिस नवजात बच्चे की ललाट पर लगता है उसमें लव कुश के संस्कार सहज आ जाते हैं। जगत जननी मां सच में इंतजार कर रही है कि और कह रही है कि जिनके कारण मेरा धरा पर अस्तित्व है उनका भव्य मंदिर बनने पर मैं बहुत खुश हूं पर मैं भी उनके साथ पतिव्रता अर्धांगिनी बनकर सदैव हर समय खड़ी रही, तो मेरे साथ भी न्याय होना चाहिए।

कृषि में कृत्रिम बुद्धि के क्रांतिकारी प्रभाव

एआई किसानों को संसाधन आवंटन को अनुकूलित करने, पर्यावरणीय गिरावट को कम करने और फसल की पैदावार बढ़ाने के लिए सशक्त बनाती है।

प्रेरणा नेगी
(लेखिका, एक शोधकर्ता हैं)

कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से भोजन की बर्बादी में नाटकीय रूप से वृद्धि होने की आशंका है, जलवायु परिवर्तन और अन्य मुद्दों के कारण लगभग एक अरब लोग भूखे और कुपोषित रह रहे हैं, भले ही दुनिया सभी को खिलाने के लिए पर्याप्त भोजन का उत्पादन करती है। 2050 तक 9.7 अरब लोगों के ग्रह पर निवास करने की उम्मीद के साथ, कृषि क्षेत्र पर कम संसाधन उपयोग और कम पर्यावरणीय प्रभाव के साथ भोजन उपलब्ध कराने का दबाव बढ़ रहा है। शुक्र है, कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के अनुप्रयोग ने खाद्य प्रणालियों में क्रांति लाने और विश्व खाद्य समस्या को कम करने का वादा किया है। एआई कई स्रोतों से डेटा का विश्लेषण करके किसानों को डेटा-संचालित विकल्प बनाने, संसाधन खपत को अनुकूलित करने और पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने में सहायता कर सकता है। विश्व आर्थिक मंच के विश्लेषण के अनुसार, एआई को कृषि में एकीकृत करने से कीटनाशकों के उपयोग में 60 प्रतिशत की कमी और पानी के उपयोग में 50 प्रतिशत की कमी हो सकती है।

बाज़ार मांग विश्लेषण समकालीन कृषि का एक अनिवार्य घटक है। मौसम संबंधी डेटा और उपग्रह तस्वीरों का विश्लेषण करने के अलावा, एआई किसानों को उत्पादन या बिक्री के लिए सर्वोत्तम फसल चुनने में सहायता कर सकता है और कब बोना है और किस प्रकार की फसल उगानी है, इस पर व्यावहारिक सलाह दे सकता है। डेटा पैटर्न की जांच करके लाभप्रदता का अनुकूलन करते हुए कुछ फसलों के लिए बाजार की मांग का पूर्वानुमान लगाना संभव है। किसान पूर्वानुमान और भविष्य कहनेवाला विश्लेषण का उपयोग करके फसल विफलता की संभावना को कम कर सकते हैं। यह ऐसे सॉफ़्टवेयर एप्लिकेशन बनाएगा जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और कंप्यूटर विज़न विधियों का उपयोग करके फलों और सब्जियों का विश्लेषण करेंगे और उनकी गुणवत्ता, ताजगी और आकार के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे। फसलों में खामियों और बीमारियों की पहचान करने के अलावा, ये एआई प्रौद्योगिकियां किसानों को फसलों के प्रभावित होने से पहले निवारक कार्रवाई करने की अनुमति देती हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पौधों की वृद्धि पर डेटा एकत्र करके ऐसी फसलों के उत्पादन में सहायता कर सकता है जो मौसम और रोग के अनुकूल हों। वैज्ञानिक सर्वोत्तम प्रदर्शन करने वाले पौधों की किस्मों को खोजने के लिए एआई का उपयोग कर सकते हैं और उन्हें और भी बेहतर संकर बनाने के लिए क्रॉसब्रीड कर सकते हैं। एआई सिस्टम लापता पोषक तत्वों का विश्वसनीय रूप से अनुमान लगाने और रासायनिक मिट्टी विश्लेषण करने में सक्षम हैं।

उनका एक उत्पाद, पोषक तत्व स्कैनर, मिट्टी के नमूनों से जानकारी इकट्ठा करता है और किसानों को उन पोषक तत्वों की कमी और मिट्टी की सामान्य स्थिति का सटीक अनुमान देता है। यह किसानों को सिंचाई कार्यक्रम और उर्वरक अनुप्रयोगों को संशोधित करके फसल विकास को अनुकूलित करने और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने में सक्षम बनाता है। एआई पौधों की स्थिति की निगरानी करके बीमारियों का पता लगा सकता है और उनकी भविष्यवाणी कर सकता है, खरपतवारों की पहचान कर सकता है और उन्हें हटा सकता है और कीटों के प्रभावी उपचार की सिफारिश कर सकता है। यह कीटों के लिए सबसे प्रभावी उपचार का सुझाव भी दे सकता है, जिससे व्यापक स्पेक्ट्रम कीटनाशकों की आवश्यकता कम हो जाती है जो लाभकारी कीड़ों को नुकसान पहुंचा सकते हैं और कीटनाशक प्रतिरोध को जन्म दे सकते हैं। किसानों को फसल की वृद्धि और परिपक्वता का अनुमान लगाना कठिन और समय लेने वाला लगता है, लेकिन एआई इस काम को सटीक और तेजी से पूरा कर सकता है। सेंसर और छवि पहचान उपकरणों जैसे एआई-संचालित गियर के उपयोग से फसल परिवर्तनों की निगरानी और ट्रैकिंग करके किसान सटीक भविष्यवाणी कर सकते हैं कि फसल कब आदर्श परिपक्वता प्राप्त करेगी। अध्ययनों के अनुसार, फसल परिपक्वता का पूर्वानुमान लगाने के लिए एआई को नियोजित करने से प्राप्त सटीकता दर मानव पर्यवेक्षकों की तुलना में अधिक थी। इस बेहतर परिशुद्धता के परिणामस्वरूप किसानों को बड़ी लागत बचत और बेहतर राजस्व से लाभ हो सकता है। किसान सेंसर और एआई सिस्टम को एकीकृत करके मिट्टी में पानी और पोषक तत्वों की मात्रा को सटीक रूप से ट्रैक कर सकते हैं। तापमान, पीएच स्तर, पोषक तत्व सामग्री और मिट्टी की नमी जैसे कई कारकों का पता लगाने वाले उपकरणों को तैनात करना सेंसर-आधारित मिट्टी निगरानी प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है। ये सेंसर डेटा को एआई सिस्टम में वापस भेजते हैं, जो इसे संसाधित करते हैं, इसका मूल्यांकन करते हैं और किसानों को उनके द्वारा खोजी गई मिट्टी की स्थितियों के आलोक में उनकी फसलों को संभालने के सर्वोत्तम तरीकों पर सलाह देते हैं। एआई-संचालित प्रौद्योगिकियां किसानों को पौधों की बीमारियों और कीड़ों में एफिड संक्रमण की पहचान कर सकती है, जानकारी को किसान के स्मार्टफोन पर वापस भेज सकती है और फिर सर्वोत्तम कार्रवाई की सिफारिश कर सकती है।

एक जुड़े हुए स्प्रेयर के माध्यम से, यदि आवश्यक हो तो उपकरण कीटनाशकों के छिड़काव को भी स्वचालित कर सकता है। एआई तकनीक का उपयोग कीट या खरपतवार नियंत्रण को स्वचालित करने के लिए किया जा सकता है। माना जाता है कि कंप्यूटर विज़न के उपयोग से रोबोटिक निराई असाधारण रूप से सटीक होती है, जिससे कीटनाशकों के उपयोग से 90 प्रतिशत की बचत होती है। ये समाधान फसल के प्रकार, मिट्टी की स्थिति और क्षेत्र के इतिहास के बारे में जानकारी के आधार पर यह निर्धारित करने के लिए डेटा एनालिटिक्स का उपयोग करते हैं कि प्रत्येक क्षेत्र के लिए कितने कीटनाशक की आवश्यकता है। आने वाले वर्षों में, कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के नाटकीय रूप से बढ़ने की उम्मीद है क्योंकि यह दक्षता बढ़ाकर, अपशिष्ट कम करके और फसल की पैदावार बढ़ाकर उद्योग को पूरी तरह से बदल सकता है।

आप की बात

सराहनीय कदम

पाकिस्तान, अफ़ग़ानिस्तान व बांग्लादेश में प्रताड़ना के कारण भारत आए गैर-मुस्लिम शरणार्थियों को नागरिकता संशोधन कानून-सीएए के तहत भारतीय नागरिकता देने का काम शुरू हो गया है। केंद्रीय गृह सचिव ने अपने कार्यालय में 14 शरणार्थियों को भारत की नागरिकता का सर्टिफ़िक्रेट सौंपकर कर इसकी शुरुआत की। वैसे देश भर में कुल 300 शरणार्थियों को सीएए के तहत नागरिकता प्रदान की गई। अन्य लोगों को ईमेल के जरिए नागरिकता सर्टिफ़िक्रेट भेजे गए। गृह मंत्री अमित शाह ने इसे ऐतिहासिक दिन बताते हुए कहा कि शरणार्थियों का दशकों का इंतजार खत्म हुआ। उन्होंने इसे मोदी की गारंटी, यानी वादा पूरा होने की गारंटी बताया। दिसंबर 2019 में पास सीएए कानून का अमल विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए टाला गया था।अब सरकार ने इसे क्रियान्वित कर एक सराहनीय कदम उठाया है। नागरिकता आवेदन के लिए ऑनलाइन पोर्टल पूरी प्रक्रिया डिजिटल है और केन्द्र सरकार ने इसके लिए एक खास पोर्टल लांच करने के साथ ही एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है। अब ममता बनर्जी जैसे नेताओं को अपनी जिद छोड़ कर उत्पीड़ित हिंदुओं, सिखों, जैनों, बौद्धों व ईसाइयों के प्रति मानवता दिखाते हुए सीएए का समर्थन करना चाहिए।

– **सदन जी,** पटना

सीएए क्रियान्वित

केंद्र सरकार ने सीएए- नागरिक संशोधन कानून के तहत शरणार्थियों को भारत की नागरिकता देते हुए उन्हें नागरिकता प्रमाणपत्र देने शुरू कर दिए। इसके तहत पहली बार 14 शरणार्थियों को नागरिकता प्रमाणपत्र सौंपे गए हैं। इसके साथ ही देश भर में रह रहे 31हजार के लगभग गैर-मुस्लिम शरणार्थियों को नागरिकता देने की शुरुआत हो गई है। यह उन सीएए-विरोधियों के मुंह पर एक तमाचा है जो इसका विरोध काफी समय से कर रहे थे। लोकसभा चुनाव में भी सीएए बड़ा मुद्दा है। विपक्षी इंडिया गठबंधन में शामिल दल न केवल इसकी तीखी आलोचना कर रहे हैं बल्कि सत्ता में आने पर इसे खत्म करने का वादा भी कर रहे हैं। भाजपा इस कानून के विरोधियों को हिंदू-विरोधी तथा मुस्लिम समुदाय को गुमराह करने वाला बताती रही है। तीन देशों से भारत में 31 दिसंबर 2014 से पहले के शरणार्थी भारतीय नागरिकता की प्रतीक्षा कर रहे थे। ये पाकिस्तान, बांग्लादेश एवं अफ़ग़ानिस्तान के धार्मिक रूप से उत्पीड़ित हिंदू, जैन, बौद्ध, सिख, ईसाई व पारसी हैं। भारत द्वारा सीएए का क्रियान्वयन महत्वपूर्ण कदम है। इससे वह अपनी प्राचीन सभ्यता व संस्कृति के आधार पर पीड़ितों के लिए मुक्तिदाता के रूप में सारी दुनिया में उभरेगा।

– **एमएम राजावत,** शाजापुर

एआई की दुनिया

ओपन एआई ने आर्टिफ़िशाल इंटेलिजेंस-एआई की दुनिया में नया धमाका करते हुए सोमवार को लार्ज लैंग्वेज मॉडल का लेटेस्ट वर्जन जारी कर दिया है। आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस का यह तो मात्र एक ट्रेलर है। दुनिया देखेगी कि आगामी कुछ ही वर्षों में खुद एआई अपने आप को मॉडिफ़ाई करता रहेगा और इंसानी जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अपरिहार्य बनता जाएगा। इससे मानव जीवन अधिक सुविधा पूर्ण बनेगा और यह मानव मस्तिष्क को भी अधिक विकसित करने में सहायक सिद्ध होगा। विशेष तौर से अंतरिक्ष यात्रा में अंतरिक्ष यानों और यात्रियों को लाने ले जाने, अंतरिक्ष में मानवों को बसाने से लेकर अनेकानेक रूपों में इसकी उपयोगिता बढ़ती जाएगी। एआई का मानव से प्रतिद्वंदता का सवाल ही नहीं उठता है। लेकिन चीन या साउथ कोरिया जैसे तानाशाह देश इसका अधिकाधिक दुरुपयोग मानवता को हानि पहुंचाने और अपनी तानाशाही मजबूत करने में कर सकते हैं। मगर इस बुरे पहलुओं को लेकर एआई से भयभीत होने के बजाय एआई द्वारा ही एआई का दुरुपयोग रोकने के उपाय खोजने होंगे। एआई से लोगों के रोजगार खत्म होने की आशंका भी व्यर्थ है क्योंकि ऐसी आशंका कंप्यूटर से भी जताई गई थी, जबकि इससे नए रोजगार पैदा हुए हैं।

सुभाष बुडावन वाला, रतलाम

गरमी में चुनाव

मई का महीना, सूरज का आग उगलना, उत्तराखंड में जंगल की आग और पूरे देश में चुनावी गरमी ने हर शख्स को झुलसा दिया है। आम आदमी तो यूँ भी लू की लपेट में आ ही जाता है, किन्तु इन दिनों खास को भी वातानुकूलित दफ्तर, दूकान और कुर्सी छोड़कर तपती सड़क पर बारम्बार उतरना पड़ रहा है। इसका कारण लोकसभा चुनाव में मतदान करना और अधिकाधिक मतदाताओं को अपने पक्ष में जुटाना है। राजनेताओं की सारी उहापोह नई सरकार के बनने के बाद समाप्त हो जाएगी और वे सरकार बनाने या अपना एजेंडा लागू करने की जुगत में लग जाएंगे। लेकिन राजनेताओं को इस भयानक गरमी में चुनाव की समस्याओं से सबक लेना चाहिए। यदि चुनाव गरमी का मौसम शुरू होने से पहले ही मार्च तक करा लिए जाएं तथा बच्चों की बोर्ड परीक्षायें चुनावों के बाद रखी जाएं तो बेहतर होगा। शिक्षकों को चुनाव संबंधी कामों से अलग रखने का निर्णय भी होना चाहिए। यदि देश में -एक देश, एक चुनाव जैसी व्यवस्था लागू हो जाए तो निर्वाचन आयोग को मतदान कराने में सुविधा होगी तथा जनता के दैनिक जीवन में बाधा भी कम होगी।

– **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

एनटीपीसी रिहंद में स्वच्छता पखवाड़े का हुआ शुभारंभ, दिलाई गई शपथ

संवाददाता। बीजपुर, सोनभद्र

एनटीपीसी रिहंद ने आज गुरुवार को स्वच्छता पखवाड़ा की शुरूआत की है। स्वच्छता पखवाड़ा का उद्घाटन परियोजना प्रमुख पंकज मेदीरत्ता ने किया। इस दौरान उन्होंने सोनशक्ति स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में एनटीपीसी के पूरे परिवार को स्वच्छता की शपथ दिलाई। जिसमें एनटीपीसीटी रिहंद से जुड़े सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी शामिल रहे। स्वच्छता पखवाड़ा 16 मई से 31 मई 2024 तक परियोजना के प्लांट तथा आवासीय परिसर में निरंतर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा।

एनटीपीसी रिहंद में स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ प्रभात फेरी के साथ किया गया। प्रभात फेरी का आयोजन परियोजना प्रमुख पंकज मेदीरत्ता ने किया। इस दौरान मेदीरत्ता के साथ सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने झाड़ू निकालकर सफाई अभियान शुरू किया। स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत प्लांट तथा आवासीय परिसर में निरंतर स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा। स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए महिलाओं, बच्चों तथा कर्मचारियों के लिए अनेक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा।

इसी कड़ी में आज स्वच्छता पर निबंध और स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कक्षा 8 से 12 के बच्चों और टाउनशिप की महिलाओं ने हिस्सा लिया। स्वच्छता अभियान में प्रदूषण से लड़ने के लिए वृक्षारोपण का कार्यक्रम 19 मई को किया जाएगा जिसमें परियोजना प्रमुख मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। स्वच्छता की शपथ के दौरान अपने भाव व्यक्त करते हुए पंकज मेदीरत्ता ने कहा कि महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था उसमें सिर्फ राजनैतिक आजादी ही नहीं थी, बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी थी।

भाजपाईयों ने चौपाल लगाकर बताई सरकार की योजनाएं

संतकबीरनगर। खलीलाबाद विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कोनी में हाल ही में यूथ आईकान व समाजसेवी प्रदीप सिसोदिया भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण किये थे। वे अपने आवास पर बुधवार की देर शाम चौपाल लगाकर पार्टी के नीतियों विचारो एवं सरकार की योजनाओं को बताया। चौपाल में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद की प्रभारी मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम, भाजपा प्रत्याशी सांसद ई0 प्रवीण निषाद, विधायक खलीलाबाद अंकुर राज तिवारी, विधायक धनघटा गणेश चौहान, विधायक मेंहदावल अनिल त्रिपाठी उपस्थित रहे।

चौपाल का संचालन जिला उपाध्यक्ष अमर राय ने किया। मुख्य अतिथि विजय लक्ष्मी गौतम ने केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं को बताया। उन्होंने कहा कि सरकार की योजना बिना भेदभाव किये आम जनमानस को आसानी से मिल रहा है। चौपाल को विधायक अंकुर राज तिवारी ने सम्बोधित किया। चौपाल में भारी संख्या में अल्पसंख्यक समाज के लोग शामिल रहे।

मतदाता जागरूकता अभियान की श्रृंखला में हुआ स्वीपोत्सव का आयोजन

संवाददाता। गोंडा

मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला में गुरुवार को वृहद स्वीपोत्सव का आयोजन किया गया। वेंकटाचार्य क्लब में आयोजित इस समारोह में मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों की झलक देखने को मिली। यहां डेढ़ माह में जनपद में आयोजित विभिन्न मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों को स्वीप प्रदर्शनी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। स्कूली बच्चों ने पेंटिंग, वाद-विवाद जैसी प्रतियोगिता के माध्यम से मतदान के महत्व को समझाने के साथ ही जनपद के सभी मतदाताओं से मतदान करने की अपील की। रंगोली, प्रतियोगिता मेहंदी प्रतियोगिता पोस्टर प्रतियोगिता स्लोगन प्रतियोगिता सहित कई अन्य प्रतियोगितायें आयोजित की गई।

कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी नेहा शर्मा जनपद में हुए मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुति की। उन्होंने बताया कि जनपद के हर एक मतदाता को जागरूकता कार्यक्रम से जोड़ने का प्रयास किया गया। उन्होंने सभी मतदाताओं से मतदान करने की अपील की। मुख्य राजस्व अधिकारी महेश प्रकाश ने बताया कि मतदाता जागरूकता को केन्द्रित कर जनपद में दो चरणों में स्वीप का आयोजन किया गया। पहले चरण में वोटर बनाने पर जोर दिया गया। वहीं, दूसरे चरण में सभी मतदाताओं को पोलिंग बूथ तक पहुंचाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम शुरू किए गए। 30 अप्रैल को वॉकाथन के साथ इस वृहद जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई। इसमें, 15 हजार से ज्यादा युवा मतदाताओं ने भाग लेकर मतदान करने और अन्य को भी वोट देने के लिए प्रेरित करने की शपथ ली। ट्रांसजेंडर, युवा, वृद्धजन, महिला, उद्यमी, डॉक्टर, अधिवक्ता से लेकर समाज के हर वर्ग को जोड़ा गया।

ग्रामीण मतदाताओं तक पहुंचने के लिए आशा बहुओं, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, युवक मंगल दल से लेकर प्रधानों तक को जोड़ा गया।

प्रेक्षकगणों की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई सम्पन्न

श्रावस्ती। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा भेजे गए विशेष प्रेक्षक (सामान्य) अजय बी नायक विशेष प्रेक्षक (व्यय) राजेश टुटेजा विशेष प्रेक्षक (पुलिस) मनमोहन सिंह गुरूवार को जनपद बलरामपुर पहुंचे। विशेष प्रक्षकगणों ने बलरामपुर पहुंचने पर लोकसभा क्षेत्र 58-श्रावस्ती हेतु नियुक्त सामान्य प्रेक्षक किशोर कुमार व्यय प्रेक्षक जी0 वेंकटेश्वरन एवं पुलिस प्रेक्षक ओमापति जामवाल, जिला निर्वाचन अधिकारी श्रावस्ती कृतिका शर्मा, जिला निर्वाचन अधिकारी, जिलाधिकारी बलरामपुर अरविन्द सिंह पुलिस अधीक्षक श्रावस्ती घनश्याम चौरसिया पुलिस अधीक्षक बलरामपुर केशव कुमार एवं दोनों जनपद के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार बलरामपुर में बैठक कर चुनावी तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मतदाताओं के लिए चुनाव को सुगम और पारदर्शी हो इसका प्रत्येक दशा में ध्यान रखा जाए। बैठक में चुनाव की तैयारियों पर पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से अवगत कराया गया, जिस पर विशेष प्रेक्षकगणों ने की गई तैयारी पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की।

कांग्रेस प्रत्याशी केएल शर्मा ने कई नुक्कड़ सभाओं को संबोधित कर मांगे वोट

संवाददाता। अमेठी

अमेठी संसदीय क्षेत्र कांग्रेस प्रत्याशी के. एल. शर्मा ने आज अमेठी के अलग अलग जगहों पर चुनाव प्रचार किया और नुक्कड़ सभाओं में कांग्रेस को वोट देने की अपील की, केएल शर्मा ने आज जामों और गौरीगंज ब्लॉक के हरकरनपुर , हरदों और गोरियाबाद में चुनाव प्रचार कर समर्थन मांगा, और कहा कि अमेठी परिवार से मिल रहे स्नेह से अभिभूत हूं।

इसके बाद के. एल. शर्मा ने दक्खिनवारा पहुंच युवाओं, बुजुर्गों से मुलाकात की महिलाओं का अभिवादन किया ढ्ढ श्री शर्मा कहते हैं कि मुझे अच्छी तरीके से पता है कि मैं कोई नेता नहीं हूं ,मैं बहुत भाषण नहीं देता हूं। मैं तो लोगों से व्यक्तिगत संवाद करने में यकीन रखता हूं ,यही मेरा तरीका है आप लोग मुझे विजई बनाइए मैं हमेशा काम किया है काम करूंगा।

इसके बाद जामों के हरगांव, पहुंच मीटिंग की, और लोगों से समर्थन की अपील की। जामों में रवि तिवारी के घर पहुंचकर परिवार के सदस्य की मृत्यु पर शोक संवेदना व्यक्त की ढ्ढआज किशोरी लाल शर्मा ने जामों बाजार में जनसंपर्क किया और ग्राम रेसी में जनसभा की। ग्राम सरमें में मीटिंग कर लोगों से गांधी परिवार के रिश्ते और अमेठी में किए कामों की दुहाई दी और जिताने की अपील की ढ्ढ के . एल.शर्मा ने कहा मेरा अमेठी से पिछले 40 साल का नाता है मैं हमेशा उस रिश्ते को निभाता रहूंगा।

आपने जो मुझे प्यार और स्नेह अभी तक दिया है ढ्ढ मुझे पर वह पूरा भरोसा है कि आगे भी इसी तरीके से 20 मई को आप हमें अपना आशीर्वाद और समर्थन देंगे और अमेठी का जो विकास कार्य रुक गया है उसको आगे बढ़ाने के लिए अपना हाथ हमारे हाथ से जोड़कर मजबूत करेंगे ।

भाजपा प्रत्याशी को जिताएं मुसलमानः बासित अली

नसीराबाद, रायबरेली। कुंवर बासित अली प्रदेश अध्यक्ष भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने कहा कि सपा, कांग्रेस और बसपा ने वोट हासिल करने के लिए हमदर्द बंकर उन्हें छला है मुसलमानों की भलाई उनकी तरक्की के लिए कुछ नहीं किया लेकिन बीजेपी ने सबका साथ सबका विकास किया है इसलिए मुस्लिम भाई बीजेपी को वोट देकर अमेठी लोकसभा से दीदी स्मृति ईरानी को विजय बनाएं। श्री कुंवर बासित अली गुरुवार की शाम पूर्व चियरमैन प्रतिनिधि हारुन अंसारी के ग्राउंड में एक नुक्कड सभा को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के आयोजक हारून रशीद थे इस मौके पर मुख्य रूप से मौलना अफाक, मो मकसूद, मोहम्मद साजिद,मो वसीम, आदि मौजूद थे।

भाजपा प्रत्याशी पारसनाथ राय ने गांवों में लगाई जन चौपाल

गाजीपुर। जनपद के लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी पारसनाथ राय ने विधान सभा सैदपुर के गदनपुर, बहदिया, गोरखा, बहुरा, रामपुर आदि ग्राम सभाओं में जन चौपाल को संबोधित किया और लोगों से आशीर्वाद मांगते हुए कहा कि देश के विकास और सम्मान के प्रति सदैव समर्पित भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व की एक बार फिर सरकार देश को विकसित बनाने के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाज के एक-एक व्यक्ति के विकास और सम्मान के लिए काम किया है। पारसनाथ राय ने मनोज सिन्हा के विकास कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि 2014 से 2019 तक के विकास के कार्यों की गति जो बंद हो चुकी है। उसको पुन: तेज गति से आगे बढ़ाने के लिए मैं पूरा-पूरा प्रयास करूंगा। जन चौपाल को भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश मंत्री रामतेज पांडेय, अखिलेश सिंह ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर जिला महामंत्री दयाशंकर पांडेय, नरेंद्र पाठक, शैलेंद्र सिंह शैलू,श्याम कुवर मौर्य, अरूण सिंह,संतोष भारद्वाज सहित अन्य नेता उपस्थित थे।

मतदाता जागरूकता के लिए युवा महोत्सव एवं युवा संसद कार्यक्रम का हुआ आयोजन

संवाददाता। गाजीपुर

जनपद में गुरुवार 16 मई को राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सभागार में मतदाता जागरूकता युवा महोत्सव एवं युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी के नेतृत्व में जनपद में चलाए जा रहे मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत आज युवा मतदाताओं को समर्पित और उनको उत्प्रेरित करने के लिए युवा महोत्सव एवं युवा सांसद का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि उप जिलाधिकारी लोकेश कुमार विशिष्ट अतिथि राम नगीना यादव समाज कल्याण अधिकारी एवं संजय कुमार सोनी बाल एवं महिला विकास कल्याण अधिकारी रहे। कार्यक्रम का संचालन स्वीप कोऑर्डिनेटर डॉ अमित यादव एवं एनसीसी प्रभारी डॉ शशि कला ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्राचार्य प्रोफेसर अनिता कुमारी ने अतिथि गण का स्वागत करते हुए बढ़ चढ़कर मतदान की अपील की। मुख्य अतिथि उप जिलाधिकारी लोकेश कुमार ने उपस्थित युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि न केवल हमें अपना वोट डालना है बल्कि अपने आसपास के लोग भी वोट डालने जाएं इसके लिए भी युवाओं को तैयार रहना है।

कार्यक्रम के दौरान श्रेया मौर्य दिव्या तिवारी साधना यादव श्रेया यादव अंकिता अंजलि आदि की टीम ने मतदाता जागरूकता गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। प्रतीक्षा एवं दिव्या तिवारी लक्ष्मी राय की टीम ने मतदाता जागरूकता नाटक का मंचन किया। राकेश कुमार,कोशल कुमार, श्रेया, अंकिता, रागिनी आदि ने युवा संसद के अवसर पर अपने विचार व्यक्त किया। निर्वाचन साक्षरता क्लब (फ्यूचर वोटर) की प्रतिनिधि राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाता जागरूकता पर एकल एवं समूह नृत्य प्रस्तुत किया।

पीएम सुरक्षा बीमा योजना के तहत 3 लाभार्थियों को 2-2 लाख का चेक

संतकबीरनगर। भारत सरकार के योजना का लाभ लाभार्थी आसानी को आसानी से मिल रहा है। बृहस्पतिवार को बड़ौदा यू0पी0 बैंक द्वारा सामाजिक सुरक्षा योजना के अन्तर्गत प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में आच्छादित धनघटा शाखा की खाताधारक श्रीमती साधना की मृत्यु के उपरान्त उनके नामिनी आशू को 2 लाख चेक प्रदान किया गया। इसी क्रम में बड़ौदा यू0पी0 बैंक भिटवा शाखा की खाताधारक श्रीमती सायरा की मृत्यु के उपरान्त उनके नामिनी हैदर अली को 2 लाख चेक प्रदान किया गया। इसी क्रम में बड़ौदा यू0पी0 बैंक बढया ठाठर शाखा के खाताधारक अजय की मृत्यु के उपरान्त उनके नामिनी मंजू को 2 लाख का चेक क्षेत्रीय प्रबधक सी0डी0 पाण्डेय द्वारा प्रदान किया गया। क्षेत्रीय प्रमुख श्री पाण्डेय द्वारा अवगत कराया गया कि सामाजिक सुरक्षा योजनाओ के क्रियान्वयन में बड़ौदा यूपी बैंक जिले में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिये कांग्रेस को करें वोटः प्रियंका गांधी

लालगंज, रायबरेली। कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी ने सरेनी विधानसभा में नुक्कड़ सभायें व रोड़ शो किया। कांग्रेस प्रत्यासी राहुल गांधी को भारी बहुमत से विजयी बनाने के लिये श्रीमती बढ़ेरा ने चिलचिलाती धूप में सघन जनसम्पर्क किया। इस दौरान प्रियंका ने केंद्र की मोदी सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा कि महंगाई और बेरोजगारी से उसका कोई सरोकार नही है। हमारी सरकार आने पर देशभर के युवाओं को नौकरी मिलेगी और अग्निवीर जैसी दोषपूर्ण सेना में भर्ती की योजना समाप्त होगी। गरीब महिलाओं को उनके खाते में एक-एक लाख रूपये मिलेगें।

उन्होने कहा कि बीते 10 सालो में देश में ही नही बल्कि केवल अपनी रायबरेली में ही तरक्की देखें। कांग्रेस ने अपने शासनकाल में जो काम किया वह वैसे ही पड़ा हुआ है। विकास की एक भी ईंट रायबरेली में नही रखी गई बल्कि जो परियोजनायें संचालित हैं उनके विकास का केवल फर्जी क्रेडिट लिया जा रहा है। कहा कि सच्चाई पहचानने की जरूरत है और अपने बच्चे के भविष्य के लिये कांग्रेस को वोट देने की आवश्यकता है।

सरदार पटेल के आदर्शों पर चलकर भाजपा ने किया सबसे बेहतर कार्यः अनुप्रिया पटेल

प्रयागराज। इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी के समर्थन में आज कोरांव के चौधरी शिव जोखन इंटर कालेज में सम्मेलन आयोजित हुआ। जिसमें अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने वर्चुअल संवाद कर लोगों से आगामी 25 मई को होने वाले चुनाव में कमल का बटन दबाकर भाजपा प्रत्याशी को भरी मतों से जिताने का आग्रह समाज के लोगों से किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के आदर्शों पर चलकर भाजपा ने सबसे बेहतर काम किया है ।हमारे समाज को सबसे ज्यादा सम्मान दिया गया।

इसी आधार पर आज हमारा समाज भारतीय जनता पार्टी की तीसरी बार सरकार बनाने जा रहा है। शहर दक्षिणी की एक कामकाजी बैठक में राष्ट्रीय महासचिव डा राधा मोहन दास अग्रवाल ने उपस्थित ज़िम्मेदार पदाधिकारियों से अभी तक के बूथ स्तरीय कार्यों की समीक्षा कर आगामी एक सप्ताह का रोड मैप तैयार कर जी जान से जुटने का आग्रह किया। बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सभा 22 मई को परेड मैदान में होगी और अमित शाह की सभा मेजा विधानसभा में दिन 12 बजे एवं मुख्यमंत्री योगी की सभा उसी दिन सायं 4 बजे करछना में संपन्न होगी। उस सभा की भी तैयारी का निर्देश देते हुए पोलिंग तक की व्यवस्था सुनिश्चित की। मेजा विधानसभा में प्रबुद्ध सम्मेलन का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि एमएलसी डा के पी श्रीवास्तव ने लोगों के उत्साह और स्वागत से अभिभूत होकर कहा की मई इसी धरती का बेटा हूं जिसे भाजपा ने आज सम्मान दिया है। काबीना मंत्री नंद गोपाल गुप्त नंदी ने स्वर्णकार समाज से अपील की है कि भाजपा के सुशासन में व्यापारी सुखी और सुरक्षित है और समाज में अराजकता समाप्त है। भूख भय भ्रष्टाचार मुक्त भाजपा सरकार की कार्यसंस्कृति आज लोगों के दिलों में राज कर रही है।

जिलाधिकारी ने किया निर्वाचन प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण

संवाददाता। अंबेडकरनगर

जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह द्वारा राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज अकबरपुर अंबेडकर नगर में लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के लिए हो रहे पीठासीन अधिकारियों, मतदान अधिकारी प्रथम द्वितीय तृतीय का द्वितीय प्रशिक्षण का निरीक्षण किया गया।

आज दिनांक 16 मई 2024 को दो पालियों में प्रशिक्षण कराया गया। कुल 1576 कार्मिक प्रशिक्षण हेतु बुलाए गए थे।निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी प्रथम, द्वितीय, तृतीय अच्छे से प्रशिक्षण ले, जिससे मतदान के समय कोई दिक्कत न हो। ट्रेनर द्वारा मतदान अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

दो पालियों में हुए प्रशिक्षण के दौरान मतदान अधिकारियों को ईवीएम सील करने, वीवी पैट से पर्ची निकालने, सभी परपत्रो को ठीक से भरने, मॉक पोल करवाने, हर 2 घंटे पर रिपोर्टिंग करने, वीवी पैट, बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट को आपस में जोड़ने सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं को संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए गए। साथ ही साथ उनके द्वारा यह भी कहा गया कि सभी अधिकारी गंभीरता से प्रशिक्षण ले, यदि उनके मन में किसी प्रकार का प्रश्न है तो वह नि:संकोच होकर मास्टर ट्रेनों से पूछे।

अनुपस्थिति कार्मिकों द्वारा आगामी तिथियां में प्रशिक्षण न करने पर आयोग के निर्देशानुसार एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। प्रशिक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी अधिकारियों को समय से उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। अवगत कराना है कि कार्मिकों को दो पाली में प्रशिक्षण दिया जा रहा है यह प्रशिक्षण 17,18 तथा 19 मई को भी दिया जाएगा।

85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक व 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग मतदाता के लिए होम वोटिंग की व्यवस्था की गई है

छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने राहुल गांधी के पक्ष में किया प्रचार

बछरावां, रायबरेली। छत्तीसगढ़ के निवर्तमान मुख्यमंत्री एवं रायबरेली लोकसभा सीट के प्रभारी भूपेश बघेल ने क्षेत्र में रायबरेली से कांग्रेस के प्रत्याशी राहुल गांधी के समर्थन में लगभग आधा दर्जन से अधिक नुक्कड़ सभाओं को संबोधित किया। यह नुक्कड़ सभायें क्षेत्र के बिशनपुर, इशिया, हसनगंज, बछरावां नगर एवं सेंहगो तमनपुर सहित कई अन्य गाँवो में आयोजित हुईद्य नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए श्री बघेल ने अमेठी से चुनाव लड़ रही भाजपा प्रत्याशी स्मृति ईरानी पर तंज कसते हुए कहा कि अबकी बार केवल स्मृति ईरानी की स्मृति यानी याद अमेठी में रह जाएगी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि वह अपने आप को बुलडोजर बाबा की सरकार बताते हैं अगर वास्तव में उनकी सरकार बुलडोजर बाबा की सरकार है तो पेपर लीक करने वालों के ऊपर बुलडोजर क्यों नहीं चला। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी तंज कसा और कहा कि वह बड़ी-बड़ी बातें करने ने माहिर है और साथ-साथ झूठ भी बोलते हैं, एवं कांग्रेस के घोषणा पत्र को मुस्लिम लीग का घोषणा पत्र बताते हैं। इसी कड़ी में उन्होंने नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र में जनता ही जनार्दन होती है,

मीरज़ापुर जिले में जोरशोर से मनाया गया राष्ट्रीय डेंगू दिवस

मीरज़ापुर। स्वास्थ्य विभाग गुरूवार को सीएमओ कार्यालय स्थित विवेकानन्द सभागार में स्वास्थ्यकर्मियों व अन्य की उपस्थिति में राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया गया । इस आशय की जानकारी सीएमओ डॉक्टर सीएल वर्मा ने दी। सीएमओ ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस साल भी 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाएगा, डेंगू सेबचावके लिए जनजागरूकता बहुत जरूरी है, इसी को ध्यान में रखकर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है , उन्होंने बताया कि डेंगू एक मच्छर जनित बीमारी है। यह एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से फैलता है। यह मच्छर हमेशा दिन में ही काटता है और इस बीमारी की अभी तककोई भी वैक्सीन या दवा न उपलब्ध होने के कारण बीमारी से बचने के लिए एक मात्र उपाय सावधानी बरतना ही है ।उन्होंने बताया कि वर्ष 2018-19 में जिले में डेगू के चार मरीज मिले, वर्ष 2019-20 में23 मरीज मिले वर्ष 2020-21 में डेगू के 30 मरीज मिले लेकिन विभाग के रात दिन मेहनत के परिणाम है।

दुकान में सो रहे अधेड़ की धारदार हथियार से बदमाशों ने की हत्या

मिल्कीपुर, अयोध्या। इनायतनगर थाना क्षेत्र के पुलिस चौकी शाहगंज में अधेड़ की हत्या का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार बदमाश लूट के इरादे से दुकान में घुसे थे। जिसके बाद अज्ञात बदमाशों ने अधेड़ के सिर व गर्दन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। जिससे मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम को भेजते हुए मृतक के बेटे की तहरीर पर पुलिस मुकदमा पंजीकृत कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना कोतवाली इनायत नगर अंतर्गत पुलिस चौकी शाहगंज क्षेत्र के टकसरा गांव निवासी छेदीलाल चौरसिया पुत्र राम प्रताप चौरसिया (57) पलिया माफी गांव के पास साइकिल की दुकान किया था वहीं पर उनके बेटे अशोक चौरसिया का डीजे का सामान भी रहता था। मृतक के बड़े बेटे अशोक चौरसिया की माने तो आज सुबह जब दुकान पर गए तो देखा की दुकान का गेट खुला हुआ है। पहले पिता को आवाज लगाई लेकिन जब पिता नहीं बोले तो दुकान के अंदर घुस कर देखा तो पिता खून से लथपथ पड़ा था सिर व गले में धारदार हथियार के गंभीर चोट थी। चिखने चिल्लाने पर परिजन समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण व बाजार वासी पहुंच गए। घटना की जानकारी होने के बाद चौकी प्रभारी शाहगंज संजय यादव, प्रभारी निरीक्षक संदीप कुमार सिंह क्षेत्राधिकारी सुनील कुमार सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच कर घटना की जानकारी लेते हुए फॉरेंसिक टीम बुलाकर जांच पड़ताल करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पंचनामा करने की बात पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के बेटे अशोक कुमार ने पुलिस को बताया है कि डीजे का सामान भी वही दुकान पर रखा हुआ था, पिता साइकिल की दुकान करते थे करीब एक लाख रुपए कीमत के समान को भी बदमाश उठा ले गए हैं। प्रभारी निरीक्षक संदीप कुमार सिंह का कहना है कि मृतक के बेटे की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत किया जा रहा है पुलिस टीम जांच पड़ताल में लगी हुई है।

लोकसभा निर्वाचन के दृष्टिगत जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेट को दिया प्रशिक्षण

कानपुर देहात। लोक सभा सामान्य निर्वाचन के दृष्टिगत लोकसभा 45. जालौन के विधानसभा भोगनीपुर में स्वतंत्र, निष्पक्ष और सुरक्षित मतदान सम्पन्न कराने हेतु जोनल, सेक्टर मजिस्ट्रेट का प्रशिक्षण जिलाधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता में मॉ मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में डीएम/जिला निर्वाचन अधिकारी आलोक सिंह ने जोनल, सेक्टर मजिस्ट्रेट से कहा कि चुनाव को सकुशल, स्वतंत्र, निष्पक्षध् पारदर्शितापूर्ण सम्पन्न कराना हम सबकी जिम्मेदारी है, इसलिए प्रशिक्षण में जो जानकारियां दी जा रही है उसे गंभीरता से समझ लेंए जहां शंका हो उसका समाधान यथासमय कर ले। निर्वाचन कार्य में किसी भी प्रकार की त्रुटि क्षम्य नहीं होती है। ईवीएम वीवीपैट के संबंध में जो भी जानकारी दी जा रही है उनको भली

भांति समझ लेए ताकि निर्वाचन के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या न हो। सभी जोनल/सेक्टर मजिस्ट्रेट आचार संहिता का पालन करेंगे तथा अपने.अपने क्षेत्र के बूथों का भ्रमण कर वहा पर संपूर्ण व्यवस्थाएं ससमय दुरस्त कराएंगे।

मतदान बूथ पर शीतल पेयजल, साफसफाई, रैंप व्हीलचेयर, छाया आदि व्यवस्थाएं अवश्य रहे। इस मौके पर अन्य बिन्दुओं पर विस्तार से जानकारी दी गयी। प्रशिक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमारए जिला विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, जिला विद्यालय निरीक्षक अचल मिश्रा, डीआईओ एनआईसी विकास गुप्ता, सहायक निर्वाचन अधिकारी अजीत पाण्डेय सहित सभी जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेट उपस्थित रहे।

ओवरलोड डॅपर की टक्कर से संकेतक बोर्ड गिरा

रसूलाबाद कानपुर देहात। रसूलाबाद कस्बे के मुख्य चौराहा पर लगा संकेतक बोर्ड ओवरलोड डंपर की टक्कर से गिर गया। गनीमत यह रही कि हादसा सुबह करीब 4 बजे हुआ जब लोगों का आवागमन लगभग नहीं होता है। ओवरलोड डंपर में मौरंग लदी हुई थी। टायर फटा और झींझक रोड की ओर से आ रहे डंपर की टक्कर से एक पोल गिरा और देखते ही देखते दूसरा पोल गिरा और इस प्रकार पूरा बोर्ड धराशायी हो गया। दोपहर बाद जाम की स्थिति की सूचना जब लोग निर्माण विभाग के अधिकारियों को हुई तब कहीं जाकर संकेतक बोर्ड को रोड से हटाया जा सका। सुबह से लेकर दोपहर तक लोग जाम से जूझते नजर आए। वैसे तो कई बार ठोकर लगने के बाद संकेतक बोर्ड झुका हुआ था।यही दुर्घटना यदि दिन में हुई होती तो कई लोगों की जान भी जानें भी सकती थी। चपेट में लोहिया नगर के हाफिज शाहिद की स्कूटी आ गई। जिससे स्कूटी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हाफिज सईद प्रतिदिन की भांति सुबह फजर की नमाज पढ़ने के लिए मस्जिद जा रहे थे। चाय की दुकान पर वह चाय पीने लगे। अचानक हादसे में उनकी स्कूटी क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत ये रही कि स्कूटी के आसपास वह नहीं खड़े थे।

चुनावी डियूटी जाने को लेकर तैयार प्राचार्य की मृत्यु

राठ (हमीरपुर)। मतदान ड्यूटी जाने के लिए तैयार हो रहे प्रधानाचार्य की अचानक अस्पताल पहुचते वक्त मृत्यु हो गयी।जरिया थाने के इटैलियाबाजा गांव निवासी रवि उर्फराजेन्द्र सिंह ने बताया कि उसके पिता 50 वर्षीय जगदीश प्रसाद अनुरागी मंगरौठ गांव स्थित पंडित परमानंद इंटर कालेज के प्रधानाचार्य थे। सोमवार की रात उनकी ड्यूटी विकलांग मतदान के लिए डोर टू डोर हमीरपुर के गांव में लगी हुई थी। जहां सोमवार की रात ड्यूटी करने चले गए थे। मंगलवार रात जब घर लौटे तो हल्का बुखार से हालत बिगड़ी हुई थी। रात में इलाज करा दिया था। गुरुवार की सुबह करीब छह बजे डयूटी जाने के लिए अचानक हालत बिगड़ गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहां डॉ नरेन्द्र सिंह ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव माफिया संजीव पारियां की 7.35 करोड़ की संपत्ति कुर्क

फर्रुखाबाद। महासचिव माफिया संजीब पारिया की 7 करोड़ 35 लाख की सम्पत्ति कुर्क कर ली। पारिया की कुल 10 करोड़ की सम्पत्ति कुर्क करनें के आदेश दिये हैं। तहसीलदार श्रद्धा पाण्डेय ने पारिया की गैंगस्टर अधि. के मामले में टीम के साथ चार संपत्तियां कुर्क की हैं। भोलेपुर स्थित एक प्लांट, मोहल्ला गढ़ी स्थित एक प्लांट एवं मोहल्ला बजाजा स्थित दो संपत्तियां जिसमें चार दुकानें कुर्क की हैं। तहसीलदार ने नपा के टीम के साथ पहुंचकर दुकानों को खाली कराकर सीज कर दिया और नोटिस बोर्ड लगा दिया गया है। कुर्क की गई सभी संपत्तियों की कीमत लगभग 7 करोड़ 35 लाख 20 हजार रुपए आंकी गई है। तहसीलदार सदर श्रद्धा पाण्डेय ने बताया कि इसी ऑर्डर में जनपद कन्नौज स्थित इंटर कॉलेज भी सम्मिलित है। कीमत लगभग 2 करोड़ 70 लाख रुपए है। कुल संपत्ति का जो कुर्की आदेश है, उसमें लगभग 10 करोड़ की संपत्तियां निहित है।

तेज धमाके के साथ फुंका ट्रांसफार्मर गर्मी में बेहाल हुए नागरिक

- विद्युत कर्मियों की कड़ी मेहनत से बहाल हुई विद्युत आपूर्ति

गुरसहायगंज (कन्नौज)। अत्यधिक लोड होने के कारण अचानक तेज धमाके के साथ ट्रांसफार्मर फट गया और धूं-धूं कर जलने लगा। जिससे नागरिकों में हड़कंप मच गया। भीषण गर्मी में नागरिक बेहाल हो गए। वहीं एसडीओ एवं जेई के नेतृत्व में विद्युत कर्मियों ने जली हुई केवल को बदलकर दूसरा ट्रांसफार्मर रखवाकर विद्युत आपूर्ति बहाल की।

बुधवार की रात नागरिकों की विद्युत आपूर्ति के लिए नगर के तिराहा पर लगा 400 केवीए ट्रांसफार्मर अचानक तेज धमाके के साथ फट गया और धूं-धूं कर जलने लगा। जिससे ट्रांसफार्मर के आसपास लगी करीब 50 मीटर बंच केवल

जलता हुआ ट्रांसफार्मर व दूसरा ट्रांसफार्मर को लगाते कर्मी।

जलकर राख हो गई। विद्युत आपूर्ति बाधित होने से जहां एक ओर नागरिकों को भीषण गर्मी एवं पेयजल समस्या का सामना करना पड़ा। उधर एसडीओ बृजेश कुमार एवं जेई विकास कुमार के नेतृत्व में विद्युत कर्मियों सरमू, संजय यादव ने कठिन परिश्रम कर न सिर्फ जली हुई केवल को बदला बल्कि दूसरा ट्रांसफार्मर को रखवा कर विद्युत आपूर्ति बहाल की गई। जिससे नागरिकों ने राहत की सांस ली।

जनसभा को संबोधित करने पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा के मुख्यमंत्री पर और प्रधानमंत्री पर जमकर हमला बोला

बाँदा। अखिलेश यादव बुंदेलखंड के लोगों ने मन बना लिया है, एक भी सीट भाजपा नहीं जीतेगी। बुंदेलखंड की जनता के साथ इरच के लोगों ने लूट किया हैए जनता जवाब देगी मैं केजरीवाल जी के साथ प्रेस कांफ्रेस की है यह चुनाव देश के भविष्य का चुनाव है, इस बार सविधान मंथन होने जा रहा है, एक तरफसविधान के रक्षक है तो दूसरी ओर भक्षक हैं, पर जनता सविधान बचाने वालों के साथ है। चार चरण इरच चित्त हो गयी है अब तो आँसुओ की नदी भी बहने लगी है इस बार जनता हिसाब किताब करने जा रही है। बुंदेलखंड के किसानों से दोगुनी आय का वादा किया था, इस समय महंगाई बढ़ी है किसान की हर जरूरत की चीज महंगी कर दीए खाद की बोरी से भी चोरी कर दी।

इन्होने किसानों के साथ धोखा किया वहीं नौजवानो को रोजगार नहीं दे पा रही हैए और परीक्षा अलग रद्द

हो जाती हैए 10 से ज्यादा परीक्षाय रद्द हो गयीं। पुलिस भर्ती का पेपर भी लीक हो गया। ए पेपर लीक कराए गए है ताकी नौजवानो को नौकरी न देना पड़े। साथ ही आरक्षण की वजह से भी नौकरी नहीं दे रहे। न्च के 60 लाख नौजवानो का भविष्य खतरे में डाल दियाए प्रदेश के एक करोड़ 80 लाख लोग नाराज हैंए हर लोकसभा में इरच के 2 लाख 25 हजार वोट कम हो गए हैं।

अग्निवीर वालों को कोई सम्मान नहीं मिलने वाला। शहीद होने पर भी सम्मान नहीं मिलेगा। हम अग्निवीर नौकरी खत्म कर देंगे। सारी नौकरिया आउटसोर्सिंग हो गयीं हैंए अब पुलिस की नौकरी भी तीन साल हो जाएगी। वैक्सीन में घोटाला किया। सबके लगवा दियाए आज कम्पनी ने ख़राब कह दिया। वैक्सीन की वजह से कई लोगों को जान खतरा पैदा कर दिया है। अन्ना जानवरो की समस्या जस की तस है। इनकी वजह से जान जा रही है बुंदेलखंड आज भी प्यासा है घर घर नल योजना का रुपया भ्रस्टाचार की भेट चढ़ गया। इरच के लोग सबसे बड़े खनन माफिया है। गरीबों को दिया जाने वाला राशन घटिया हैए चुनाव के समय नमक रिफइंड दिया अब राशन भी नहीं दे पा रहे हैं। हम राशन की मात्रा बढ़ाएंगे और गुड़वात्ता बढ़ाएंगेए साथ ही पैकेट वाला आटा भी देंगे और डाटा भी फ्री देंगे। बुंदेलखंड में डिफेन्स कारिडोर कह रहे थे क्या अभी तक एक भी काम चालू हुआ क्या। ठरच वाले धोखा दे रहे हैं। मेडिकल कालेज सिर्फ नाम के लिए खड़ा है। गठबंधन की सरकार बनने पर आबादी के आधार पर सम्मान देंगे। 30 लाख नौकरियों को भरेंगे। किसानों का कर्ज माफ़करेंगे।

क्विक न्यूज

फर्जी ट्रक मालिक बताकर हड़पे लाखों रुपए पीड़ित ने पुलिस से लगाई न्याय की गुहार

मौदहा हमीरपुर। पीड़ित युवक ने अपने मोहाल के एक युवक पर फर्जी ट्रक मालिक बताकर लाखों रुपए ठगने का आरोप लगाते हुए कोतवाली पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। कस्बे के मोहल्ला हुसैनगंज निवासी पीड़िता फरीद उद्दीन पुत्र अब्दुल गफ्फार ने पुलिस को बताया कि हुसैनगंज निवासी सरफराज अहमद उर्फ भम्भा ने उससे एक ट्रक जिसका नम्बर यूपी 71 टी 3736 का मालिक बताकर उक्त ट्रक पर साझेदार बनाने के लिए 3,50,000 रूपए चेक द्वारा मुझसे लिए है। जब प्रार्थी को पता लग की उक्त ट्रक का मालिक आरिफपुत्र अब्बास निवासी दीवान सहीद बाबा के पास का है, जिसे उक्त सरफराज ने किराये पर लिया है। वहीं बताया की जब मैंने उक्त सरफराज से अपने पैसे मांगे तो उसने 60,000 रूपए वापस किए हैं और बाकी 2,90,000 रूपए नहीं दे रहा है। मांगने पर विवाद पर अमादा हो गया है। जिसपर कारवाई की मांग करतें हुए उक्त रूपए वापस दिलाने की पुलिस से गुहार लगाई है। मामले में सरफराज अहमद द्वारा बताया गया की ट्रक लेने के मामले में मैंने इनसे पैसे लिए थे और जिसमें 60,000 वापस कर दिए हैं उक्त बचे रूपए देने के लिए डेढ़ वर्ष का एग्रीमेंट हुआ था, हम दोनों पक्षों के बीच बीते माह राजीनामा भी हो चुका है जिसमें की मैं उक्त पैसा डेढ़ वर्ष के अंदर चुका दूंगा।

आचार संहिता उल्लंघन के मामले की जांच कराने के आदेश

हमीरपुर। आचार संहित उल्लंघन करने व अन्य तीन मामले को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने जिला निर्वाचन अधिकारी को जांच के आदेश दिये है। भाजपा के वरिष्ठ नेता अनिल सिंह ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को बताया कि सुमेरपुर ब्लाक में ग्राम विकास अधिकारी सोनाली सचान व मोहिनी तिवारी अपने पद पर योगदान के दिन से ही नियुक्त है। ब्लाक में तीन साल से अधिक नियुक्त नही होना चाहिये। मगर दोनो कर्मी पांच साल से अधिक नियुक्त है। भाजपा नेता का आरोप है कि दोनो कर्मी एक पार्टी विशेष को सहयोग कर रही है। जो आचार संहिता का खुला उल्लंघन है। चुनाव के पहले दोनो का तबादला किया जाये ताकि जनता का विश्वास सरकार पर बना रहे। गढा ग्राम निवासी ज्ञान सिंह ने सपा नेता रामनारायण निषाद की शिकायत की है कि आचार संहिता का उल्लंघन किया जा रहा है। धर्मेंद्र सिंह ने वित्त लेखाधिकारी की शिकायत चुनाव आयोग से की है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी मामलों को गंभीरता से लेते जिला निर्वाचन अधिकारी से कहा है कि जांच कर नियमानुसार कार्यवाही कर चुनाव आयोग नई दिल्ली को रिपोर्ट भेजे।

प्रेमी ने शादी करने से इंकार किया छात्रा ने लगायी फांसी

राठ (हमीरपुर)। प्रेमी द्वारा शादी करने से मना करने पर आहत हुई बीएड की छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस के मुताबिक राठ निवासी बद्री प्रसाद अहिरवार ने बताया कि उसकी पुत्री रेखा (31) का पड़ोस के एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवक 9 मई को अपने घर में ले गया था। अपने घर में कुछ घण्टे रखने के बाद अपने स्वजनों के साथ बदसलूकी करते हुए उसे घर पर भगा दिया था। जब वह घर लौटी तो उसकी पत्नी ने पूछा तो पुत्री ने बताया कि वह पड़ोस के एक युवक से प्रेम करती है। जब उसने शादी के लिए कहा तो युवक व उसके स्वजनों ने साफ इंकार कर दिया। बताया कि शादी से मना करने से आहत होकर उसकी पुत्री ने कमरे में दुपट्टे के पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।बताया कि उसकी पुत्री बीएड की छात्रा थी। कोतवाल उमेश सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

कवि अनिल अमल बने स्वच्छता अभियान के ब्रांड एंबेसडर

लखीमपुर खीरी। राष्ट्रीय स्तर पर मशहूर वीर रस के लोकप्रिय कवि अनिल अमल को राज्य मिशन निदेशकए स्वच्छ भारत मिशन निदेशालय उत्तर प्रदेशए के द्वारा नगर पालिका परिषद लखीमपुर का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी संजय ने इस आशय का पत्र कवि अनिल अमल को सौंपते हुए कहा की स्वच्छता के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने के लिए अनिल अमल की प्रतिभा और प्रसिद्धि का लाभ नगर पालिका को मिलेगा। हमारे नगर को हम और अधिक स्वच्छ बना सकेंगे। आज इस अवसर पर हम उनका अभिनंदन करते हैं। इस अवसर पर अनिल अमल ने राज्य मिशन निदेशालय का धन्यवाद करते हुए नगर पालिका परिषद अध्यक्ष एवं अधिशासी अधिकारी का आभार व्यक्त किया। कहा कि जब हम स्वच्छता की दृष्टि से देश के शहरों की ऊंची रैंकिंग देखते हैं तो स्वाभाविक है कि हमारे मन में यह विचार अवश्य आता है की स्वच्छता की इस रैंकिंग में हमारे नगर की रैंकिंग प्रथम तीन में होए इससे हमारा आत्मसम्मान आत्म गौरव तो बढ़ेगा ही साथ ही हमारे स्वास्थ्य की स्थिति भी बहुत बेहतर होगी।

अनियंत्रित होकर गिरी बाइक, हादसे में बाइक सवार एक गम्भीर

मोहम्मदीखीरी। उचौलिया थाने के सामने रोड पार कर रहे होमगार्ड को बचाने के चक्कर मे ब्रेक लगाने से अनियंत्रित होकर गिरी बाइक, हादसे में बाइक सवार एक गम्भीर घायल। घटना की सूचना पर तत्काल पहुंची उचौलिया थाने की पुलिस, जनप्रति वेलफेयर फाउंडेशन की टीम, क्षेत्रीय पत्रकार व ग्रामीण। जनप्रति वेलफेयर फाउंडेशन की टीम ने गम्भीर घायल को दिया फर्स्ट एड ट्रीटमेंटए वही पत्रकार द्वारा तत्काल एम्बुलेंस को फोन कर बुलाया और एम्बुलेंस की मदद से गम्भीर हालत में जिला अस्पताल शाहजहांपुर रेफर किया गया। घायल बरेली निवासी जो बरेली से बाराबंकी जा रहे थे। इसी दौरान उचौलिया थाने के सामने यह हादसा हुआ। फूल सिंह पुत्र लेखराज निवासी कस्बा स्कूल के पीछे थाना हाफिजगंज जनपद बरेलीए व अन्य साथी राशिद खां पुत्र समद खां निवासी उपरोक्त फूल सिंह की गंभीर हालत में फर्स्ट एड ट्रीटमेंट देने के बाद शाहजहांपुर जिला अस्पताल भेजा गया।

रसूलाबाद की बिटिया ने किया कमाल सीबीएसई बोर्ड में पाया सातवां स्थान

रसूलाबाद कानपुर देहात। सीबीएसई बोर्ड की हाईस्कूल की परीक्षा का परिणाम आया तो रसूलाबाद कस्बे की आरूषी गुप्ता ने जनपद में सातवां स्थान पाया। आरूषी रसूलाबाद कस्बे के लहरापुर रोड की रहने वाली है और उनके पिता किराना व्यापारी है। रसूलाबाद के लहरापुर रोड के किराना व्यापारी श्याम गुप्ता पहले बच्चों को पढ़ाकर खुद पढ़ाई करते थे। जब सफलता नहीं मिली तो किराना दुकान चलाकर बच्चों का भरण पोषण किया। उनकी बेटी आरूषी ने पहले कक्षा 6 में प्रवेश के लिए नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में सर्वाधिक अंक पाकर प्रवेश लिया। इसके बाद हाईस्कूल की परीक्षा में जिले में सातवां स्थान पाकर माता.पिता का नाम रोशन किया। बेटी की सफलता पर आज पिता श्याम गुप्ता व माँ अनीता गुप्ता की आंखें भर आईं। आरूषी के पिता श्याम गुप्ता ने बताया कि आरूषी शुरुआत से ही पढ़ाई में तेज थी। इसलिए उसको अंग्रेजी मीडियम में दाखिला प्राथमिक स्तर पर कराया। इसके बाद नवोदय की प्रवेश परीक्षा में उसने परीक्षा उत्तीर्ण कर ली और 99: अंक पाकर 6 वीं कक्षा में जवाहर नवोदय परीक्षा में दाखिला हो गया। जहां हॉस्टल में पढ़ाई करते हुए उसने हाईस्कूल की परीक्षा के लिए दिन रात एक कर दी और अंत में वह समय आया कि उसने जिले की टॉप 10 सूची में अपना स्थान बनाया और सातवें स्थान पर आई। और तो और कॉलेज में उसने दूसरा स्थान पाया। दो नंबर और आ जाते तो कॉलेज में प्रथम स्थान पर आ जाती। उत्साहित आरूषी गुप्ता ने इसका श्रेय अपने पारिवारिक जनों व गुरु जनों को दिया। साथ उन्होंने बताया कि जवाहर नवोदय विद्यालय में शिक्षा के साथ मार्गदर्शन भी बेहतर मिलता है। उसने बताया कि निरंतर पढ़ाई करके उसने यह मुकाम हासिल किया। बतौर आरूषी का कहना है कि वह आईआईटी परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनना चाहती है।

चित्रकूट के मुखारविंद के स्वामी द्वारा भगवा यात्रा निकाल कर शत प्रतिशत मतदान की करी गई अपील

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा में बांदा चित्रकूट संसदीय क्षेत्र 48 में विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल जिला बाँदा के तत्वावधान में हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भगवा यात्रा तथा मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। भगवा यात्रा में प्रमुख रूप से कामतानाथ पीठाधीश्वर श्री मदन गोपाल दास जीए परम पूज्य महंत श्रीराम हृदय दास जी महाराजएपरम पूज्य श्री दिव्य जीवन दास जी महाराजएपूज्य महंत श्री मनीपुर आश्रम तथा अन्य संत महात्माओं का आशीर्वचन प्राप्त हुआ। मुख्य अतिथि मदन गोपाल दास जी द्वारा नगर भ्रमण कर नगरवासियों से देश हित राष्ट्र हित में शत प्रतिशत मतदान करने की अपील की।

भगवा यात्रा का शुभारंभ रामलीला मैदान प्रांगण से किया गया यात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से होती हुई रामलीला मैदान में समाप्त हुई। अध्यक्षता विहिप जिलाध्यक्ष चन्द्रमोहन बेदी द्वारा एवं संचालन नगर मंत्री मनीष मंगल द्वारा

किया गया। प्रमुख रूप से प्रांत सह धर्म प्रसार प्रमुख पवन सिंह एविभागध्यक्ष अशोक ओमर जिला प्रचारक अनुराग, पूर्व प्रान्त गौरक्षा प्रमुख प्रभाकर सिंह चंदेल एविभाग मठ मन्दिर प्रमुख शांतनु चतुर्वेदी, विभाग सह संयोजक महेंद्र धुरिया शम्भू, विभाग बलोपासना प्रमुख अंकित पाण्डेय, पूर्व जिला उपाध्यक्ष दिनेश सिंह, पूर्व जिला संयोजक विवेक सिंह कछवाह, जिला कोषाध्यक्ष रवि मोहन, जिला सह मंत्री रामप्रताप सोनी, जिला सत्संग प्रमुख अमर भगत जिला धर्म प्रसार प्रमुख विमल निगम, सह धर्म प्रसार प्रमुख अभिषेक पाण्डेय, जिला सह प्रचार प्रसार प्रमुख सुजीत कुमार, प्रखड अध्यक्ष राम त्रिपाठी, जिला समरसता प्रमुख विश्राम कुमार धुरिया, जिला संयोजक के पी प्रजापति, जिला सह संयोजक देवराज राजपूत, जिला सह मिलान केंद्र प्रमुख प्रियांशु शिवहरे सहित सैकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सपा प्रत्याशी ने की अलीगंज के दो बूथों पर पुनर्मतदान की मांग

फर्रुखाबाद। सपा के लोकसभा प्रत्याशी डा. नबल किशोर शाक्य नें अलीगंज के दो बूथों पर पुनर्मतदान करानें की मांग की है। उनका आरोप है कि भाजपा के गुंडों नें उनके लोगों को मतदान नही करनें दिया। मारपीट की कई अस्पताल में भर्ती हैं। सपा प्रत्याशी नें लोकसभा चुनाव के दौरान पड़ोसी जनपद एटा की अलीगंज विधान सभा के बूथ संख्या 349 ग्राम कादरगंज व 359 मंगदपुर में पुनर्मतदान करानें की मांग की। सपा प्रत्याशी नें की गयी शिकायत में कहा कि कादरगंज लोधी समाज व पास के गाँव नगला भग्गू जो शाक्य बाहुल्य सपा का गाँव है। जिस पर भाजपा के गुंडों नें एजेंट नही बनने दिये। जब सुबह दो लोग मतदान करनें आये तो उनके लाठी-डंडो से पीट दिया और फायरिंग कर दी।

थानाध्यक्ष नया गाँव रितेश ठाकुर को फोन किया तो वह भी असंयमित भाषा का प्रयोग करनें लगे। उन्होंने बताया कि बूथ संख्या मंगदपुर जो ठाकुरों का गाँव है व भाजपा का बूथ है जिस पर तीन गाँव नगला गंगी, परसपुर व बिनौरा हैं जो सपा के यादव समाज के गाँव हैं। सुबह जब गांवके लोग बूथ पर वोट डालने गये तो उनसे मारपीट की गयी । मक्के के खेत में घुसे अबैध

असलहे से लैस लोगों नें फायरिंग कर दी। जिससे ग्रामीण भयभीत हो गये।

जिलाधिकारी एटा, पुलिस वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा, चीफ इलेक्शन ऑब्जर्वर फर्रुखाबाद को नयागांव थाना पर शिकायत की तब अधिकारियों के आदेश पर एडीएम एटा को जब प्रत्याशी के साथ भेजा तो एडीएम एटा ने तीनों गांव के लोगों से अनुरोध किया और उनके अनुरोध करने पर मतदान के लिए तीन ट्रैक्टर लेकर जैसे ही वोट पड़े मंगदपुर के भाजपा के गुंडो ने यादव समाज के लोगों को लाठी डंडों से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया जिनका इलाज आज भी सैफई मेडिकल कॉलेज में चल रहा है व एक की हालत गंभीर है। वोट डालने के बाद मगदपुर निवासी सुभाष शाक्य के घर पर भाजपाई गुंडों का तांडव भी शुरू हुआ तथा सुभाष शाक्य व उनके छोटे भाई के हाथ पैर तोड़ दिए, पिता के सिर पर प्रहार किया। भाभी के सिर पर भी प्रहार किया दाएं कंधे की हड्डी भी टूट गई व बेटियों के कपड़े फाड़कर दौड़ा-दौड़ा कर पीटा और मारा। शिकायत रिटर्निंग ऑफिसर जिलाधिकारी फर्रुखाबाद से लिखित में की गयी। इस दौरान जिलाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव, जिला प्रवक्ता विवेक यादव, जिला उपाध्यक्ष सुभाष चंद्र शाक्य, शशांक सक्सेना, जितेंद्र सिंह यादव आदि रहे।

पीएम की रैली को लेकर पूरे इंतजाम राठ कस्बा बना छावनी

- उच्चाधिकारी लगातार कर रहे है समीक्षा

राठ (हमीरपुर)। आज होने वाली पीएम नरेंद्र मोदी की चुनावी जनसभा को लेकर बीएनबी इंटर कालेज और उसके आसपास एक किलोमीटर के दायरे में पुलिस छावनी में तब्दील हो गई है। जनसभा स्थल और हेलीपैड का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। पुलिस विभाग के आलाधिकारी बैठक कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं। गुरुवार शाम से अतरौलिया गेट से मंडी तक का मार्ग बंद हो गया। इस दूरी पर चप्पे चप्पे पर पुलिस तैनात रहेंगी।भाजपा प्रत्याशी पुष्पेंद्र सिंह चंदेल के समर्थन में शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र जनसभा को संबोधित करने आ रहे हैं। दोपहर बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित तीन हेलीकॉप्टर पीएम की सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मा एसपीजी टीम के हवाले हैं। 5 दिन से एसपीजी के अधिकारीयों ने डेरा डाल लिया था। हेलीपैड का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। जनसभा के लिए अभी काम

रैली स्थल पर बना पंडाल

तेजी से चल रहा है। एक बड़ा और दो छोटे पंडाल बनाए गए हैं। जनसभा पंडाल के आसपास छह तंबू नुमा झोपड़ियां बनाई गई है। जनसभा स्थल को चारों ओर बैरीकेडिंग लगाई है। पंडाल में कुर्सियां कलर छाया की पूरी व्यवस्था की गई है। नहर बाईपास से सभा स्थल के लिए मुख्य द्वार बनाया गया है। जहां पर बैरीकेडिंग और सजावट का काम हो रहा है। डीआईजी व कमिश्नर गुरुवार को पहुंचे और पुलिस अधिकारियों के साथ बैठकर हैलीपेड, जनसभा स्थल का निरीक्षण किया।

निशुल्क एक हजार ई रिक्शे की व्यवस्था

राठ। मंडल अध्यक्ष महेंद्र शुक्ला ने बताया कि चरखारी रोड दादा गार्डन, उरई रोड नहर बाईपास, पनवाड़ी मार्ग गल्ला मंडी नहर पर बैरीकेडिंग की गई है। यहां से जनसभा स्थल के लिए निशुल्क एक हजार ई रिक्शे लगाए गए हैं। बताया कि कोई भी वाहन सभास्थल पर नहीं जाएगा।

हमीरपुर, महोबा, बांदा, जालौन से मंगवाएं पानी के टैंकर

राठ। पीएम मोदी की जनसभा में होने वाली भीड़ को लेकर प्रशासन ने हमीरपुर, राठ, मौदहा, सरीला, महोबा, कुलपहाड़, बांदा, उरई, जालौन से पानी के टैंकरों की व्यवस्था की है। गर्मी के मौसम में जनसभा में शामिल होने आ रही जनता को पानी की कमी न होने पर प्रशासन पूरी तरह चौकन्ना है। जिसको लेकर पूरी तैयारी की जा रही है।

अतरौलिया गेट से गल्ला मंडी गेट तक मार्ग हुआ बंद

राठ। आज पीएम मोदी की जनसभा को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। अतरौलिया गेट से गल्ला मंडी गेट तक का मार्ग पूरी तरह बंद कर दिया है। इस रुट से वीवीआईपी की ही इंट्री होनी है। जनसभा स्थल के लिए कोतवाली के बगल से मल्हौवा मार्ग होते हुए नहर बाईपास से मैन गेट से जनता की इंट्री की गई है। इस मार्ग पर भी जगह जगह सुरक्षा कर्मी तैनात हैं।

जद (एस) विधायक एचडी रेवन्ना को यौन उत्पीड़न मामले में अंतरिम जमानत मिली

भाषा। बेंगलुरु

राज्य राजधानी की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को जद (एस) विधायक एवं कर्नाटक के पूर्व मंत्री एच. डी. रेवन्ना को यौन उत्पीड़न मामले में अंतरिम जमानत दे दी। रेवन्ना और उनके बेटे एवं सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ 28 अप्रैल को हासन जिले के होलेनरसीपुर टाउन पुलिस थाने में 47 वर्षीय एक घरेलू सहायिका के यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया था।ऐसा बताया जाता है कि प्रज्वल 27 अप्रैल को जर्मनी रवाना हो गए थे और वह अभी भी इस मामले में पेश नहीं हुए हैं। शिकायतकर्ता ने दावा किया था कि 66 वर्षीय विधायक के घर पर पिता-पुत्र ने उसका कथित तौर पर यौन शोषण किया था। प्रज्वल के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों और संबंधित मामलों की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने पूर्व मंत्री को हिरासत में दिए जाने का अनुरोध किया था। रेवन्ना के अधिवक्ताओं ने मामले में अग्रिम जमानत का अनुरोध किया। हालांकि, 42वें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अदालत (एसीएमएम) ने मामले की सुनवाई की और रेवन्ना को शुक्रवार तक अंतरिम राहत दी। एसआईटी ने जद (एस) के संरक्षक एवं पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा के बेटे रेवन्ना और प्रज्वल को जांच में शामिल होने के लिए दो नोटिस भेजे थे, लेकिन दोनों इसमें शामिल नहीं हुए। रेवन्ना ने बृहस्पतिवार को अग्रिम जमानत के लिए आवेदन किया था और एसआईटी ने इस पर आपत्ति जताई थी और उनकी हिरासत या उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजे जाने का अनुरोध किया था। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद शुक्रवार को मामले की दोबारा सुनवाई करने का फैसला किया और तब तक रेवन्ना को राहत दे दी। निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए यहां की एक विशेष अदालत ने अपहरण के एक मामले में जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) के नेता रेवन्ना की जमानत याचिका सोमवार को मंजूर कर ली थी।इसके बाद रेवन्ना को जेल से रिहा कर दिया गया था।

पूर्व मंत्री रेवन्ना (66) को एसआईटी ने एक महिला के कथित अपहरण के मामले में चार मई को गिरफ्तार किया था। अपहरण का यह मामला उनके बेटे और हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना द्वारा महिलाओं का यौन शोषण किए जाने के आरोपों से जुड़ा है। हासन से मौजूदा सांसद प्रज्वल रेवन्ना (33) देवेगौड़ा के पोते हैं। प्रज्वल महिलाओं के यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहे हैं। इस मामले ने राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है और राज्य की सत्तारूढ़ कांग्रेस और भाजपा (भारतीय जनता पार्टी)-जद(एस) के बीच वाकयुद्ध छिड़ गया है।ऐसा बताया जा रहा है कि हासन सीट से भाजपा-जद (एस) के संयुक्त उम्मीदवार प्रज्वल कर्नाटक में लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के एक दिन बाद 27 अप्रैल को विदेश चले गए थे। उन्हें वापस लाने के लिए उनके खिलाफ इंटरपोल ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया गया है।

जमीन विवाद को लेकर गोलीबारी में एक की मौत, 15 लोगों को हिरासत में

गांधीधाम (गुजरात)। गुजरात में छोटा कच्छ का रण (एलआरके) के भीतर जमीन के एक टुकड़े पर कब्जा करने के लिए लोगों के एक समूह ने गोलीबारी कर दी और दूसरे समूह पर हमला किया जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। तीन दिन पहले की घटना का एक वीडियो बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच पर वायरल हो गया जिसमें दिखाई दे रहा है कि आरोपी समूह अपने वाहनों में दूसरे समूह की ओर बढ़ रहा है और विरोध करने पर उन पर गोलीबार कर रहा है। पुलिस अधीक्षक (कच्छ-पूर्व) सागर बागमार ने बताया कि झड़प 13 मई की शाम को कच्छ जिले के रापर तालुका के अंतर्गत कनमेर गांव के पास नमक रेगिस्तान एलआरके क्षेत्र में हुई तथा 14 मई को सामखियारी पुलिस थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उन्होंने कहा, हमले में चार लोग घायल हो गए, जिनमें तीन गोली लगने से घायल हो गए। इनमें से एक दिनेश कोली के माथे पर गोली लगी और उसे राजकोट के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां बुधवार शाम को उसकी मौत हो गई। हमने प्राथमिकी दर्ज कर ली है और अब तक 15 लोगों को हिरासत में लिया है। आरोपियों पर हत्या, दंगा, गैरकानूनी तरीके से एकत्र होने के लिए भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं और अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

संपत्ति के स्वामित्व से जुड़ा कोई दस्तावेज आज तक उपलब्ध नहीं कराया गयाः हिंदू पक्ष

प्रयागराज। मथुरा स्थित कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद मामले में बृहस्पतिवार को हिंदू पक्ष ने दलील दी कि विवादित संपत्ति के स्वामित्व के संबंध में आज की तिथि तक सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड या ईदगाह की इंतेजामिया कमेटी ने कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराया। हिंदू पक्ष की ओर से यह भी कहा गया कि उस संपत्ति में उनके (सुन्नी बोर्ड एवं इंतेजामिया कमेटी) नाम कोई बिजली का बिल तक नहीं है और वे अवैध तरीके से बिजली का उपयोग कर रहे हैं। उसने कहा कि इस संबंध में बिजली विभाग द्वारा उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। कुछ देर सुनवाई के बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अगली सुनवाई की तिथि 20 मई, 2024 तय की। इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन की अदालत कर रही है। इससे पूर्व बुधवार को मुस्लिम पक्ष की वकील तसलीमा अजीज अहमदी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए कहा था कि उनके पक्ष ने 12 अक्टूबर, 1968 को एक समझौता किया था जिसकी पुष्टि 1974 में निर्णित एक दीवानी वाद में की गई। उन्होंने कहा था कि एक समझौते को चुनौती देने की समय सीमा तीन वर्ष है, लेकिन वाद 2020 में दायर किया गया, इस तरह से मौजूदा वाद समय सीमा से बाधित है।

अहमदी ने दलील दी थी कि यह वाद शाही ईदगाह मस्जिद के ढांचे को हटाने के बाद कब्जा लेने और मंदिर बहाल करने के लिए दायर किया गया है। उन्होंने कहा कि वाद की गई प्रार्थना दर्शाती है कि वहां मस्जिद का ढांचा मौजूद है और उसका कब्जा प्रबंधन समिति के पास है। हिंदू पक्ष ने दलील दी थी कि यह संपत्ति एक हजार साल से अधिक समय से भगवान कटरा केशव देव की है और सोलहवीं शताब्दी में भगवान कृष्ण के जन्म स्थल को ध्वस्त कर ईदगाह के तौर पर एक चबूतरे का निर्माण कराया गया था। हिंदू पक्ष की ओर से कहा गया कि 1968 में कथित समझौता कुछ और नहीं है, बल्कि सुन्नी सेंट्रल बोर्ड और इंतेजामिया कमेटी द्वारा की गई एक धोखाधड़ी है, इसलिए समय सीमा की बाध्यता यहां लागू नहीं होती है। 1968 का कथित समझौता वादी के संज्ञान में 2020 में आया और संज्ञान में आने के तीन साल के भीतर यह वाद दायर किया गया है। उसने कहा कि इसके अलावा, 12 अक्टूबर, 1968 को हुए समझौते में भगवान पक्षकार नहीं थे और साथ ही समझौता करने वाला श्री कृष्ण जन्म सेवा संस्थान ऐसा किसी तरह का समझौता करने के लिए अधिकृत नहीं था, बल्कि इस संस्थान का काम दैनिक गतिविधियों का संचालन करना था। हिंदू पक्ष की ओर से कहा गया कि यह वाद पोषणीय (सुनवाई योग्य) है।

एनजीटी ने देहरादून के डीएम पर 10,000 रुपए का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने उत्तराखंड में जंगल के पेड़ों की कटाई के संबंध में एक मामले की सुनवाई के दौरान अपने पूर्व आदेश का पालन नहीं करने के लिए देहरादून के जिलाधिकारी पर मुकदमा खर्च के तौर पर 10,000 रुपए देने का आदेश दिया है। आमवाला तरला गांव में 20 एकड़ से अधिक जंगल को क्षतिग्रस्त किए जाने संबंधी याचिका पर सुनवाई करते हुए एनजीटी ने पूर्व में जिलाधिकारी को एक समिति द्वारा निरीक्षण और रिपोर्ट दाखिल करने को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि अधिकरण ने पहले एक संयुक्त समिति का गठन किया था, जिसमें जिलाधिकारी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक और केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालय के प्रमुख शामिल थे। पीठ ने कहा कि इस समिति को मौका-मुआयना करना था, लेकिन कोई निरीक्षण नहीं किया गया और अन्य अधिकारियों द्वारा एक रिपोर्ट दाखिल की गई थी। पिछले सप्ताह पारित एक आदेश में एनजीटी ने कहा, संयुक्त समिति में समन्वयक के रूप में यह जिलाधिकारी की जिम्मेदारी थी कि वह यह सुनिश्चित करें कि अधिकरण के निर्देश के संदर्भ में आवश्यक कदम उठाए जाएं और रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। आदेश में कहा गया, दिन की कार्यवाही के दौरान अधिकरण का समय बर्बाद हुआ इसलिए हमारे पास अधिकरण के आदेश का पालन न करने के लिए जिलाधिकारी, देहरादून पर 10,000 रुपए की लागत लगाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। जिलाधिकारी को दो सप्ताह के भीतर लागत राशि जमा करने का निर्देश देते हुए अधिकरण ने संयुक्त समिति को पिछले आदेश का पालन करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 27 अगस्त के लिए सूचीबद्ध की गई।

उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना राज्य की ओर से निजी संपत्ति का अधिग्रहण असंवैधानिकः न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगर किसी व्यक्ति को संपत्ति के अधिकार से वंचित करने से पहले उचित प्रक्रिया स्थापित नहीं की गई या उसका पालन नहीं किया गया तो निजी संपत्तियों का अनिवार्य अधिग्रहण असंवैधानिक होगा।एक महत्वपूर्ण फैसले में, शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि राज्य और उसके साधनों द्वारा उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया जाता है तो निजी संपत्तियों के अधिग्रहण के बदले मुआवजे के भुगतान की वैधानिक योजना भी उचित नहीं होगी। यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने यह टिप्पणी करते हुए कोलकाता नगर निगम की अपील खारिज कर दी। नगर निकाय ने कोलकाता उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ के फैसले को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। उच्च न्यायालय ने एक पार्क के निर्माण के लिए शहर के नारकेलडांगा नॉर्थ रोड पर एक संपत्ति के अधिग्रहण को रद्द कर दिया था।उच्च न्यायालय ने माना था कि नगर निकाय के पास अनिवार्य अधिग्रहण के लिए एक विशिष्ट प्रावधान के तहत कोई शक्ति नहीं थी।शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में कहा, हमारी सुविचारित राय है कि उच्च न्यायालय द्वारा रिट याचिका को अनुमति देना और अधिनियम की धारा 352 के तहत अपीलकर्ता-निगम द्वारा भूमि अधिग्रहण के मामले को खारिज करना पूरी तरह से उचित था। आक्षेपित निर्णय किसी भी तरह से हस्तक्षेप योग्य नहीं है। न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने 32 पन्नों के फैसले में कहा, हमारी संवैधानिक योजना के तहत, किसी भी व्यक्ति को उसकी अचल संपत्ति से वंचित करने से पहले कानून की निष्पक्ष प्रक्रिया का अनुपालन करना अच्छी तरह से स्थापित है। इसमें कहा गया, यह मानते हुए कि कोलकाता नगर निगम अधिनियम की धारा 363 मुआवजे का प्रावधान करती है, तब भी अनिवार्य अधिग्रहण असंवैधानिक होगा यदि किसी व्यक्ति को संपत्ति के अधिकार से वंचित करने से पहले उचित प्रक्रिया स्थापित नहीं की जाती है या उसका पालन नहीं किया जाता है। अनिवार्य अधिग्रहण की शक्ति को उचित ठहराने के लिए मुआवजे के प्रावधानों पर अनुचित जोर दिया जाता है, जैसे कि मुआवजा ही वैध अधिग्रहण की पूरी प्रक्रिया है। संविधान का अनुच्छेद 300ए (संपत्ति का अधिकार) कहता है कि कानून के अधिकार के अलावा किसी भी व्यक्ति को उसकी संपत्ति से वंचित नहीं किया जाएगा और इसे संवैधानिक और मानव अधिकार दोनों के रूप में वर्णित किया गया है। यह मान लेना कि संवैधानिक संरक्षण उचित मुआवजे के अधिदेश तक ही सीमित हो जाता है, पाठ की एक कपटपूर्ण व्याख्या होगी और, हम कहेंगे, संविधान की समतावादी भावना के लिए अपमानजनक होगा।

ईडी ने चावल मिल घोटाला मामले में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने 175 करोड़ रुपए के कथित चावल मिल घोटाले के मामले में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। ईडी ने छत्तीसगढ़ चावल मिल मालिक एसोसिएशन के पूर्व कोषाध्यक्ष को हिरासत में लिया था, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया।धमतरी जिले के कुरूद स्थित चावल मिल मालिक रोशन चंद्राकर को बुधवार को गिरफ्तार किया गया।केंद्रीय एजेंसी ने एक बयान में आरोप लगाया, वह खरीफ विपणन सत्र 2021-22 के दौरान राज्य चावल मिल मालिक एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष थे। इस अवधि के दौरान चावल मिल मालिकों से अवैध वसूली की जा रही थी। पिछले महीने इस मामले में मार्कफेड के पूर्व प्रबंध निदेशक (एमडी) मनोज सोनी को गिरफ्तार किया गया था।ईडी ने कहा कि यह मामला राज्य की राजधानी रायपुर की एक अदालत में आयकर विभाग द्वारा दर्ज शिकायत पर आधारित है।

पुलिस हिरासत में युवक ने लगाई फांसी, पूरी पुलिस चौकी निलंबित

नोएडा (उप्र)। जनपद गौतमबुद्ध नगर में बिसरख थानाक्षेत्र की चिपियाना बुजुर्ग पुलिस चौकी में बृहस्पतिवार सुबह हिरासत में एक युवक ने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में परिजनों द्वारा गंभीर आरोप लगाए जाने के बाद पुलिस आयुक्त ने पुलिस चौकी में तैनात सभी पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) सुनिती ने बताया कि पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के आदेश पर पुलिसकर्मियों के खिलाफ निलंबन की कार्वाई के साथ-साथ घटना की उच्च स्तरीय जांच के लिए एक अधिकारी को नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि मामले में थाना प्रभारी और सहायक पुलिस आयुक्त की भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस उपायुक्त ने कहा कि चिकित्सकों का एक पैनल बनाकर शव का पोस्टमार्टम करवाया गया है। पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी करवाई गई है। सुनिती ने बताया कि चिपियाना गांव के पास स्थित एक कंपनी में काम करने वाली एक महिला ने अपने सहकर्मी योगेश (22) पर बलात्कार का आरोप लगाया था और उसने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक (लखनऊ) से शिकायत की थी। जांच दल लखनऊ से नोएडा आया और इस जांच के क्रम में पुलिस ने बृहस्पतिवार सुबह को योगेश को पूछताछ के लिए चौकी पर बुलाया।उन्होंने कहा कि इसी बीच पुलिस को चिपियाना में एक युवक की खुदकुशी की सूचना मिली। इस पर योगेश को चौकी लेकर आए पुलिसकर्मी उसे बाहर कुर्सी पर बैठाकर घटनास्थल रवाना हो गए। सुनिती ने कहा कि उस वक्त चौकी पर एक महिला कांस्टेबल निगरानी पर थी। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि इसी दौरान योगेश ने चौकी के अंदर जाकर कमरे का दरवाजा बंद कर लिया तथा पंखे से फंदा लगाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। योगेश को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।वहीं, घटना के बाद मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया कि पुलिस की पिटाई के डर से योगेश ने आत्महत्या की है। पुलिस हिरासत में मौत की सूचना पर काफी संख्या में लोग सेक्टर-94 स्थित शवगृह जमा हो गए तथा उन्होंने पुलिस के विरोध में नारेबाजी की। पुलिस अधिकारियों ने समझा-बुझाकर लोगों को शांत किया। मृतक के भाई ने कहा कि योगेश पर झूठा आरोप लगाने वाली महिला उनकी मौत की जिम्मेदार है। खबर लिखे जाने तक इस मामले में किसी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई थी। हालांकि पुलिस उपायुक्त ने कहा कि मृतक के परिजन से तहरीर मिलने पर तुरंत मुकदमा दर्ज किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पूर्व भी थाना सेक्टर-39 क्षेत्र में एक व्यक्ति की हिरासत में मौत हो गई थी।

इंदौर नगर निगम के कर्मचारियों के लिए तय फौजियों जैसी वर्दी विवाद के बाद वापस ली गई

इंदौर (मध्यप्रदेश)। इंदौर नगर निगम (आईएमसी) द्वारा अपने अतिक्रमण रोधी दस्ते के कर्मचारियों के लिए नई वर्दी के चयन पर विवाद के बाद शहरी निकाय के प्रशासन ने बृहस्पतिवार को इस पोशाक में बदलाव का फैसला किया। अधिकारियों ने बताया कि आईएमसी के अतिक्रमण रोधी दस्ते के कर्मचारियों के लिए कैमोफ्लॉज वर्दी का चयन किया गया था। कांग्रेस ने इस पहनावे को फौजियों जैसी वर्दी करार देते हुए आरोप लगाया था कि आईएमसी के अतिक्रमण रोधी दस्ते के भ्रष्ट कर्मचारियों के यह वर्दी पहनने से सेना का अपमान हो रहा है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने एक बयान में कहा, आईएमसी ने अतिक्रमण रोधी दस्ते के कर्मचारियों में अनुशासन और उनके पहनावे में एकरूपता के लिए उनके वास्ते विशेष वर्दी तय की थी। अगर इस वर्दी से किसी व्यक्ति की भावना जाने-अनजाने में आहत हो रही है, तो वर्दी में आवश्यक बदलाव किए जाएंगे। आईएमसी में प्रतिपक्ष के नेता चिंटू चौकसे ने इस वर्दी पर कड़ी आपत्ति जताई थी। उन्होंने बुधवार को कहा था,आईएमसी प्रशासन ने अतिक्रमण रोधी दस्ते के कर्मचारियों के लिए फौजियों जैसी वर्दी चुनकर सेना का अपमान किया है। ए कर्मचारी ठेलों और रेहड़ी वालों से अवैध वसूली के लिए बदनाम हैं। चौकसे ने यह भी कहा था कि अतिक्रमण रोधी दस्ते के कर्मचारियों का फौजियों जैसी वर्दी पहनना कानूनन गलत है।

तेज हवा की वजह से सड़क किनारे खड़े मिनी ट्रकपर गिरा होर्डिंग, कोई हताहत नही

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले के पिंपरी चिंचवड इलाके में बृहस्पतिवार को तेज हवा के कारण सड़क किनारे लगा एक होर्डिंग वहां खड़े एक मिनी ट्रक पर गिर गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। कुछ दिन पहले मुंबई के घाटकोपर इलाके में एक विशाल होर्डिंग गिरने से 16 लोगों की मौत हो गई थी और 75 लोग घायल हुए थे।पिंपरी चिंचवड़ थाने के एक अधिकारी ने बताया, मोशी इलाके में जय गणेश साम्राज्य चौक पर सड़क किनारे लगा 30 गुणा 30 फुट का एक होर्डिंग शाम 4.30 बजे के आसपास गिर गया। होर्डिंग एक खाली टेम्पो ट्रक और एक-दो दोपहिया वाहनों पर गिरा। अच्छी बात यह है कि किसी के घायल होने की सूचना नहीं है क्योंकि मिनी ट्रक के अंदर और वाहनों पर कोई व्यक्ति सवार नहीं था। उन्होंने बताया कि मलबे को हटाने के लिए एक क्रेन को काम पर लगाया गया।

माधवी राजे सिंधिया का ग्वालियर में अंतिम संस्कार किया गया

ग्वालियर। भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां माधवी राजे सिंधिया का बृहस्पतिवार शाम मध्य प्रदेश के ग्वालियर में अंतिम संस्कार किया गया। ग्वालियर के पूर्व राजघराने की राज माता 76 वर्षीय माधवी राजे का बुधवार सुबह दिल्ली के एक अस्पताल में निधन हो गया था और उनका पार्थिव शरीर बृहस्पतिवार को एक विशेष विमान से राष्ट्रीय राजधानी से ग्वालियर लाया गया। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वी डी शर्मा, राज्य के मंत्री प्रहलाद पटेल, कैलाश विजयवर्गीय, तुलसी सिलावट, प्रद्युम्न सिंह तोमर और पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा अंतिम संस्कार में शामिल हुए।

अंतिम संस्कार यहां अम्मा महाराज की छत्री में किया गया, जहां ग्वालियर के पूर्व शाही परिवार के सदस्यों का अंतिम संस्कार किया जाता है। यहां जय विलास पैलेस स्थित रानी महल से माधवी राजे के पार्थिव देह को श्मशान घाट लाया गया। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपनी मां की चिता को मुखाग्नि दी। इस मौके पर उनके अंतिम दर्शन के लिए हजारों लोग मौजूद थे। दिन में उनके पार्थिव शरीर को दिल्ली से लाए जाने के बाद, इसे रानी महल में रखा गया ताकि लोग उन्हें श्रद्धांजलि दे सकें। सूत्रों ने बताया कि नेपाल के शाही परिवार और देश की पूर्व रियासतों के सदस्य भी अंतिम संस्कार में शामिल हुए। माधवी राजे का बुधवार सुबह दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया था। वह निमोनिया और सेप्सिस से पीडि़त थीं और पिछले तीन महीने से प्रमुख अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। नेपाल के शाही परिवार से ताल्लुक रखने वाली माधवी राजे ने 1966 में पूर्व केंद्रीय मंत्री दिवंगत माधवराव सिंधिया से शादी की थी। उनके परिवार में बेटे ज्योतिरादित्य सिंधिया के अलावा उनकी बेटी चित्रांगदा राजे सिंह हैं।

ओमान में जान गंवाने वाले व्यक्ति के परिजनों ने प्रदर्शन कर मांगा मुआवजा

तिरुवनंतपुरम। दिल का दौरा पड़ने के कारण हाल ही में ओमान में जान गंवाने वाले एक व्यक्ति के परिजनों ने बृहस्पतिवार को तिरुवनंतपुरम में एअर इंडिया एसएटीएस एयरपोर्ट सर्विसेज प्राइवेट लि. (एआईएसएटीएस) के कार्यालय के बाहर शव रखकर विरोध-प्रदर्शन कर एअर इंडिया एक्सप्रेस से मुआवजे की मांग की और दावा किया कि अगर विमानन कंपनी ने उड़ानें रद्द नहीं की होती तो उसकी पत्नी उसके साथ होती।मृतक के परिजनों ने कहा कि एअर इंडिया एक्सप्रेस के चालक दल के सदस्यों की हड़ताल के कारण उड़ानें बार-बार रद्द होने से महिला अपने पति के पास नहीं जा सकी और देखभाल के लिए कोई नहीं होने के कारण खाड़ी देश में महिला के पति की मौत हो गई। मृतक के शव को सुबह केरल लाया गया। शव के साथ रिश्तेदार सीधे एआईएसएटीएस कार्यालय पहुंचे जहां उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया। यह कंपनी विमान का जमीन पर रखरखाव, यात्री सहायता और हवाई मालवहन जैसी सेवाएं देती हैं। टीवी चैनलों पर दिखाए गए दृश्यों के अनुसार, रिश्तेदारों ने शव को एआईएसएटीएस के कार्यालय की इमारत की सीढ़ियों के सामने रखा और आसपास चुपचाप खड़े हो गए। महिला के पिता ने आरोप लगाया कि एयरलाइन के खराब रवैए के कारण उन्होंने अपने दामाद को खो दिया। महिला के पिता एयरलाइन कार्यालय के मुख्य दरवाजे के अंदर जाकर बैठ गए। वे तब तक वहां से नहीं हटेंगे जब तक घटना के संबंध में एअर इंडिया एक्सप्रेस कोई फैसला नहीं ले लेती।

अंतिम संस्कार और क्रियाकर्म होने दीजिए जब तक एयरलाइन कोई निर्णय नहीं लेती, मैं यहां से नहीं जाऊंगा। भविष्य में किसी और के साथ ऐसा नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, एयरलाइन को मेरी बेटी और उसके बच्चों का खर्च उठाना पड़ेगा। उन्हें हमें मुआवजा देना होगा। जब तक एयरलाइन मुआवजे के संबंध में कोई निर्णय नहीं लेती, मैं यहां से नहीं जाऊंगा। एआईएसएटीएस कार्यालय में काम करने वाले लोग दावा कर रहे हैं कि उनका एअर इंडिया एक्सप्रेस से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया, लेकिन यहां बोर्ड पर बड़े अक्षरों में एअर इंडिया क्यों लिखा है? उन्होंने यह भी दावा किया कि अब तक एयरलाइन ने निरस्त टिकटों की राशि भी वापस नहीं की है। हमारी मुख्य मांग एयरलाइन से निरस्त टिकटों की राशि वापस लेना नहीं है। एअर इंडिया एक्सप्रेस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और पुलिस की मौजूदगी में महिला के पिता सहित परिवार के सदस्यों के साथ विमर्श किया, जिसके बाद धरना समाप्त कर दिया गया और शव को अंतिम संस्कार के लिए घर ले जाया गया। इस बीच, राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी.डी. सतीसन ने मामले में एयरलाइन के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकारों से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की।

पेज 1 का शेष

चढ़ता पारा...

खाते हैं, जो ग्रीनहाउस से निपटने के लिए गैस उत्सर्जन शमन उपायों और वैश्विक प्रयासों की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।आईएमडी ने कहा, पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों में 17-20 मई के दौरान और पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में 18-20 मई के दौरान गंभीर लू चलने की संभावना है। वहीं गर्मी को लेकर पूर्वी राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, गुजरात, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम कार्यालय ने पहले मई में उत्तरी मैदानी इलाकों और मध्य भारत में लू अधिक दिनों तक सामान्य से अधिक संख्या में चलने की भविष्यवाणी की थी। आम तौर पर, उत्तरी मैदानी इलाकों, मध्य भारत और प्रायद्वीपीय भारत के आसपास के क्षेत्रों में मई में लगभग तीन दिन गर्मी की लहरें चलती हैं।एम्स दिल्ली के आंतरिक चिकित्सा विभाग के डॉ. नवल के विक्रम ने कहा, उच्च तापमान गंभीर जोखिम पैदा करता है, जिसमें हीट स्ट्रोक, त्वचा पर चकत्ते, ऐंठन और निर्जलीकरण शामिल है। संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. नेहा रस्तोगी ने कहा कि पहले से मौजूद स्थितियों वाले लोगों के लिए उन्होंने यह भी चिंता व्यक्त की कि गर्म मौसम डेंगू और मलेरिया जैसी वेक्टर जनित बीमारियों का भी कारण बन सकते हैं।1990 के बाद से 30 वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालने वाले नए शोध के अनुसार, दुनिया भर में प्रति वर्ष 1.53 लाख से अधिक मौतें गर्मी के कारणों से जुड़ी थीं, इनमें से पांचवां सबसे बड़ा हिस्सा भारत से था।भारत पहले से ही उच्च गर्मी की रिपोर्ट करता रहा है। उदाहरण के लिए, भारत में अप्रैल में पूर्व, उत्तर-पूर्व और दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में रिकॉर्ड तोड़ अधिकतम तापमान देखा गया, जिससे सरकारी एजेंसियों और कुछ राज्यों ने स्कूलों में व्यक्तिगत कक्षाओं को निलंबित करने के लिए स्वास्थ्य चेतावनियां जारी कीं। कई इलाकों में अप्रैल का अब तक का सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया, पारा 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। आईएमडी के आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल में लू के दिन गंगा के तटवर्ती पश्चिम बंगाल में 15 साल और ओडिशा में नौ साल में सबसे ज्यादा थे।वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन (डब्ल्यूडब्ल्यूए) समूह ने इस बात पर जोर दिया कि जलवायु परिवर्तन के कारण तेज हुई गर्मी की लहरें पूरे एशिया में गरीबी में रहने वाले लोगों के लिए जीवन को बहुत कठिन बना रही हैं।

कोविशील्ड....

महामारी के दौरान कोविड-19 के खिलाफ भारत का पहला स्वदेशी टीका था। कोवैक्सिन के प्रतिकूल प्रभाव पर बीएचयू के शोधकर्ताओं ने कहा कि गंभीर एईएसआई, जिसमें स्ट्रोक और गुइलेन-बैरी सिंड्रोम शामिल हैं, एक प्रतिशत व्यक्तियों में रिपोर्ट किए गए। अध्ययन में किशोरों और वयस्कों में बीबीवी152 वैक्सीन की दीर्घकालिक सुरक्षा पर ध्यान दिया गया था।

जनवरी 2022 से अगस्त तक आयोजित अध्ययन में कहा गया, करीब एक तिहाई व्यक्तियों में एईएसआई विकसित हुआ। टीका प्राप्त करने के बाद 2023, ने कहा। किशोरों में नई शुरुआत वाली त्वचा और चमड़े के नीचे के विकार, सामान्य विकार और तंत्रिका तंत्र विकार तीन सबसे आम विकार देखे गए। इसमें त्वचा और चमड़े के नीचे के विकार (10.5 प्रतिशत), सामान्य विकार (10.2 प्रतिशत), और तंत्रिका तंत्र विकार (4.7 प्रतिशत) किशोरों में आम थे। सामान्य विकार (8.9), मस्कुलोस्केलेटल विकार (5.8 प्रतिशत), और तंत्रिका तंत्र विकार (5.5 प्रतिशत) वयस्कों में आम थे। 4.6 प्रतिशत महिला प्रतिभागियों में मासिक धर्म संबंधी असामान्यताएं देखी गईं। 2.7 प्रतिशत और 0.6 प्रतिशत प्रतिभागियों में नेत्र संबंधी असामान्यताएं और हाइपोथायरायडिज्म देखा गया। अध्ययन में कहा गया है कि वयस्कों में चार मौतें (तीन महिला व्यक्ति, एक पुरुष व्यक्ति) दर्ज की गईं। इन चारों को मधुमेह था, जबकि तीन को उच्च रक्तचाप था, और उनमें से दो में पूर्व-टीकाकरण कोविड??-19 का इतिहास मौजूद था।दो मौतों में स्ट्रोक मुख्य कारण था और एक मृत्यु पोस्ट-कोविड-19 राइनोसेरेब्रल म्यूकोर्मिकोसिस के कारण हुई थी, जो कथित तौर पर टीकाकरण के बाद फैल गया था, जैसा कि देखभाल करने वालों द्वारा बताया गया है। चौथी मौत एक महिला की हुई, जो टीकाकरण के बाद बेहोशी की घटनाओं से जूझ रही थी, जिसका कारण मृत्यु तक अज्ञात रहा। किसी निश्चित कार्य-कारण संबंध के अभाव में, इन घटनाओं से कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है।अध्ययन में रेखांकित किया गया है कि अधिकांश एईएसआई एक महत्वपूर्ण अवधि तक बने रहने के कारण, देर से शुरू होने वाले एईएसआई के पाठ्यक्रम और परिणामों को समझने के लिए सीओवीआईडी-19-टीकाकरण वाले व्यक्तियों की विस्तारित निगरानी आवश्यक है।गंभीर एईएसआई असामान्य नहीं हो सकता है और कोविड-19 टीकाकरण के बाद प्रतिरक्षा-मध्यस्थ घटनाओं की घटनाओं को समझने के लिए बढ़ी हुई जागरूकता और बड़े अध्ययन की आवश्यकता है।

दिल्ली में...

(आरोप पत्र) दाखिल करने का प्रस्ताव करते हैं। हम जल्द यह करेंगे। यह प्रक्रिया में है। ईडी ने यह बयान केजरीवाल द्वारा उनकी गिरफ्तारी के खिलाफ दाखिल की गई याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। दिल्ली के मुख्यमंत्री को इस मामले में 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। शीर्ष अदालत ने कथित आबकारी घोटाले से जुड़े धनशोधन के मामले में 10 मई को एक जून तक केजरीवाल को अंतरिम जमानत दे दी थी। न्यायालय ने उन्हें दो जून को आत्मसमर्पण करने को कहा है। अदालत ने हालांकि, उप राज्यपाल की आवश्यक मंजूरी मिलने तक उन्हें दिल्ली सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में जाने और फाइल पर हस्ताक्षर करने से रोक दिया है।यह मामला दिल्ली सरकार की आबकारी नीति 2021-22 के निर्माण और क्रियान्वयन में कथित अनियमितता और भ्रष्टाचार करने से जुड़ा है जिसे अब रद्द कर दिया गया है।

सचिन समेत...

65.68 प्रतिशत रहे। 2019 के आम चुनाव के तीसरे चरण में 68.4 प्रतिशत मतदान हुआ। 26 अप्रैल को हुए चुनाव के दूसरे चरण में 66.71 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि 2019 के दूसरे चरण में 69.64 प्रतिशत मतदान हुआ था। मौजूदा आम चुनाव के पहले चरण में 66.14 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान प्रतिशत दर्ज किया गया. 2019 के चुनाव में पहले चरण में 69.43 फीसदी मतदान हुआ था।मतदाता मतदान प्रतिशत बढ़ाने के अपने प्रयासों के एक हिस्से के रूप में, चुनाव आयोग (ईसी) ने मौजूदा लोकसभा चुनावों के दौरान मतदाताओं को वोट डालने के लिए अपील करने और प्रेरित करने के लिए विभिन्न हस्तक्षेपों की एक श्रृंखला शुरू की है। चुनाव निकाय ने प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंचने के लिए अपने लक्षित हस्तक्षेप बढ़ा दिए हैं। चुनाव आयोग ने मौजूदा आईपीएल सीज़न के दौरान मतदाता जागरूकता गतिविधियों के लिए बीसीसीआई के साथ सहयोग किया है। क्रिकेट मैचों के दौरान विभिन्न स्टेडियमों में मतदाता जागरूकता संदेश और गाने बजाए जा रहे हैं। इस अभियान का सबसे नवीन पहलू विभिन्न आईपीएल स्थानों पर पूर्व-रिकॉर्ड किए गए वीडियो संदेश में क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर द्वारा मतदाता प्रतिज्ञा का प्रशासन है। इसके अलावा, मतदाता जागरूकता संदेशों को क्रिकेट कमेंट्री में एकीकृत किया गया है। 10 आईपीएल टीमों के क्रिकेटरों ने अपने रिकॉर्ड किए गए मतदाता जागरूकता संदेशों के साथ मतदाताओं को लोकसभा चुनाव 2024 में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया है।भारत संचार निगम लिमिटेड, भारती एयरटेल लिमिटेड, जियो टेलीकम्युनिकेशन, वोडाफोन-आइडिया लिमिटेड जैसे दूरसंचार सेवा प्रदाता पुश एसएमएस/फ्लैश एसएमएस, मोबाइल उपयोगकर्ताओं के लिए आउटबाउंड डायलिंग कॉल, आरसीएस के माध्यम से संबंधित संसदीय क्षेत्र के प्रत्येक मोबाइल उपयोगकर्ता तक पहुंच रहे हैं। (रिच कम्युनिकेशन सर्विसेज) मैसेजिंग और व्हाट्सएप संदेश/अलर्ट। ये गतिविधियां मतदान से दो/तीन दिन पहले और यहां तक कि मतदान के दिन भी क्षेत्रीय भाषाओं में वोट देने की अपील के साथ की जाती हैं।चुनाव निकाय ने कहा कि म्यूजिक ऐप स्पोटीफाई एक अभियान 'प्ले योर पार्ट' चला रहा है, और उन्होंने प्रिंट विज्ञापन जारी किए हैं, और अपने ऐप पर चुनावों के लिए प्लेलिस्ट तैयार की है।भुगतान ऐप गूगल पे ने अपने ऐप में मतदाता जागरूकता संदेश को एकीकृत किया है और सक्रिय रूप से मतदाताओं को प्रोत्साहित कर रहा है। किराना ऐप ब्लिंकिट ने चुनावों के लिए अपने लोगो को 'इंकिट' में बदल दिया, जिसमें टैगलाइन के रूप में लोगों को 'बाहर जाओ और वोट करने' के लिए प्रोत्साहित करने वाला एक संदेश शामिल किया गया। बुकमायशो ने मतदाताओं के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए 'आज पिक्चर नहीं, बड़ी पिक्चर देखो' नामक एक एकीकृत अभियान शुरू किया है। मेक माई ट्रिप ने 'मेरा वोट वाला ट्रिप' नाम से एक अभियान चला रहा है, जिसके तहत मतदान के लिए जाने वाले नागरिकों को छूट की पेशकश की जाती है।

उत्तर प्रदेश में टीएमसी राजनीति का प्रयोग करना चाहती है सपा-कांग्रेसः मोदी

भाषा। भदोही (उप्र)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस तृणमूल की राजनीति को आजमाना चाहती है और उन्होंने इसे तुष्टीकरण और महिलाओं व दलित उत्पीड़न की राजनीति करार दिया। भदोही में एक जनसभा में विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया के घटक दलों पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि वे उत्तर प्रदेश में तृणमूल की राजनीति का प्रयोग करना चाहते हैं। भदोही से इंडिया गठबंधन की ओर से तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। उन्होंने कहा, भदोही में सपा-कांग्रेस के लिए जमानत बचाना भी मुश्किल हो गया है। इसलिए ए भदोही में सियासी प्रयोग कर रहे हैं।

मोदी ने कहा, तृणमूल राजनीति का अर्थ हिंदुओं की हत्या, दलितों और आदिवासियों का उत्पीड़न, महिलाओं पर अत्याचार है। अनेक भाजपा नेता वहां (पश्चिम बंगाल में) मार दिए गए और तृणमूल विधायक कहते हैं कि वे हिंदुओं को गंगा में डुबोकर मार देंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, आप जानते हैं कि तृणमूल पश्चिम बंगाल में किस तरह की राजनीति करती है। उन्होंने कहा, आप जानते हैं कि तृणमूल बंगाल में कैसी राजनीति करती हैं? तृणमूल की राजनीति यानी तुष्टीकरण का जहरीला तीर, तृणमूल की राजनीति यानी राम मंदिर को अपवित्र बताना, तृणमूल की राजनीति यानी रामनवमी मनाने पर प्रतिबंध लगाना, तृणमूल की राजनीति यानी बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण देना।...सपा उप्र को इसी दिशा में लेकर जाना चाहती है। समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि पिछली राज्य सरकार के तहत आतंकवादियों को स्पेशल प्रोटोकॉल मिलता था और सरकार सिमी के प्रति मेहरबान थी।मोदी ने मायावती का परोक्ष रूप से उल्लेख करते हुए कहा कि पहले वाली बुआ ने सपा वालों को छोड़ दिया और अब यह बंगाल से बुआ लाएं हैं। आपको इनसे सैकड़ों मील दूर रहना हैं। अखिलेश यादव और ममता बनर्जी का बिना नाम लिए मोदी ने कहा, मैं आज बबुआ से समाजवादी शहजादे से एक सवाल करना चाहता हूं। बुआ तो आपकी इतनी करीबी हैं कि बंगाल से यहां तक आपके पास आई हैं। लेकिन क्या कभी आपने अपनी नई बुआ से पूछा कि वो बंगाल में उप्र-बिहार वालों को बाहरी क्यों कहती हैं? उन्होंने कहा, तृणमूल और सपा को जोड़ने वाली एक ही चीज हैं, वह है तुष्टीकरण। तुष्टीकरण के यह ठेकेदार भारत की पहचान बदलना चाहते हैं। यह वहीं लोग हैं जो भगवान राम को काल्पनिक बताते थे। इनके समय में अयोध्या की सड़कों और घाटों की क्या दशा हुआ करती थी? उप्र की विकास योजनाओं के बारे में मोदी ने कहा कि भाजपा ने दिनरात मेहनत करके उप्र की छवि बदली है। आज उप्र की पहचान एक्सप्रेस वे से हो रही है।... सपा सरकार में वन डिस्ट्रिक्ट-वन माफिया चलता था।.

सुप्रीमकोर्ट ने यूपी में धर्म परिवर्तन मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाई

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश की सैम हिगिनबॉटम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर, टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज के कुलपति और अन्य के खिलाफ अवैध धर्मांतरण के आरोप में दर्ज पांच प्राथमिकियों पर निचली अदालत में कार्यवाही पर रोक लगा दी। प्राथमिकी में हिंदुओं को अवैध रूप से ईसाई धर्म में परिवर्तित कराने का आरोप है। शीर्ष अदालत ने निचली अदालत की कार्यवाही जारी रखने के संबंध में उत्तर प्रदेश सरकार के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने अपने आदेश में कहा, मामले में सुनवाई अदालत में प्राथमिकी के संबंध में आगे की कार्यवाही नहीं होनी चाहिए। पीठ ने कुलपति राजेंद्र बिहारी लाल की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ दवे समेत कई वकीलों की इस दलील पर गौर किया कि निचली अदालत में कार्यवाही पर रोक लगा दी जाए क्योंकि सभी आरोपियों को इन मामलों में राज्य पुलिस द्वारा दाखिल नए आरोपपत्रों के मद्देनजर जारी किए गए समन के बाद पेश होना होगा। आरोपियों में से एक की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मुक्ता गुप्ता ने कहा कि कथित पीड़ितों में से किसी की भी गवाही राज्य पुलिस द्वारा दर्ज नहीं की गई, जिनके बारे में दावा किया गया था कि उन्हें बहकाकर ईसाई धर्म में परिवर्तित कराया गया था। पीठ ने दलीलें सुनीं और मामले की अगली सुनवाई दो अगस्त के लिए सूचीबद्ध की। पीठ लाल और अन्य के खिलाफ कथित अवैध धर्मांतरण मामले में दर्ज पांच प्राथमिकियों को रद्द करने या इन्हें आपस में जोड़ने का अनुरोध करने वाली नौ याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। लाल के खिलाफ मामले भारतीय दंड संहिता की धारा 307 (हत्या का प्रयास), 504 (शांति भंग करने के मकसद से इरादतन अपमान करना) और 386 (वसूली) के तहत दर्ज हैं। उनके खिलाफ उत्तर प्रदेश अवैध धर्मांतरण अधिनियम 2021 के कुछ प्रावधानों के तहत भी मामला दर्ज है। शीर्ष अदालत ने समय-समय पर आदेश पारित कर आरोपियों को फतेहपुर में दर्ज प्राथमिकियों के सिलसिले में गिरफ्तारी से राहत दी है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने अदालत से कहा था कि लाल और अन्य आरोपी उस सामूहिक धर्मांतरण कार्यक्रम के मुख्य साजिशकर्ता थे जिसमें करीब 20 देशों से प्राप्त किए गए धन का इस्तेमाल किया गया था। पुलिस का आरोप है कि आरोपियों में शामिल लाल एक कुख्यात अपराधी है जो धोखाधड़ी और हत्या सहित विभिन्न तरह के 38 मामलों में संलिप्त है।

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता कमला बेनीवाल पंचतत्व में विलीन

जयपुर। गुजरात और त्रिपुरा की पूर्व राज्यपाल तथा कांग्रेस की वरिष्ठ नेता कमला बेनीवाल का बृहस्पतिवार को यहां लालकोठी शमशान गृह में अंतिम संस्कार किया गया। उनके बेटे आलोक बेनीवाल ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस अवसर पर राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, पूर्व मंत्री बी डी कल्ला, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित कई नेता और उनके परिवार के सदस्य मौजूद थे। कमला बेनीवाल का बुधवार को 97 वर्ष की उम्र मे जयपुर के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया था। उन्होंने मंत्री के अलावा गुजरात, त्रिपुरा और मिजोरम मे राज्यपाल, राजस्थान में उपमुख्यमंत्री के रूप में भी अपनी सेवा दी। वह सात बार विधायक चुनी गई थी।

घाटकोपर में होर्डिंग लगाने वाली कंपनी का निदेशक गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस ने घाटकोपर में विशाल होर्डिंग लगाने वाली कंपनी के निदेशक भावेश भिंडे को बृहस्पतिवार को उदयपुर से गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।घाटकोपर में होर्डिंग के गिरने से 16 लोगों की मौत हो गई थी।मुंबई पुलिस की अपराध शाखा टीम ने मुंबई के घाटकोपर इलाके में होर्डिंग लगाने के लिए जिम्मेदार विज्ञापन एजेंसी ईगो मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक भिंडे को गिरफ्तार किया। मुंबई मे सोमवार को धूल भरी तेज आंधी मे होर्डिंग गिरने से कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई और 75 घायल हुए थे।

फोनपे ने व लंकापे में साझेदारी

नोएडा। फोनपे ने कोलंबो में आयोजित एक भव्य समारोह में लंकापे के सहयोग से श्रीलंका में सभी लंका क्यूआर मर्चेंट पॉइंट पर यूपीआई पेमेंट प्राप्त करने की सुविधा शुरू करने की घोषणा की है। इस कार्यक्रम में भारत के हाई कमिश्नर संतोष झा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जिन्होंने भारत और श्रीलंका के संबंधों और अधिक मजबूत बनाने में फिनटेक कनेक्टिविटी की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। सभा को संबोधित करते हुए, सेंट्रल बैंक ऑफ श्रीलंका के गवर्नर डॉ. नंदलाल वीरसिंघे ने कहा कि इस सहयोग से श्रीलंका के मर्चेंट के लिए नए अवसर खुलेंगे और उनके बिजनेस को बढ़ाने में मदद मिलेगा। फोनपे ने घोषणा की कि उसके ऐप यूजर अब श्रीलंका की यात्रा करते समय पूरे देश में लंकापे क्यूआर वाले मर्चेंट को यूपीआई का उपयोग करके पेमेंट कर सकते हैं। सीईओ, रितेश पई ने कहा, हम लंकापे के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा करते हुए बहुत खुश हैं।

डीएसपी निफ़्टी बैंक इंडेक्स फ़ंड लांच

लखनऊ। डीएसपी म्युचुअल फ़ंड ने श्डीएसपी निफ़्टी बैंक इंडेक्स फ़ंडश् लॉन्च करने की घोषणा की है, जो निफ़्टी बैंक इंडेक्स को ट्रैक करने वाली एक ओपन.एंडेड स्कीम है। यह फ़ंड इंवेस्टर्स को एक ही फ़ंड के ज़रिए 12 सबसे अधिक तरल और बड़े भारतीय बैंकिंग शेयरों में इंवेस्ट करने का अवसर देता है। निफ़्टी बैंक इंडेक्सश् निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की संरचना के साथ सबसे अलग है।ऐतिहासिक रूप सेए निफ़्टी बैंक इंडेक्सश् ने विस्तृत श्निफ़्टी 50 इंडेक्सश् की तुलना में काफ़ी बेहतर लॉन्ग.टर्म रिटर्न दिया है। जनवरी 2000 के बाद सेए निफ़्टी बैंक इंडेक्सश् दरअसल निफ़्टी 50 प्रतिशत की तुलना में 67 गुना बढ़ गया है और खुद निफ़्टी 50 इस अवधि के दौरान 21 गुना बढ़ गया है। हालांकिए निफ़्टी बैंक इंडेक्स् फ़िलहाल 5 साल के रोलिंग आधार पर श्निफ़्टी 50श् की तुलना में कमज़ोर परफ़ॉर्मेंस की एक लंबी अवधि का सामना कर रहा हैए जिसके कारण यह अपने स्वयं के ऐतिहासिक औसत के साथ.साथ अन्य क्षेत्रों से संबंधित क्षेत्र के मूल्यांकन के मामले में तुलनात्मक रूप से बेहतर स्थिति में है। बिज़नेस हेड.पैसिव फ़ंड्सए गुरजीत कालरा ने कहा कि डीएसपी एक समर्पित इंवेस्ट टीम के साथ.साथ बिज़नेस टीम के साथ पैसिव इंवेस्टमेंट सेगमेंट में एक गंभीर खिलाड़ी है।

भाजपा राशन को लेकर झूठ फैला रही है : कांग्रेस

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राशन के मुद्दे पर झूठ फैलाने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि अगर केंद्र में विपक्षी गठबंधन इंडिया की सरकार बनती है तो कर्नाटक की अन्न भाग्य योजना की तर्ज पर पूरे देश में गरीबों को प्रति माह 10 किलोग्राम मुफ्त राशन दिया जाएगा। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि गुजरात का मुख्यमंत्री रहते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून का विरोध किया था। लखनऊ में बुधवार को समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के साथ संयुक्त संबोधित करते हुए खरगे ने घोषणा की थी कि अगर इंडिया गठबंधन की सरकार सत्ता में आती है तो भाजपा सरकार की ओर से दी जा रही गरीबों को मुफ्त राशन की मात्रा दोगुनी कर दी जाएगी।भाजपा ने खरगे की इस घोषणा को लेकर कांग्रेस पर झूठे वादे करने का आरोप लगाया है। रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री और भाजपा राशन को लेकर भयंकर झूठ फैला रहे हैं। उन्होंने कहा, राशन की असली क्रोनोलॉजी समझिए। 80 करोड़ भारतीयों के लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (2011 की जनगणना के आधार पर) सितंबर 2013 में पारित किया गया था। इसका सिर्फ़ एक मुख्यमंत्री ने लिखित में विरोध किया था, वह थे गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री। प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 को लागू करने के लिए कुछ नहीं किया। कोविड महामारी के दौरान उन्होंने अचानक राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 का नाम बदलकर प्रधानमंत्री ग़रीब कल्याण अन्न योजना कर दिया और मुफ़्त राशन योजना के रूप में इसकी मार्केटिंग की।

केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर शाह का बयान आपत्तिजनक : सिब्बल

भाषा। नई दिल्ली

राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत पर टिप्पणी को लेकर बृहस्पतिवार को गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा और कहा कि यह एक आपत्तिजनक बयान है जिसमें उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की मंशा पर सवाल उठाया गया है। शाह ने एक साक्षात्कार में कहा है कि कई लोगों को लगता है कि शीर्ष अदालत ने केजरीवाल के प्रति विशेष रुख अपनाया है।सिब्बल ने संवाददाताओं से कहा, शाह ने आपत्तिजनक बयान दिया है और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की मंशा पर सवाल उठाया है। उनका कहना था कि शाह ने बहुत चतुराई से कहा है कि कई लोग कह रहे हैं कि केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने में विशेष रुख अपनाया गया है। उन्होंने (शाह) कहा है लोग कह रहे हैं। अगर लोग कह रहे हैं और आप उस पर विश्वास नहीं करते हैं, तो ऐसा क्यों कहा है? अगर लोग कहते हैं और आप उस पर विश्वास करते हैं, इसलिए आपने बयान दिया है।

संदेशखालि की महिला ने शिकायत दर्ज कराई, अपहरण का आरोप लगाया

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के संदेशखालि में एक महिला ने बृहस्पतिवार को तीन लोगों पर रात के समय घर के बाहर से उसके अपहरण का प्रयास करने के लिए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।संदेशखालि में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगे थे।सूत्रों के मुताबिक, महिला ने इस इलाके में कथित अत्याचार के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया था।

शाह दो दिवसीय श्रीनगर दौरे पर, सुरक्षा समीक्षा करेंगे

भाषा। श्रीनगर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बृहस्पतिवार को दो दिवसीय दौरे पर श्रीनगर पहुंचे। इस दौरान वह सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर सकते हैं। शाह श्रीनगर के एक होटल पहुंचे जहां उनका जम्मू-कश्मीर में शेष दो चरणों के चुनाव से पहले स्थानीय भाजपा नेताओं से मिलने का कार्यक्रम है। भाजपा के एक स्थानीय नेता ने कहा कि शाह का कश्मीर दौरा राजनीतिक नहीं है। इससे पहले दिन में, पार्टी की जम्मू-कश्मीर इकाई के महासचिव सुनील शर्मा ने संवाददाताओं से कहा, केंद्रीय गृह मंत्री कश्मीर आ रहे हैं लेकिन यह दौरा राजनीतिक नहीं है। लोकसभा चुनाव चल रहे हैं और 13 मई को हुआ मतदान केंद्र सरकार की नीतियों की एक बड़ी सफलता है, जिसमें अनुच्छेद 370 को निरस्त करना भी शामिल है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि गृह मंत्री मतदान प्रतिशत बढ़ाने और शांति का माहौल बनाने के लिए सुरक्षा के दृष्टिकोण से उपायों की समीक्षा करने आ रहे हैं। ए राजनीतिक दौरा नहीं है लेकिन भाजपा कार्यकर्ता उनसे मिलेंगे और पार्टी के संगठनात्मक मामलों पर चर्चा करेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या जमात-ए-इस्लामी का प्रतिनिधिमंडल गृह मंत्री से मिलेगा, शर्मा ने कहा कि ऐसी कोई बैठक निर्धारित नहीं है। शाह को शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों द्वारा जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति के बारे में जानकारी दिए जाने की संभावना है क्योंकि लोकसभा चुनाव के बाद वार्षिक अमरनाथ यात्रा होगी।

जो 29 जून को शुरू होकर 19 अगस्त को समाप्त होगी।

मालीवाल के साथ मारपीट में शामिल व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिएः रागिनी

नई दिल्ली। कांग्रेस प्रवक्ता रागिनी नायक ने बृहस्पतिवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल के साथ कथित तौर पर मारपीट के मामले में शामिल व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्वाई की जानी चाहिए।कांग्रेस और आम आदमी पार्टी राष्ट्रीय राजधानी में इंडिया गठबंधन के तहत मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। रागिनी नायक ने कहा कि इस मामले में कांग्रेस पार्टी का रुख बिल्कुल स्पष्ट है।उनका कहना था, अगर किसी महिला के खिलाफ कोई अपराध होता है, तो अपराध में जो भी शामिल है, चाहे वह किसी राजनीतिक दल से हो या नहीं, उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्वाई की जानी चाहिए।

पश्चिम बंगाल के मालदा में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 11 लोगों की मौत

भाषा। मालदा

पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में अलग-अलग स्थानों पर बृहस्पतिवार को आकाशीय बिजली की चपेट में आने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और दो अन्य लोग झुलस गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।पुलिस ने बताया कि मृतकों में मणिचक थाना क्षेत्र निवासी दो नाबालिग और माला थाना क्षेत्र के साहापुर निवासी तीन लोग शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, वहीं दो अन्य लोग गजोल थाना क्षेत्र के अदीना और रतुआ थाना क्षेत्र के बालूपुर के रहने वाले थे।पुलिस ने बताया कि हरीशचंद्रपुर के एक खेत में काम कर रहे दंपति की भी आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई।पुलिस के मुताबिक, आकाशीय बिजले की चपेट में आकर जान गंवाने वाले बाकी लोग इंग्लिशबाजार और मणिचक थाना इलाके के निवासी थे।

चारधाम श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के मद्देनजर वीआईपी दर्शन 31 मई के बाद होंगे

भाषा। देहरादून

चारों धामों में श्रद्धालुओं की उमड़ रही भारी भीड़ के मद्देनजर उत्तराखंड सरकार ने बृहस्पतिवार को 31 मई तक वीआईपी दर्शन की व्यवस्था न करने तथा हरिद्वार और ऋषिकेश में ऑफलाइन पंजीकरण 19 मई तक बंद रखने का निर्णय लिया। चार धाम यात्रा 10 मई को शुरू हुई थी और आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, बुधवार तक पहले छह दिन में ही देश-विदेश के 3,34,732 श्रद्धालु इनके दर्शन के लिए पहुंच चुके हैं। 25 अप्रैल को चारधामों के लिए पंजीकरण शुरू किया गया था और बृहस्पतिवार शाम तक 27 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं के पंजीकरण किए जा चुके हैं। प्रदेश की मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को भेजे एक पत्र में कहा है कि शुरूआती दिनों में ही पवित्र धामों में श्रद्धालुओं की अप्रत्याशित संख्या को देखते हुए भीड़ के बेहतर प्रबंधन के लिए 31 मई तक वीआईपी दर्शन की व्यवस्था नहीं करने का निर्णय लिया गया है। इससे पहले 30 अप्रैल को राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर 25 मई तक चारधामों में वीआईपी दर्शन की व्यवस्था पर रोक की बात कही गई थी। पत्र में रतूड़ी ने यह भी कहा है कि धामों में दर्शन की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए राज्य सरकार ने श्रद्धालुओं के अनिवार्य पंजीकरण की व्यवस्था की है और धामों में श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति केवल उन्हीं तिथियों में दी जाएगी, जो उन्हें पंजीकरण के समय दी गई हैं। उन्होंने राज्यों में अपने समकक्षों से श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत इस सूचना का उचित माध्यमों से प्रसार करने को भी कहा है। रतूड़ी ने बुजुर्गों तथा पहले से गंभीर बीमारी से पीड़ित श्रद्धालुओं को यात्रा शुरू करने से पहले अपना परीक्षण करवाने तथा उत्तराखंड के स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस संबंध में जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने को कहा है। उन्होंने राज्यों के मुख्य सचिवों से आग्रह किया कि वे अपने यहां इस सूचना को लोगों तक पहुंचाएं। मुख्य सचिव ने अधिकारियों से चारों धामों में मंदिर परिसरों की 50 मीटर की परिधि में सोशल मीडिया के लिए वीडियो तथा रील बनाए जाने को प्रतिबंधित करने के आदेश भी दिए। इस संबंध में उन्होंने कहा कि कुछ यात्रियों द्वारा मंदिर परिसर में वीडियो एवं रील बनाई जा रही है और उन्हें देखने के लिए एक स्थान पर भीड़ एकत्रित हो जाती है जिससे श्रद्धालुओं को दर्शन करने में असुविधा होती है।

केरल में बारिश होगी तेज, आईएमडी ने 18 से 20 मई तक कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया

तिरुवनंतपुरम। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बृहस्पतिवार को केरल के कई जिलों में 18 से 20 मई के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया। इसके साथ ही विभाग ने राज्य में अगले कुछ दिनों में तेज बारिश होने की संभावना जताई है। आईएमडी ने 18 मई को पलक्कड़ और मलप्पुरम, 19 मई को पथनमथिट्टा अलप्पुझा व इडुक्की और 20 मई को राज्य के सात अन्य जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 20 मई के लिए कुछ जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है हालांकि बारिश उतनी ही होगी जितनी रेड अलर्ट में होती है।आईएमडी ने राज्य के 14 जिलों में से नौ में आज (बृहस्पतिवार) के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। रेड अलर्ट भारी से अत्यधिक भारी बारिश (24 घंटे में 20 सेंटीमीटर से अधिक) का संकेत देता है, जबकि ऑरेंज अलर्ट बहुत भारी बारिश (6 से 20 सेंटीमीटर) के लिए जारी किया जाता है। यलो अलर्ट 6 से 11 सेंटीमीटर बारिश के पूर्वानुमान पर जारी किया जाता है। आईएमडी ने केरल के कुछ स्थानों पर आज से 20 मई तक आकाशीय बिजली और तेज हवाओं के साथ गरज के साथ बारिश का पूर्वानुमान जताया है। आईएमडी के मुताबिक, दक्षिणी केरल तट और उसके आसपास तेज हवाओं के साथ खराब मौसम की संभावना है और तट के आस-पास के क्षेत्रों में मछुआरों को 18 से 20 मई तक समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर, गंगानगर में पारा 46.3 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा

जयपुर। राजस्थान में एक बार फिर गर्मी ने रौद्र रूप धारण कर लिया है जहां बृहस्पतिवार को गंगानगर मे अधिकतम तापमान 46.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पर्वतीय स्थल माउंट आबू के अलावा राज्य के अधिकतर हिस्सो मे तेज गर्मी पड़ रही है। मौसम केंद्र का कहना है कि यह दौर अभी एक सप्ताह जारी रहेगा। उसने इस दौरान कई इलाकों मे तेज गर्म हवाएं यानी लू चलने की चेतावनी जारी की है। मौसम केंद्र (जयपुर) के अनुसार बृहस्पतिवार दिन मे अधिकतम तापमान गंगानगर मे 46.3 डिग्री, बाड़मेर मे 46.0 डिग्री, जैसलमेर मे 45.5 डिग्री, वनस्थली, पिलानी एवं जालोर मे 45.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा जोधपुर एवं संगरिया मे यह 44.6 डिग्री, धौलपुर मे यह 44.5 डिग्री, कोटा मे यह 44.2 डिग्री एवं जयपुर मे यह 44.1 डिग्री सेल्सियस रहा। राज्य मे अन्य जगहो की बात की जाए तो माउंट आबू के अलावा लगभग सभी जगह पारा 41 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। इसके अनुसार आगामी दिनों मे राज्य मे मौसम मुख्यतः शुष्क रहने तथा आगामी 48 घंटो मे अधिकतम तापमान मे 2-3 डिग्री सेल्सियस बढ़ोतरी होने से लू के एक सप्ताह तक जारी रहने की आशंका है। बृहस्पतिवार को जहां जोधपुर, बीकानेर संभाग के कुछ भागो मे लू चली। जोधपुर, बीकानेर संभाग एवं शेखावाटी क्षेत्र मे 17 मई से कही-कही तीव्र हीटवेव चलने की आशंका है।

सीआरएस विशेषज्ञों के मुताबिक रेलवे अधिकारियों ने उल्लंघन को नजरअंदाज किया

नई दिल्ली। रेलवे सुरक्षा के कुछ विशेषज्ञों, लोको पायलट निकायों और मजदूर संघ के पदाधिकारियों ने पिछले साल 29 अक्टूबर को पूर्वी तटीय रेलवे के वाल्टेयर मंडल में दो रेलगाड़ियों की टक्कर के लिए मुख्य रूप से वरिष्ठ रेलवे परिचालन अधिकारियों को दोषी ठहराया है। इस हादसे में तीन रेलवे कर्मियों सहित 17 लोगों की मौत हो गई थी। उन्होंने कहा कि जांच से स्पष्ट होता है कि उस दिन दुर्घटना से पहले ट्रेन तीन में से दो दोषपूर्ण सिग्नल को पार कर आगे बढ़ गई और वरिष्ठ परिचालन अधिकारियों ने इन उल्लंघनों को नजरअंदाज कर दिया। इस दुर्घटना में लगभग 82 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चल रही रेलगाड़ी संख्या 08504(विशाखापत्तनम-रायगड़ा सवारी गाड़ी)ने दो सिग्नल तोड़ दिए ।

क्विक न्यूज

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं को आमंत्रित किया

कटरा-जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने 29 जून से शुरू होने जा रही वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए बृहस्पतिवार को देश और विदेश से श्रद्धालुओं को आमंत्रित किया। सिन्हा ने आह्वान किया कि श्रद्धालु समानता, भाईचारा, मानवता और सौहार्द्र के दूत बने। कटरा में पूज्य भाईश्री रमेशभाई ओझा द्वारा आयोजित श्रीमद भागवत कथा में सम्मिलित होने आए सिन्हा ने कहा, अगले महीने 29 तारीख से अमरनाथ यात्रा शुरू होने जा रही है। मै भारत और विदेश के श्रद्धालुओं को बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए आमंत्रित करता हूं। मै उन्हे बाबा अमरनाथ और माता वैष्णव देवी की पूजा अर्चना के लिए भी प्रोत्साहित करता हूं। उन्होंने एक पद सोचा था कि तुझसे दूर निकल जाएंगे कहीं, देखा तो हर मकाम तेरी राहगुजर मे है उद्धृत करते हुए कहा कि आपकी सभी यात्राओ मे भगवान साथ है।

पंजाब : गृह मंत्रालय से मंजूरी मिलने के बाद विहिप नेता की हत्या मामले की जांच करेगी एनआईए

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) पंजाब विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के नेता विकास बग्गा की हत्या की जांच करेगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।अधिकारी के मुताबिक, इस संबंध मे केंद्रीय गृह मंत्रालय से निर्देश मिलने के बाद एनआईए जांच का जिम्मा संभालेगी।अधिकारी ने बताया, विकास बग्गा की हत्या की जांच (पंजाब पुलिस के मुकदमे को फिर से दर्ज करेगी) का जिम्मा एनआईए ने ले लिया है। सूत्रों ने बताया कि क्षेत्र में आतंक फैलाने के लिए बग्गा की हत्या के पीछे की बड़ी साजिश का खुलासा करने के लिए जांच एजेंसी को लगाया गया है।

अदालत ने धोखाधड़ी मामले में हार्दिक पंड्या के सौतेले भाई को जमानत देने से इनकार किया

मुंबई। मुंबई की एक अदालत ने धोखाधड़ी मामले मे गिरफ्तार क्रिकेटर हार्दिक और क्रुणाल पंड्या के सौतेले भाई को जमानत देने से इनकार करते हुए कहा है कि यह एक गंभीर आर्थिक अपराध है और इस मामले मे शामिल राशि बहुत बड़ी है। पॉलिमर व्यवसाय मे अपने भाइयो के साथ धोखाधड़ी करने के आरोप मे मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने अप्रैल मे 37 वर्षीय वैभव पंड्या को गिरफ्तार किया था। वैभव के खिलाफ आपराधिक साजिश, जालसाजी और अन्य प्रासंगिक धाराओं मे मामला दर्ज किया गया है। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट एस.बी. शिंदे ने 10 मई को वैभव पंड्या की जमानत याचिका खारिज कर दी। विस्तृत आदेश बुधवार को उपलब्ध हुआ। वैभव पर हार्दिक और क्रुणाल पंड्या से चार करोड़ रुपए से ज्यादा की धोखाधड़ी करने का आरोप है।

पाई42क्रिप्टो डेरिवेटिव के बारे में बताएगा

लखनऊ। भारत के पहले क्रिप्टो - आईएनआर परपिच्युअल फ्यूचर्स एक्सचेंज, पाई42 ने वित्त वर्ष 25 में लखनऊ के 100,000 नागरिकों को क्रि प्टो फ्यूचर्स ट्रेडिंग के बारे में जानकारी प्रदान करने का संकल्प लिया है। शहर भर के लोगों में क्रिप्टो करेंसी में निवेश को लेकर लगातार रुचि बढ़ रही है। ऐसे में, यह कंपनी आधुनिक निवेशकों को क्रिप्टो डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग के बारे में जागरुक करने का प्रयास करती है। साथ ही, यह इच्छुक निवेशकों को सर्वोत्तम पद्धतियों के बारे में जानकारी देती है जिससे कि वो डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग का कारगर तरीके से लाभ उठा सकें। यही नहीं, पाई42 का उद्देश्य इनमें से अधिकांश उपयोगकर्ताओं को अपने प्लेटफ़ॉर्म पर लाना है और वित्त वर्ष25 के अंत तक लखनऊ से आधा बिलियन डॉलर का लेनदेन कराना है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा क्रिप्टो बाजार है। यह एक्सचेंज फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट (एफआईयू) में पंजीकृत है। यह अपने प्लेटफॉर्म पर निवेशकों के हितों की रक्षा करने की दिशा में बढ़ाया गया एक और महत्वपूर्ण कदम है। अविनाश शेखर, सह - संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पाई42 ने बताया, लखनऊ में क्रिप्टो अपनाने वालों की संख्या में वृद्धि हुई है। पाई42 क्रिप्टो डेरिवेटिव के संभावित लाभों के बारे में निवेशकों के बीच जागरूकता पैदा करने और उन्हें क्रिप्टो प्रतिबद्धता में ट्रेडिंग के लिए जानकारी और सर्वोत्तम पद्धतियों से सज्जित करने की आवश्यकता को समझता है।

सैमको स्पेशल अपॉर्चुनिटी फंड पेश

मुंबई। सैमको एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड एक प्रतिष्ठित निवेश प्रबंधन फर्म, स्पेशल अपॉर्चुनिटीज फंड यानी विशेष अवसर निधि एसओएफ के लॉन्च की घोषणा करते हुए रोमांचित है। इस अनूठे फंड को बाजार के अवसरों की पहचान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है,जिसका लक्ष्य कम मूल्य वाले या उपेक्षित अवसरों के माध्यम से दीर्घकालिक पूंजी वृद्धि दर्ज करना है। इस फंड के खुलने की तारीख 17 मईए 2024 है और 31 मई, 2024 को क्लोज होगा। सैमको म्यूचुअल फंड का स्पेशल अपॉर्चुनिटीज फंड एक डिसरप्शन स्ट्रेटेजी पर तैयार किया गया है जिसमें डिजिटलीकरण, इनसाइडर मिरर ट्रेडिंग, स्पिन ऑफ और कॉर्पोरेट एक्शंस, सुधार.नियामक, सरकार, अंडरवैल्यूड होल्डिंग कंपनियां, प्रीमियमाइजेशन, ट्रेंड्स सस्टेनेबल, इनोवेशन और टेक्नोलॉजिकल डिप्रेप्शनसंगठित बदलाव, नए और उभरते क्षेत्र सहित 10 अलग-अलग उप.रणनीतियां शामिल हैं। सीईओ विराज गांधी ने कहा कि सैमको म्यूचुअल फंड में हमारा मिशन निवेशकों को अत्याधुनिक और विश्वसनीय वित्तीय समाधानों के साथ सशक्त बनाना है। गतिशीलता और अनुकूलनशीलता सैमको स्पेशल अपॉर्चुनिटीज फंड के मूल में हैं। हमारा फंड डायनेमिक फ्लेक्सिबिलिटी का उदाहरण हैए जो निवेश जगत में क्षेत्रों और विषयों के लगातार बदलते परिदृश्य को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। सैमको म्यूचुअल फंड के सीआईओ उमेशकुमार मेहता कहते हैं कि कर दक्षता सैमको स्पेशल अपॉर्चुनिटीज फंड की एक और आधारशिला है।

टूटॉक्स पूरे विश्व को जोड़ेगा

लखनऊ। दुनिया का एक प्रमुख विश्वस्तरीय दूरसंचार मंच, टू कॉलर, दुनिया भर के लोगों से जुड़ने और संबद्ध होने के लिए टूटॉक समुदाय की पेशकश की घोषणा करता है। यह समुदाय ट्रूकॉलर के उपयोगकर्ताओं को एक.दूसरे के साथ बात.चीत करनेए फीडबैक प्रदान करने, नई सुविधाओं के लिए सुझाव डालने नए से नए घोटालों के बारे में सूचित रहने अपनी समस्याओं के लिए तुरंत सहयोग प्राप्त करनेए टूकॉलर के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने और अपने व्यक्तिगत अनुभवों के बारे में बताने के लिए एक प्लेटफॉर्म के रूप में भी कार्य करता है। कोई भी व्यक्ति एक वैध ईमेल एड्रेस और प्रदर्शित किए जाने वाले नाम के साथ साइन अप करके इस समुदाय का सदस्य बन सकता है। टू टॉक से जुड़ने के लिए यह आवश्यक नहीं किआप ट्रूकॉलर के उपयोगकर्ता होंए यद्यपि हमारे 383 मिलियन से अधिक ट्रूकॉलर उपयोगकर्ता ऐप के भीतर एक शॉर्टकट से तुरंत ट्रूटॉक तक पहुँच प्राप्त कर सकते हैं।

एनआईए ने 2019 से अब तक करीब 400 संपत्तियां कुर्क की, अधिकतर आतंकवादियों और नक्सलियों की

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने विभिन्न खातो और करोड़ो रुपए की नकदी सहित करीब 400 संपत्तियां 2019 से अब तक कुर्क की है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होने बताया कि कुर्क की गई संपत्तियो मे अधिकतर आतंकवादियो, नक्सलियों, अलगाववादियो और उनके समर्थको की है। अधिकारियों ने बताया कि जब्त और कुर्क की गई 403 संपत्तियों में से सबसे अधिक 206 संपत्तियो को संघीय जांच एजेंसी की रांची शाखा ने कुर्क किया है।

राजकीय यात्रा पर चीन पहुंचे पुतिन ने की शी चिनफिंग से मुलाकात

भाषा। बीजिंग

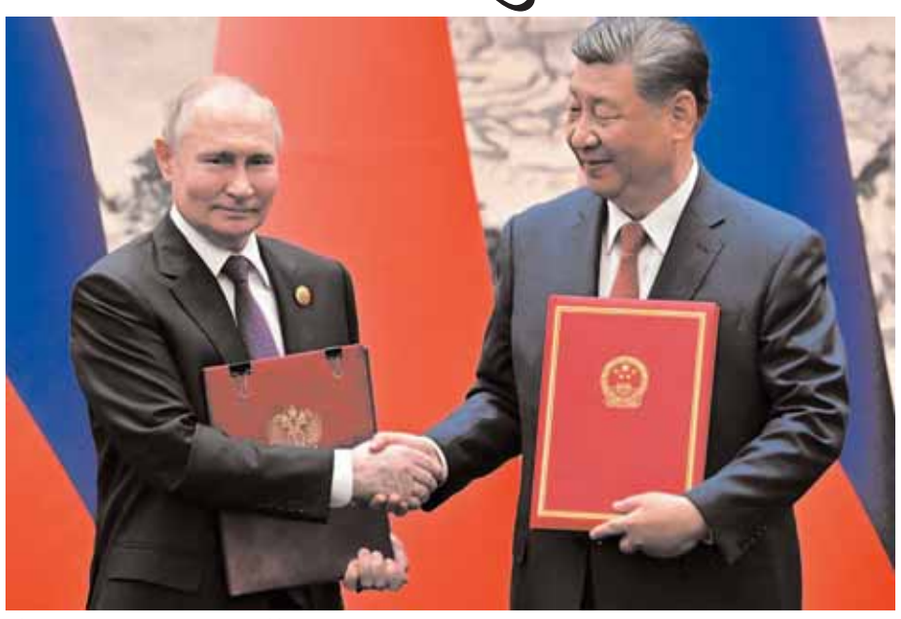

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन ने बृहस्पतिवार को कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध दुनिया के लिए एक स्थिर कारक और अन्य देशों के लिए एक अच्छा उदाहरण बन गए हैं।

सत्ता में पांचवीं बार फिर से चुने जाने के कुछ दिनों बाद पुतिन अपनी पहली विदेश यात्रा पर चीन पहुंचे हैं।

शी ने दो दिवसीय यात्रा पर पुतिन का स्वागत करते हुए कहा कि चीन-रूस राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मनाना एक निर्णायक विषय है।

रूस-यूक्रेन का जिक्र किए बिना उन्होंने कहा, ''यह रिश्ता पड़ोसी देशों के लिए एक-दूसरे के साथ सम्मान और स्पष्टवादिता के साथ व्यवहार करने और दोस्ती तथा पारस्परिक लाभ को आगे बढ़ाने का एक अच्छा उदाहरण बन गया है।''

यूक्रेन युद्ध में रूस के प्रति अपना समर्थन वापस लेने के लिए अमेरिका और यूरोपीय संघ चीन पर दबाव बना रहे हैं।

शी ने कहा कि वह और पुतिन 40 से अधिक बार मिल चुके हैं जिसमें बातचीत के दौरान रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान किया गया है जिससे रिश्तों का मजबूत, स्थिर और सुचारू विकास सुनिश्चित हुआ है।

ची ने कहा, ''चीन-रूस के आपसी संबंध कड़ी मेहनत से बनाए गए हैं जिन्हें दोनों पक्षों द्वारा संजोने और पोषित करने की आवश्यकता है।''

उन्होंने कहा, ''चीन-रूस संबंधों का स्थिर विकास न केवल दोनों देशों और दोनों लोगों के बुनियादी हितों में है बल्कि क्षेत्र और दुनिया भर में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए भी अनुकूल है।''

पुतिन ने अपने भाषण में शी को मेरे प्रिय मित्र कहकर संबोधित किया। उन्होंने कहा, ''यह बुनियादी महत्व की बात है कि रूस और चीन के बीच संबंध अवसरवादी नहीं हैं और किसी के खिलाफ निर्देशित नहीं हैं।

रूसी समाचार एजेंसी तास की एक खबर के अनुसार पुतिन ने कहा, ''वैश्विक मामलों में हमारा सहयोग आज अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में मुख्य स्थिर कारकों में से एक के रूप में कार्य करता है।''

पुतिन ने यह भी कहा कि रूस यूक्रेन पर बातचीत के लिए तैयार है।

चीन की आधिकारिक शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार पुतिन ने कहा, ''हम यूक्रेन पर बातचीत के लिए तैयार हैं, लेकिन ऐसी बातचीत में हमारे अलावा भी संघर्ष में शामिल सभी देशों के हितों को ध्यान में रखा जाना चाहिए।'' पुतिन ने कहा, ''रूस और चीन संयुक्त राष्ट्र, ब्रिक्स, एससीओ और जी20 में सफलतापूर्वक सहयोग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''हम बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव (बीआरआई) की क्षमता को संयोजित करने के लिए यूरेशियन क्षेत्र में एकीकरण प्रक्रियाओं को और अधिक सामंजस्यपूर्ण बनाने की खातिर दृढ़ हैं।

रूसी समाचार एजेंसी तास ने बताया कि पुतिन एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल लेकर आए हैं जिसमें पांच उप प्रधानमंत्री, आर्थिक, राजनयिक और सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों के साथ-साथ सैन्य-तकनीकी सहयोग संघीय सेवा के प्रमुख, रूसी रेलवे, रोसतॉम परमाणु ऊर्जा निगम और रोस्कोस्मोस स्टेट कोरपोरेशन फॉर स्पेस एक्टीविटीज के प्रमुख शामिल हैं।

इस समय खतरे से बाहर हैं स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री फिको, उप प्रधानमंत्री ताराबा ने कहा

एपी। बांस्का बिस्त्रिका (स्लोवाकिया)

स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको बुधवार को हुए एक हमले में कई गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए, लेकिन उप प्रधानमंत्री टॉमस ताराबा ने विश्वास जताया है कि उन्हें (फिको को) कुछ नहीं होगा।

जब प्रधानमंत्री एक कार्यक्रम में समर्थकों का अभिवादन कर रहे थे, उसी दौरान उनकी हत्या करने का प्रयास किया गया। स्लोवाकिया के उप प्रधानमंत्री ताराबा ने बीबीसी से बातचीत में कहा, ''मुझे विश्वास है कि वह बच जाएंगे। इस समय वह खतरे की स्थिति से बाहर हैं।''

सरकारी अधिकारियों ने बताया कि राजधानी से लगभग 140 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में हैंडलोवा शहर में एक सांस्कृतिक केंद्र के बाहर प्रधानमंत्री फिको पर पांच गोलियां चलाई गईं।

फिको के फेसबुक अकाउंट से जारी एक संदेश में बताया गया कि उन्हें हैंडलोवा से 29 किलोमीटर दूर बांस्का बिस्त्रिका में एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है क्योंकि राजधानी ब्रातीस्लावा ले जाने में काफी समय लगता।

यह हमला ऐसे समय हुआ है जब यूरोपीय संसद के लिए सांसदों को चुनने के वास्ते पूरे यूरोप में होने वाले चुनावों से तीन हफ्ते पहले राजनीतिक प्रचार अभियान तेज हो गया है। कुछ विपक्षी नेता अब इस तरह की बात कर रहे हैं कि फिको इस स्थिति का चुनाव में लाभ उठा सकते हैं।

हमला करने के आरोपी ने अकेले ही घटना को अंजाम दिया: स्लोवाकिया के गृह मंत्री माटुस सुताज एस्टोक ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको पर गोलीबारी करने वाले हमलावर ने अकेले ही इस घटना को अंजाम दिया।प्रधानमंत्री पर इस जानलेवा हमले ने इस छोटे से मध्य यूरोपीय देश को सकते में डाल दिया है जहां नेता हमले के लिए अत्यंत राजनीतिक ध्रुवीकरण को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं जिसने देश को विभाजित कर दिया है।

गृह मंत्री एस्टोक ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हमले के लिए जिस व्यक्ति पर आरोप लगाया गया है उसका किसी भी राजनीतिक समूह से जुड़ाव नहीं रहा है।

प्रधानमंत्री फिको पर बुधवार को एक सांस्कृतिक केंद्र के बाहर पांच गोलियां चलाई गईं जहां वह समर्थकों से मिल रहे थे। फिको का उपचार किया जा रहा है।

स्लोवाकिया की निवर्तमान राष्ट्रपति ज़ुज़ाना कैपुतोवा को स्लोवाकिया के ब्रातिस्लावा में राष्ट्रपति भवन में निर्वाचित राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी के साथ संयुक्त प्रेस वक्तव्य के दौरान बोलती हुई, अस्पताल के एक अधिकारी ने कहा कि स्लोवाकिया के प्रधान मंत्री रॉबर्ट फ़िको गुरुवार को गंभीर लेकिन स्थिर स्थिति में थे।

राजनेता देश में शांति बनाए रखने का आह्वान कर रहे हैं

एपी। बांस्का बिस्त्रिका (स्लोवाकिया)

प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको पर बुधवार को हुए घातक हमले के बाद स्लोवाकिया के राजनेताओं ने मध्य यूरोपीय देश में शांति का आह्वान किया है।

अस्पताल के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को कहा कि फिको की हालत गंभीर लेकिन स्थिर बनी हुई है। गृह मंत्री मातुस सुताज एस्तोक ने बुधवार को कहा कि प्रारंभिक जांच में फिको पर हमले के पीछे स्पष्ट राजनीतिक मकसद पाया गया।

फिको पर एक सांस्कृतिक केंद्र के बाहर पांच गोलियां चलाई गईं जहां वह समर्थकों से मिल रहे थे।

फ़िको की जान लेने का प्रयास बुधवार को ऐसे समय में हुआ जब हजारों प्रदर्शनकारी उनकी नीतियों का विरोध करने के लिए राजधानी और देश भर में रैलियां कर रहे हैं। यह घटना यूरोप में होने वाले संसदीय चुनावों से ठीक पहले सामने आई है।

फिको की राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी, निवर्तमान राष्ट्रपति जुजाना कैपुतोवा ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश के राजनीतिक दलों के प्रमुख शांति बनाए रखने के प्रयास के लिए बैठक करेंगे।

कैपुतोवा ने राजधानी ब्रातिस्लावा में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम हर किसी से जिम्मेदारपूर्वक व्यवहार करने का आह्वान करना चाहते हैं।''

निज्जर की हत्या के संदेह में गिरफ्तार भारतीय को कनाडा की अदालत में पेश किया गया

भाषा। ओटावा

खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से जुड़े मामले में गिरफ्तार भारतीय नागरिक अमनदीप सिंह को कनाडा की अदालत के समक्ष बुधवार को पेश किया गया। अदालत ने उसे 21 मई को दोबारा पेश करने का निर्देश दिया है।

इस चर्चित मामले में अमनदीप सिंह, तीन अन्य लोगों के साथ सह आरोपी है। निज्जर की हत्या के मामले को लेकर भारत और कनाडा के रिश्तों में तनाव पैदा हो गया है।

स्थानीय मीडिया ने बताया कि अमनदीप सिंह (22) को वीडियो कान्फ्रेंस के जरिए बुधवार को सरे की अदालत में पेश किया गया जिसके बाद न्यायधीश ने मामले की सुनवाई अगले सप्ताह के लिए टाल दी।

निज्जर (45) की पिछले साल 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में स्थित गुरु नानक सिख गुरुद्वारा के सामने गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

अमनदीप पर 11 मई को हत्या और हत्या करने की साजिश रचने का अभियोग लगाया गया। इससे करीब एक सप्ताह पहले करण बराड़ (22), कमलप्रीत सिंह(22) और करणप्रीत सिंह (28) के खिलाफ भी इसी तरह का अभियोग लगाने की घोषणा की गई थी।

अमनदीप को ओंटारियो से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से सरे की अदालत में पेश किया गया। वह पहले ही हथियार के मामले में पील क्षेत्रीय पुलिस की हिरासत में है।

न्यायाधीश ने कहा कि मामले की अगली सुनवाई 21 मई को होगी और तब उसे निज्जर की हत्या की साजिश रचने के तीन अन्य आरोपियों के साथ पेश किया जाए।

अमनदीप की पेशी में तकनीकी कारणों से देरी हुई। उसकी पेशी से पहले अदालत कक्ष के बाहर करीब दो दर्जन लोग खालिस्तान के समर्थक झंडे लेकर खड़े थे।

पुलिस के मुताबिक अमनदीप, करण बराड़, कमलप्रीत सिंह और करणप्रीत सिंह भारतीय नागरिक हैं। अमनदीप कनाडा के ब्रैम्पटन, एबॉट्सफ़ोर्ड और सरे में अपना समय बिताता था।

कनाडियाई मीडिया के मुताबिक आरोपी उस हमलावर दस्ते के सदस्य थे जिनके बारे में माना जा रहा है कि भारत सरकार ने उन्हें निज्जर की हत्या करने का जिम्मा सौंपा था।

सीबीसी न्यूज की खबर के अनुसार, निज्जर की मौत के समय अमनदीप पहले से ही कनाडा में कानूनी मामलों में फंस गया था।

खबर के अनुसार, अस्थाई वीजा पर कनाडा में आया भारतीय नागरिक, गुरु नानक सिख गुरुद्वारे के प्रवेश द्वार पर निज्जर की हत्या के लिए इंतजार करने से ठीक दो दिन पहले एक असंबद्ध मामले पर आरोपों का जवाब देने के लिए सरे की अदालत में पेश हुआ था।

अमनदीप को मार्च 2023 में पुलिस की गिरफ्त से फरार होने के बाद जारी वारंट के आधार पर सरे से गिरफ्तार किया गया था। उसे पुलिस के चंगुल से भागने और खतरनाक तरीके से वाहन चलाने के आरोप में पहली बार 16 जून 2023 को अदालत में पेश किया गया था।

पाकिस्तान में मनाई गई स्वतंत्रता सेनानी सुखदेव की जयंती

भाषा। लाहौर

लाहौर उच्च न्यायालय के वकीलों के एक समूह ने बुधवार को स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह के साथी सुखदेव की 117वीं जयंती मनाई और पाकिस्तान सरकार से महान स्वतंत्रता सेनानियों को राष्ट्रीय नायकों का दर्जा देने की मांग की।

भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन से जुड़े वकील लाहौर उच्च न्यायालय के परिसर में एकत्र हुए और स्वतंत्रता सेनानी सुखदेव की जयंती के अवसर पर केक काटा गया।

इस अवसर पर एक प्रस्ताव भी पारित किया गया जिसमें लाहौर में एक सड़क का नाम सुखदेव के नाम पर रखने की मांग की गई। इसमें यह मांग भी की गई कि स्कूली पाठ्यक्रम में उन पर एक अध्याय शामिल किया जाना चाहिए और उनके नाम पर एक विशेष डाक टिकट या सिक्का जारी किया जाना चाहिए।

सुखदेव का जन्म 15 मई 1907 को पंजाब के लुधियाना में हुआ था।

कार्यक्रम के दौरान फाउंडेशन के अध्यक्ष इम्तियाज रशीद कुरैशी ने कहा कि समूह गर्व से इन स्वतंत्रता सेनानियों की जयंती और पुण्यतिथि मनाता है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान सरकार को भी उनके बलिदान को स्वीकार करना चाहिए और उन्हें देश का राष्ट्रीय नायक घोषित करना चाहिए।

ब्रिटिश सरकार ने शासन के खिलाफ साजिश रचने के आरोप में 23 मार्च, 1931 को भगत सिंह को राजगुरु और सुखदेव के साथ लाहौर में फांसी दे दी गई थी।

बाइडन प्रशासन को गाजा पर युवाओं की आवाज सुननी चाहिए : भारतीय-अमेरिकी छात्राएं

भाषा। वाशिंगटन

भारतीय मूल की दो अमेरिकी छात्राओं ने कहा है कि जो बाइडन प्रशासन को गाजा में युद्ध को लेकर युवाओं की आवाज सुननी चाहिए।

छात्राओं ने इजराइल का समर्थन न करने की मांग को लेकर पूरे अमेरिका में कॉलेज परिसरों में चल रहे विरोध प्रदर्शन के पक्ष में यह बात कही है।

इजराइल-हमास युद्ध को लेकर विरोध प्रदर्शन हाल के हफ्तों में अमेरिकी विश्वविद्यालयों और कॉलेज परिसरों में फैल गया है। इस वजह से शैक्षणिक गतिविधियों में व्यवधान उत्पन्न हुए हैं और कई प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है।

पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय की छात्रा आरा संपत ने एक साक्षात्कार में पीटीआई-भाषा से कहा, ''बहुत सारे छात्र वर्तमान में विभिन्न प्रकार के धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी मांग है कि शिक्षण संस्थान इजराइल से अपने संबंध तोड़ लें।''

गत वर्ष सात अक्टूबर को हमास के हमले और इजराइल के जवाबी हमले के बाद से छात्रों ने युद्ध के खिलाफ रैलियां, धरने, अनशन किए हैं और हाल ही में तंबू गाड़कर शिविर लगाकर भी प्रदर्शन किए हैं।

वे मांग कर रहे हैं कि उनके संस्थान आर्थिक रूप से इजराइल से अलग हो जाएं, जिनमें से कई बड़े पैमाने पर उसे चंदा देते हैं।

कई छात्रों ने अपने विश्वविद्यालयों से इजराइली संस्थानों के साथ शैक्षणिक संबंध भी समाप्त करने की मांग की है।

बाल्टीमोर निवासी छात्रा श्रेया श्रीवास्तव ने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि बाइडन प्रशासन हमें समझे और सुने तथा हमारा दमन जारी न रखे। उसे वास्तव में यह समझना चाहिए कि हम क्या चाहते हैं।

उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, मुझे लगता है आप छात्रों पर जितना अत्याचार करेंगे, जितना पीछे हमें धकेलेंगे, उतना ही हम भी पीछे धकेलेंगे। तो, ए सभी कानूनी कार्वाई जो हो रही हैं, जितना अधिक विश्वविद्यालय वर्तमान स्थिति से दूर जाने की कोशिश कर रहे हैं, यह हमारे अंदर और अधिक जुनून जगा रहा है।

अमेरिकी सैनिकों ने गाजा में सहायता पहुंचाने के लिए तैरता पोतघाट बनाया

एपी। वाशिंगटन

अमेरिकी सेना ने बृहस्पतिवार को गाजा पट्टी में एक तैरता पोतघाट तैयार किया और इसके साथ ही इस युद्धग्रस्त क्षेत्र में बेहद जरूरी मानवीय सहायता सामग्री पहुंचाने का मार्ग भी प्रशस्त हो गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यह इलाका बीते सात महीने से इजराइल व हमास के बीच जारी लड़ाई से जूझ रहा है।

फलस्तीन के लोगों के समक्ष भोजन एवं अन्य वस्तुओं की आपूर्ति की गंभीर समस्या पैदा होने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भूखमरी का सामना कर रहे वहां के लोगों की मदद करने का निर्देश दिया था। इसके दो महीने से अधिक समय बाद अमेरिकी सेना ने उन तक मदद पहुंचाने के लिए यह पोतघाट बनाया है।

इजराइल ने हाल ही में मिस्र की सीमा पर स्थित प्रमुख रफह सीमा की घेराबंदी कर दी है (जिससे संकटग्रस्त लोगों तक पहुंच बंद है)।

साजो-सामान, मौसम और सुरक्षा चुनौतियों से जूझ रहे गाजा क्षेत्र में समुद्री मार्ग से सहायता पहुंचाने के लिए यह पोतघाट तैयार किया गया है।

सहायता नौकाओं को गाजा शहर के दक्षिण-पश्चिम में इजराइलियों द्वारा निर्मित एक बंदरगाह सुविधा पर जमा किया जाएगा और फिर सहायता समूहों के माध्यम से इसे वितरित किया जाएगा।

संयुक्त राष्ट्र के एक अधिकारी ने बताया कि रफह के बाहरी इलाके में फलस्तीनी उग्रवादियों और इजराइल की सेना के बीच जारी जबर्दस्त गोलीबारी के कारण करीब छह लाख लोग विस्थापित हो गए हैं, जो गाजा की जनसंख्या का एक चौथाई है।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा एक लाख अन्य नागरिक उत्तरी गाजा से निकल गए हैं, जहां इजराइल की सेना ने अब हमले शुरू कर दिए हैं।

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन के अधिकारियों ने बताया कि गाजा में जारी संघर्ष से सहायता के लिए बनाए गए समुद्री मार्ग को कोई खतरा नहीं है, लेकिन उन्होंने यह स्पष्ट किया कि सुरक्षा स्थिति की करीब से निगरानी की जाएगी और (जरूरत पड़ने पर) अस्थाई रूप से ही सही, इस पोतघाट को बंद किया जा सकता है।

चीन कर रहा है एआई का दुरुपयोग, पहले एआई संवाद में अमेरिका ने कहा

एपी। जिनेवा

जिनेवा में प्रौद्योगिकी को लेकर हुई बैठक के एक दिन बाद अमेरिका के अधिकारियों ने चीन द्वारा कृत्रिम मेधा (एआई) के दुरुपयोग को लेकर चिंता व्यक्त की तो वहीं बीजिंग के प्रतिनिधियों ने प्रतिबंधों और दबाव को लेकर अमेरिका की आलोचना की। उच्च-स्तरीय दूतों के बीच बंद कमरे में हुई बातचीत में एआई के जोखिमों और इसे प्रबंधित करने के तरीकों को शामिल किया गया था। इस बातचीत के सारांश ने संकेत दिया है कि तेजी से आगे बढ़ने वाली प्रौद्योगिकी पर चीन और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ गया है। यह द्विपक्षीय संबंधों में टकराव का एक और मुद्दा बन गया है।

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की प्रवक्ता एड्रिएन वॉटसन ने एक बयान में कहा, चीन और अमेरिका ने एक दिन पहले ''स्पष्ट और रचनात्मकै चर्चा में'' एआई सुरक्षा और जोखिम प्रबंधन के लिए अपने-अपने दृष्टिकोण का आदान-प्रदान कियौ। बीजिंग ने कहा कि दोनों पक्षों ने ''गहनता के साथ पेशेवर और रचनात्मक रूप सै विचारों का आदान-प्रदान किया।

एआई पर इस तरह की पहली अमेरिका-चीन वार्ता सैन फ्रांसिस्को में राष्ट्रपति जो बाइडन और शी चिनफिंग के बीच नवंबर में हुई बैठक का परिणाम थी।

वॉट्सन ने चीन का जिक्र करते हुए कहा कि अमेरिका ने एआई के दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त की है। उसके मुताबिक दुरुपयोग करने वालों में चीन भी शामिल है। उन्होंने हालांकि इस बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी कि यह दुरुपयोग किस प्रकार का है।

इस बीच चीन ने उसके खिलाफ ''कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में अमेरिकी प्रतिबंधों और दबाव पर सख्त रुख व्यक्त कियौ। चीन के विदेश मंत्रालय के उत्तरी अमेरिकी और ओशियान मामलों के विभाग ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में यह बात कही।

कुछ अमेरिकी सांसदों ने चिंता व्यक्त की है कि चीन राजनीतिक दुष्प्रचार के लिए एआई-जनित डीपफेक के उपयोग का समर्थन कर सकता है।

कोई विपक्षी नेता मोदी की ऊर्जा का मुकाबला नहीं कर सकता: भारतीय अमेरिकी कारोबारी

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका में भारतीय मूल के एक जानेमाने समाजसेवी और कारोबारी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एकमात्र नेता हैं जो अपने चुनावी भाषणों में भारत के भविष्य की बात कर रहे हैं और विपक्षी खेमे में कोई नेता उनकी ऊर्जा और सक्रियता का मुकाबला नहीं कर सकता।

भारतीय अमेरिकी कारोबारी सुरेश वी शिनॉय ने पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था नई ऊंचाइयां छू रही है और इसके साथ देश में अवसर ही अवसर हैं।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के पूर्व छात्र शिनॉय ने कहा, मैं भारत के चुनावों में देख पा रहा हूं कि मोदी ही एकमात्र व्यक्ति हैं जो भविष्य की बात कर रहे हैं। वह बात कर रहे हैं कि प्रौद्योगिकी का उपयोग कैसे करना है।

उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा, मैं कोई हिंदूवादी व्यक्ति नहीं हूं। मुझे लगता है कि यह तो राजनीतिक चर्चा का विषय है। लेकिन भारत ने पिछले 10 साल में आर्थिक स्तर पर जो उपलब्धि हासिल की हैं, उन्हें देखिए। ए असाधारण हैं। वे अब दुनिया में चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं।

शिनॉय ने कहा कि भारत में अब भी 80 करोड़ लोग हैं जिन्हें अवसरों की जरूरत है और जिनकी आकांक्षाएं हैं। उन्होंने कहा, इसलिए, भारत को एक बड़ी आबादी के लिए अवसर पैदा करते रहने होंगे।

उन्होंने कहा, भारत में अवसरों और भविष्य की बात हो रही है और कैसे इनका लाभ उठाना है, यह बात हो रही है। अमेरिका में यह बात होती है कि हमारे पास समृद्धि है, हमारे पास वैश्विक नेतृत्व है और इसे कैसे बनाकर रखना है? शिनॉय ने कहा कि अमेरिका में पिछले कुछ वर्षों में कितने राजनीतिक भाषणों में लोगों ने यह बात सुनी है कि 2020, 2028 या 2032 में जीवनस्तर कैसा होगा। उन्होंने कहा, बहुत कम में। वे केवल आज की बात कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, लेकिन अगर आप नेता हैं तो आपको आज से 10 साल बाद की तस्वीर प्रस्तुत करनी होगी। भारतीय राजनीति में अन्य कुछ (विपक्षी) नेता इस तरह का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि वे लड़खड़ा रहे हैं क्योंकि वे मोदी की ऊर्जा और सक्रियता का मुकाबला नहीं कर पा रहे।

मोदी भारत और भारतीयों की छवि बदल रहे हैं, वह एक वैश्विक नेता है

भाषा। वाशिंगटन

भारतीय-अमेरिकी समुदाय के एक प्रतिष्ठित नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पिछले 10 साल के कार्यकाल के दौरान विदेशों में भारत की छवि बदल दी है और एक सच्चे वैश्विक नेता के रूप में उभरे हैं।

फिलाडेल्फिया निवासी भारतीय-अमेरिकी हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ बिंदुकुमार कंसुपाड़ा ने बुधवार को पीटीआई-भाषा को दिए गए एक साक्षात्तकार में कहा, मोदी जी न केवल भारत में बल्कि विश्व में भारतीयों की छवि बदल रहे हैं। उन्हें अब एक वैश्विक नेता माना जाता है... मेरा मानना है कि मोदी भारतीय गौरव, भारतीय संस्कृति, योग का प्राचीन भारतीय ज्ञान और आयुर्वेद को पुनर्जीवित कर रहे हैं।

डॉ. कंसुपाड़ा डेमोक्रेटिक थिंक टैंक इंडियन अमेरिकन इंपैक्ट के वार्षिक सम्मेलन देसीस डिसाइड में शामिल हुए थे और अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने बुधवार को इस कार्यक्रम में मौजूद भारतीय-अमेरिकियों को संबोधित किया था।

डॉ बिंदुकुमार व्हील्स ग्लोबल फाउंडेशन के निदेशक मंडल के सदस्य भी हैं।

उन्होंने कहा, मेरी नजर में मोदी जी ने सबसे पहले शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कदम उठाए हैं। जब मैं मेडिकल कॉलेज में पढ़ता था तो उस दौरान मुंबई में केवल चार मेडिकल कॉलेज थे। अब भारत में 700 से अधिक मेडिकल कॉलेज हैं। हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज है। जहां तक मुझे याद है साल 1970 में भारत में केवल पांच भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) थे और अब करीब 23 आईआईटी हैं।

कंसुपाड़ा ने बताया कि उन्होंने हाल के दिनों में कई बार भारत का दौरा किया है।

भारतीय अमेरिकी डॉक्टर ने कहा, बहुत विकास हुआ है। भारतीय युवाओं में जबरदस्त आत्मविश्वास है। देश में तीर्थ स्थलों का भी विकास हुआ है। मैंने भारत में जितने हवाई अड्डे देखे थे, अब उससे कहीं अधिक हवाई अड्डे हैं। प्रसन्नता सूचकांक में भी सुधार हो रहा है। लोग अधिक आत्मनिर्भर बन गए हैं और मुझे लगता है कि लोगों को भारतीय होने पर गर्व है।

डॉ. कंसुपाड़ा ने कहा कि उन्हें इस बात में कोई हैरानी नहीं होगी कि यदि भारतीय-अमेरिकियों की युवा पीढ़ी को व्यवसाय विकास और सामुदायिक मामलों के लिए कभी-कभी भारत का दौरा करना पड़ सकता है क्योंकि देश अब उत्कृष्टता का केंद्र है।

एक सवाल के जवाब में डॉ. कंसुपाड़ा ने कहा कि मोदी ने भारत के लोगों को गर्व का अहसास कराया है। उन्होंने कहा, मैं उनसे (भारत के लोगों से) सुन रहा हूं कि मध्यम वर्ग के अधिकांश लोग भारत और मोदी से प्यार करते हैं। इसमें मुंबई में रहने वाले मेरे मित्र भी शामिल हैं।

भारतीय-अमेरिकी हृदय रोग विशेषज्ञ ने कहा कि मेरा मानना है कि यदि भारत में लोकसभा चुनाव के बाकी तीन चरणों में और अधिक लोग मतदान करते हैं, तो मोदी जीत जाएंगे।

उन्होंने कहा, वह सभी समुदायों-हिंदू, मुस्लिम, बौद्ध, आदिवासी लोगों के नेता हैं। मुझे लगता है कि वह भारत के सभी पहलुओं का प्रतिनिधित्व करते हैं और मुझे विश्वास है कि वह भारत को एकजुट करेंगे।

गुजरात से मैच धुला, सनराइजर्स प्ले ऑफ में

भाषा। हैदराबाद

सनराइजर्स हैदराबाद ने गुरुवार को यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबला एक भी गेंद फेंके बिना बारिश की भेंट चढ़ने के बाद प्ले ऑफ में जगह सुनिश्चित की। लगातार बारिश के कारण मैच में टॉस भी नहीं हो पाया। मैच शुरू होने का निर्धारित समय सात बजकर 30 मिनट था लेकिन अंपायरों ने अंततः रात 10 बजकर 10 मिनट पर मैच रद्द करने का फैसला किया। प्ले ऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी गुजरात टाइटंस का यह लगातार दूसरा मैच है जो बारिश की भेंट चढ़ा। इससे पहले 13 मई को अहमदाबाद में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ भी टीम का मैच बारिश के कारण एक भी गेंद फेंके बिना रद्द करना पड़ा था। मैच रद्द होने से सनराइजर्स और टाइटंस दोनों को एक-एक अंक मिला। सनराइजर्स के 13 मैच में 15 अंक हो गए हैं और टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। लीग तालिका की निचली सात टीमों में अब सिर्फ चेन्नई सुपरकिंग्स ही 15 या इससे अधिक अंक जुटा सकते हैं जिससे सनराइजर्स की प्ले ऑफ में जगह सुनिश्चित हो गई है। कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स अंक तालिका में अभी क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर हैं और पहले ही प्ले ऑफ में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं। नाइट राइडर्स के 19 जबकि रॉयल्स के 16 अंक हैं। प्ले ऑफ के अंतिम स्थान के लिए अब भी चार टीमें - चेन्नई सुपरकिंग्स (14), रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (12), दिल्ली कैपिटल्स (14) और लखनऊ सुपरजाइंट्स (12) - दावेदार हैं। अगर सुपरजाइंट्स शुक्रवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत जाती है तो उनके 14 अंक हो जाएंगे और उसकी उम्मीद जीवंत रहेगी। लेकिन अगर सुपरकिंग्स की टीम बेंगलुरू की टीम को हरा देती है या शनिवार को मैच रद्द हो जाता है तो चेन्नई की टीम प्ले ऑफ में जगह बना लेगी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू की टीम यदि सुपरकिंग्स को कम से कम 18 रन या 11 गेंद शेष रहते हरा देती है तो वे नेट रन रेट के आधार पर चौथा उपलब्ध स्थान हासिल कर लेंगे क्योंकि उनके दिल्ली, सुपरकिंग्स और सुपरजाइंट्स (यदि वे जीतते हैं) के समान 14 अंक होंगे लेकिन नेट रन रेट बेहतर होगा।

कुंबले ने आईपीएल मैचों के दौरान अधिकतम बाउंड्री रखने की वकालत की

नई दिल्ली। महान स्पिनर अनिल कुंबले को डर है कि अगर क्रिकेट का खेल बल्लेबाजों के पक्ष में झुका रहा तो अगले कुछ वर्षों में काफी अधिक युवा गेंदबाजी करने के लिए तैयार नहीं होंगे। उन्होंने गेंद और बल्ले के बीच संतुलन बहाल करने के लिए आईपीएल स्थलों में जितनी अधिक लंबी संभव हो उतनी बाउंड्री रखने और गेंद में अधिक उभरी हुई सीम रखने वकालत की।मौजूदा सत्र में छोटी बाउंड्री, सपाट पिचों और इंपैक्ट खिलाड़ी नियम के कारण बल्लेबाजी में मदद मिलने के कारण 250 रन से अधिक का स्कोर आठ बार बन चुका है। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर की तरह कुंबले को भी लगता है कि अधिकतम बाउंड्री रखना समय की मांग है। सभी प्रारूपों में भारत के सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज कुंबले ने कहा, यह वास्तव में गेंदबाजों के लिए कठिन रहा है, खासकर टूर्नामेंट के पहले भाग में। मैं निश्चित रूप से मानता हूं कि आपको हर स्थान पर अधिकतम बाउंड्री रखने की जरूरत है। कोशिश करें और स्थल पर सबसे बड़ी बाउंड्री बनाएं। उन्होंने कहा, शुरुआत के लिए, आप डगआउट को स्टैंड में ले जा सकते हैं। मुझे पता है कि आप कुछ सीटें खो देंगे लेकिन ऐसा होता है। फिर दूसरा पहलू यह है कि शायद सफेद गेंद पर थोड़ी अधिक उभरी हुई सीम हो जिससे कि थोड़ी अधिक मूवमेंट हो।

जीत के साथ आईपीएल से विदा लेना चाहेंगे मुंबई और लखनऊ

● आखिरी लीग मुकाबला आज

मुंबई। आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जाइंट्स शुक्रवार को वानखेड़े स्टेडियम पर अपने आखिरी मैच में जीत के साथ टूर्नामेंट से विदा लेने की कोशिश करेंगी। मुंबई इंडियंस काफी पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है जबकि लखनऊ सुपर जाइंट्स अगर आखिरी मैच में भारी अंतर से जीत दर्ज करती है तो भी उसके अंतिम चार में पहुंचने की संभावना नगण्य है। तीन मैचों में लगातार हार से लखनऊ ने अंक भी गंवाए और रनरेट भी खराब हो गया। केकेआर से 98 रन से हार के बाद उसे सनराइजर्स हैदराबाद ने दस विकेट से और दिल्ली कैपिटल्स ने 19 रन से हराया। सातवें स्थान पर काबिज लखनऊ का नेट रनरेट माइनस 0 . 787 है जबकि छठे स्थान की टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू का रनरेट 0 . 387 है। पांच बार की आईपीएल चैम्पियन मुंबई इंडियंस प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम थी। नए कप्तान हार्दिक पंड्या के साथ इस सत्र में टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। अब तक 13 मैचों में बस चार जीत सकी मुंबई इंडियंस शुक्रवार को जीत जाती है तो उसके दस अंक होंगे जिससे वह आखिरी स्थान पर रहने से बच सकती है। सत्र से पहले रोहित शर्मा की जगह पंड्या को कप्तानी सौंपे जाने से मुंबई के प्रशंसकों में काफी आक्रोश था जिसका टीम के प्रदर्शन पर भी असर पड़ा। बल्लेबाजों ने पूरी तरह निराश किया तो गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह (13 मैचों में 20 विकेट)दूसरे गेंदबाजों को अच्छे प्रदर्शन के लिए प्रेरित नहीं कर सके। इस मैच में फोकस विश्व कप टीम में शामिल पंड्या, रोहित , बुमराह और सूर्यकुमार यादव पर रहेगा। रोहित पिछली छह पारियों में नाकाम रहे हैं और उनका सर्वोच्च स्कोर 19 रन रहा।

केएल राहुल ने बल्ले से इस आईपीएल में खराब प्रदर्शन नहीं किया है : क्लूजनर

मुंबई। लखनऊ सुपर जायंट्स के सहायक कोच लांस क्लूजनर ने कहा कि टीम के कप्तान केएल राहुल भले ही थोड़ा हताश हो लेकिन बल्ले से उन्होंने बिल्कुल भी खराब प्रदर्शन नहीं किया है क्योंकि विकेट गिरने के कारण उन्हें अपनी आक्रामकता पर लगाम रखने के लिए बाध्य होना पड़ा। राहुल अपने स्ट्राइक रेट की वजह से वर्षों से रहे हैं और वह 13 मैच में तीन अर्धशतक से 136.36 के स्ट्राइक रेट से इस सत्र में 465 रन बनाकर सातवें सबसे ज्यादा रन जुटाने वाले खिलाड़ी हैं। लेकिन फिर भी लखनऊसुपर जायंट्स की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने की कगार पर है। शुक्रवार को सातवें स्थान पर चल रही लखनऊकी टीम मुंबई इंडियंस से भिड़ेगी जो दोनों टीमों के लिए इस आईपीएल का अंतिम ग्रुप मैच होगा।

हसरंगा आईसीसी टी20 हरफनमौलाओं की रैंकिंग में शाकिब के साथ शीर्ष पर

दुबई। हार्दिक पंड्या टी20 हरफनमौलाओं की आईसीसी रैंकिंग में सातवें स्थान पर बने हुए है जबकि श्रीलंका के स्पिनर वानिंदु हसरंगा बांग्लादेश के शाकिब अल हसन के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए है। पंड्या 185 अंकों के साथ सातवें स्थान पर है। हसरंगा और शाकिब के 228 अंक है। अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी 218 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है जबकि जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा के 210 अंक है। दक्षिण अफ्रीका के एडेन मार्क्रम पांचवें स्थान पर और आस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस छठे स्थान पर है। बल्लेबाजों की रैंकिंग में भारत के सूर्यकुमार यादव 861 अंक लेकर शीर्ष पर हैं जबकि इंग्लैंड के फिल साल्ट 802 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान (781), बाबर आजम (761) और दक्षिण अफ्रीका के मार्क्रम (755) उनके बाद है। भारत के यशस्वी जायसवाल 714 अंक लेकर छठे स्थान पर है। गेंदबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड के स्पिनर आदिल रशीद, हसरंगा और वेस्टइंडीज के अकील हुसैन शीर्ष तीन स्थानों पर है। भारत के अक्षर पटेल चौथे स्थान पर है।

हस्सी को उम्मीद, दो साल और खेलेंगे धोनी

बेंगलुरू। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी कोच माइकल हस्सी को उम्मीद है कि करिश्माई महेंद्र सिंह धोनी अगले दो साल और टीम के साथ रहेंगे क्योंकि वह बेहतरीन बल्लेबाजी कर रहे है। आईपीएल 2024 की शुरूआत से एक दिन पहले रूतुराज गायकवाड़ को कप्तानी सौंपकर 42 वर्ष के धोनी ने सभी को हैरान कर दिया था। हस्सी ने ईएसपीएन के अराउंड द विकेट शो मे कहा , हम उम्मीद कर रहे है कि वह खेलते रहेंगे। वह इतनी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे है। वह शिविर मे जल्दी आकर काफी अभ्यास करते है और पूरे सत्र मे फॉर्म मे रहे है। हम उनके कार्यभार को अच्छे से मैनेज कर पाए है। पिछले सत्र के बाद उनके घुटने का आपरेशन हुआ था। वह टूर्नामेंट के इस सत्र मे शुरूआती चरण से उसे मैनेज कर रहे है। उम्मीद है कि वह दो साल और खेलेंगे। वैसे इस बारे मे फैसला तो वही लेंगे। मुझे नही लगता कि इतनी जल्दी कोई फैसला आएगा। धोनी के कप्तानी छोड़ने के फैसले के बारे मे उन्होंने कहा , एमएस ने कहा कि वह टूर्नामेंट से पहले कप्तानों की बैठक मे भाग नही लेंगे। और हम सब हैरान हो गए कि क्या हो रहा है। फिर उन्होंने कहा कि अब से रूतुराज कप्तान होगा। शुरूआत मे झटका लगा लेकिन हमें पता था कि रूतुराज सही पसंद है।

बधिर और दृष्टिबाधित प्रशंसकों के लिए टी20 विश्व कप की विशेष फीड

मुंबई। वेस्टइंडीज और अमेरिका मे अगले महीने से होने वाले टी20 विश्व कप मे बधिर और दृष्टिबाधित क्रिकेटप्रेमियों के लिए इंडियन साइन लैग्वेज (आईएसएल) और आडियो वर्णन के साथ फीड उपलब्ध कराई जाएगी। आधिकारिकप्रायोजकों डिजनी प्लस हॉटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क ने विशेष प्रसारण की व्यवस्था की है। विश्व कप के दस मैचो के लिए यह व्यवस्था रहेगी जिसमे भारत के सभी मैच, सेमीफाइनल और फाइनल शामिल हैं। प्रसारकों ने कहा कि पहली बार टी20 विश्व कप का प्रसारण आईएसएल और वर्णनात्मक कमेंट्री के साथ होगा जिससे बधिर और दृष्टिबाधित प्रशंसक भी खेल का मजा ले सकेंगे। सूचना और प्रसारण तथा खेलमंत्री अनुराग ठाकुर ने इस पहल का स्वागत किया है। उन्होने एक विज्ञप्ति मे कहा , इस पहल से लाखो दिव्यांग खेलप्रेमियों को खेल का लुत्फ उठाने का मौका मिलेगा। आईएसएल फीड के जरिए लाइव स्ट्रीम पर अनुवादक के जरिए गेंद दर गेंद अपडेट दी जाएगी।

फुटबॉलर छेत्री ने संन्यास का ऐलान किया

● छह जून को विश्व कप क्वालीफायर आखिरी मैच

भाषा। नई दिल्ली

महान खिलाड़ी सुनील छेत्री ने कुवैत के खिलाफ छह जून को फीफा विश्व कप क्वालीफाइंग मैच के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कहने का फैसला लिया है जिससे उनके लंबे और सुनहरे कैरियर पर विराम लग जाएगा। भारतीय टीम के कप्तान छेत्री ने सोशल मीडिया पर डाले वीडियो के जरिए यह घोषणा की। 2005 में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में पदार्पण करने वाले छेत्री ने भारत के लिए 94 गोल किए हैं। उनके नाम भारत के लिए सबसे ज्यादा गोल और सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय मैच है। सक्रिय फुटबॉल खिलाड़ियों में क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेस्सी के बाद उनके नाम सबसे ज्यादा गोल हैं। वह सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में चौथे स्थान पर हैं। 39 वर्ष के छेत्री करीब दो दशक से भारतीय फुटबॉल को अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनके योगदान को इससे आंका जा सकता है कि आज भी भारतीय टीम गोल के लिए पांच फुट सात इंच के इस फॉरवर्ड पर निर्भर करती है।

खेल जगत ने छेत्री के संन्यास पर कहा, खेल का असली लीजेंड

नई दिल्ली। चैम्पियन फुटबॉलर सुनील छेत्री के बृहस्पतिवार को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा के बाद खेल जगत के दिग्गजों ने उनकी उपलब्धियों की सराहना की जिसमें विराट कोहली, 2011 विश्व कप के नायक युवराज सिंह और स्टार फुटबॉलर बाईचुंग भूटिया शामिल है। लंबे समय से राष्ट्रीय टीम की कप्तानी कर रहे छेत्री ने छह जून को कोलकाता में कुवैत के खिलाफ फीफा विश्व कप क्वालीफाइंग मैच के बाद संन्यास की घोषणा की। छेत्री के इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो पर प्रतिक्रिया करते हुए कोहली ने उन्हें अपना अच्छा मित्र बताते हुए लिखा, मेरे भाई, तुम पर फक्र है। युवराज ने उन्हें लीजेंड करार करते हुए कहा कि 39 वर्ष के खिलाड़ी की 150 राष्ट्रीय मैच खेलने की लंबी विरासत लंबे समय तक बरकरार रहेगी। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, खेल का सही मायने में लीजेंड जिसने भारतीय फुटबॉल को वैश्विक मंच तक पहुंचाया। आपके जुनून ने एक पीढ़ी को इस खेल में आने के लिए प्रेरित किया है। भारतीय खेलों में आपकी विरासत हमेशा याद रहेगी। अब आप अपना विदाई मैच खेलने के लिए तैयार हो तो आप गर्व के साथ मुड़कर देख सकते हो। शुक्रिया लीजेंड। महान भारतीय स्ट्राइकर भूटिया ने पीटीआई से कहा कि यह भारतीय फुटबॉल के लिए बहुत बड़ा नुकसान है। पूर्व भारतीय कप्तान भूटिया ने कहा, इसमें कोई शक नही कि सुनील भारत के महानतम खिलाड़ियों में से एक है। भारतीय फुटबॉल के लिए उसका योगदान बहुत ज्यादा है। भारतीय फुटबॉल के लिए यह बड़ा नुकसान होगा। भूटिया ने कहा, मैं भाग्यशाली हूं कि सीनियर खिलाड़ी के तौर पर उसके साथ खेला। जब मैं आया था तो आई एम विजयन मेरे सीनियर थे और मेरे बाद सुनील आया। मै बहुत भाग्यशाली हूं कि भारतीय फुटबॉल की अगुआई करने वाले दो दिग्गजों के बीच में मैने टीम की कप्तानी की थी।

छेत्री खेलते हुए ही महान खिलाड़ी बन गया : स्टिमक

भुवनेश्वर। भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने कहा कि केवल कुछेक फुटबॉलर ही खेलने के दिनों में महान खिलाड़ी बनते है और छह जून को संन्यास लेने वाले करिश्माई कप्तान सुनील छेत्री इनमें से एक है। छेत्री ने कुवैत के खिलाफ छह जून को फीफा विश्व कप क्वालीफाइंग मैच के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कहने का फैसला लिया है। स्टिमक ने एआईएफएफ डॉट कॉम से कहा, वह बेहतर तरीके से जानता है कि वह कैसा महसूस कर रहा है और ऐसा करने का उचित समय कब है। मै सिर्फ यही चाहता हूं कि उसके लिए और सभी भारतीय फुटबॉल प्रशंसकों के लिए छह जून को बहुत यादगार बनाने के लिए हम सबकुछ करें। वह खेलने के दौरान ही महान खिलाड़ी बन गया और ऐसा कुछेक खिलाड़ी ही कर सकते है।

कड़ी मेहनत, जुनून और दक्षता के कारण छेत्री अन्य खिलाड़ियों से अलग : भूटिया

नई दिल्ली। पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया को लगता है कि संन्यास लेने वाले भारतीय फुटबॉल कप्तान सुनील छेत्री अपनी कड़ी मेहनत, जुनून और पेशेवर रवैए से अपनी पीढ़ी के अन्य खिलाड़ियों से अलग हैं जिसकी बदौलत वह आइकन खिलाड़ी बन गए हैं। छेत्री (39 वर्ष) ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि वह छह जून को कोलकाता में कुवैत के खिलाफ फीफा विश्व कप क्वालीफाइंग मैच के बाद संन्यास ले लेंगे। भूटिया ने पीटीआई से कहा, उनकी कड़ी मेहनत, जुनून, समर्पण और सच्चा पेशेवर रवैया, उनका फोकस और हर दिन बेहतर करने का जज्बा ही उन्हें अन्य खिलाड़ियों से अलग बनाता है। जब वह युवा था तो वह हमेशा सीखने का इच्छुक रहता था और बेहतर करने के लिए जो संभव हो, वो सब करता था। सुनील ने भारतीय फुटबॉल को अपनी बहुत सेवाएं दी हैं और उसका योगदान अपार है। उनका संन्यास लेना भारतीय फुटबॉल के लिए बहुत बड़ा नुकसान है। वह भारत के महानतम खिलाड़ियों में से एक रहेगा।

निकहत सहित चार भारतीय महिला मुक्केबाज एलोर्डा कप के फाइनल में

भाषा। अस्ताना (कजाखस्तान)

मौजूदा विश्व चैंपियन निकहत जरीन ने गुरुवार को यहां कजाखस्तान की टोमिरिस मिर्जाकुल को 5-0 से हराकर एलोर्डा कप मुक्केबाजी टूर्नामेंट में महिलाओं के 52 किग्रा वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया। निकहत के अलावा मीनाक्षी (48 किग्रा), अनामिका (50 किग्रा) और मनीषा (60 किग्रा) ने भी आसानी से फाइनल में जगह बना ली। मीनाक्षी और मनीषा ने अपने सेमीफाइनल मुकाबलों में समान दबदबे वाला प्रदर्शन करते हुए कजाखस्तान की मुक्केबाजों क्रमशः गुलनाज बुरीबाएवा और तंगतार असेम के खिलाफ 5-0 के समान अंतर से जीत दर्ज की। दूसरी ओर अनामिका को विजई घोषित किया गया क्योंकि उनकी प्रतिद्वंद्वी कजाखस्तान की गुलनार तुरापबे को तीन चेतावनियों के बाद विरोधी को अत्यधिक पकड़ने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया। हालांकि सोनू (63 किग्रा) और मंजू बंबोरिया (66 किग्रा) को सेमीफाइनल में हार के साथ कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। सोनू को उज्बेकिस्तान के जीदा याराशेवा के खिलाफ कड़े मुकाबले में 2-3 से शिकस्त झेलनी पड़ी जबकि मंजू को चीन की लियू यैंग के खिलाफ 0-5 से एकतरफा हार का सामना करना पड़ा।फाइनल शनिवार को खेले जाएंगे।

एक बार काम पूरा हो गया तो चला जाऊंगा, फिर कुछ समय नजर नहीं आऊंगा : कोहली

भाषा। बेंगलुरू

भारत के सुपरस्टार बल्लेबाज विराट कोहली को पता है कि वह हमेशा खेलते नहीं रह सकते लेकिन विदा लेने से पहले वह अपना सबकुछ क्रिकेट कैरियर को देना चाहते हैं और उनका कहना है कि एक बार जाने के बाद वह कुछ समय नजर भी नहीं आएंगे। कोहली आईपीएल में इस सत्र में अब तक का रिकॉर्ड आठवां शतक जड़ चुके हैं। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के लिए 13 मैचों में 661 रन बनाए हैं। आरसीबी द्वारा सोशल मीडिया पर डाले गए वीडियो में 35 वर्ष के कोहली ने कहा कि मलाल के बिना जीने की ललक ही उनकी प्रेरणा है। कोई भी काम अधूरा नहीं छोड़ना चाहता ताकि बाद में कोई पछतावा नहीं हो। एक बार काम पूरा हो जाए तो मैं चला जाऊंगा और फिर कुछ समय नजर नहीं आऊंगा। जब तक मैं खेल रहा हूं, अपना सब कुछ खेल को देना चाहता हूं। यही मेरी प्रेरणा है। कोहली ने कहा , हर खिलाड़ी के कैरियर का अंतिम समय आता है। मैं भी हमेशा खेलता नहीं रहूंगा लेकिन मैं इस सोच के साथ विदा नहीं लेना चाहता कि अगर मैंने उस दिन ऐसा किया होता तो अच्छा होता। कोहली अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप में भारतीय टीम के सदस्य हैं। कोहली ने भारत के लिए 113 टेस्ट, 292 वनडे और 117 टी20 मैच खेलकर 26000 से अधिक रन बनाए हैं। टी20 विश्व कप में उनके नाम 1141 रन हैं। भारत टी20 विश्व कप में ग्रुप ए में पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा और अमेरिका के साथ है। भारत को पांच जून को न्यूयॉर्क में पहला मैच आयरलैंड से खेलना है।

क्रिकेट का टी20 परफेक्ट प्रारूप : बोल्ट

नई दिल्ली। फर्राटा के शहंशाह उसेन बोल्ट को पिता से क्रिकेट का जुनून विरासत में मिला है लिहाजा उनके खून में है और उनका पसंदीदा प्रारूप टी20 है। आठ ओलंपिक स्वर्ण जीत चुके बोल्ट जमैका में बचपन के दिनों में तेज गेंदबाज बनना चाहते थे। अगले महीने से होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के दूत बोल्ट का क्रिकेट से जुड़ने का सपना आखिर किसी रूप में साकार हुआ। बोल्ट ने न्यूयॉर्क से पीटीआई को फोन पर दिए इंटरव्यू में कहा , मैं क्रिकेट देखकर बड़ा हुआ हूं। मेरे पिता क्रिकेट के शौकीन रहे हैं और आज भी हैं। यह मेरे खून में है। मैं क्रिकेट से दूत के रूप में जुड़ रहा हूं जो शानदार है। क्रिकेटर बनने का मेरा सपना तो पूरा नहीं हुआ लेकिन टी20 विश्व कप का दूत होना शानदार है। अपने सात साल के कैरियर में 100 और 200 मीटर के विश्व रिकॉर्डधारी बोल्ट अनेक उपलब्धियां हासिल कर चुके हैं।पिछले कुछ महीने संगीत और फुटबॉल का अपना शौक पूरा करने के लिए दुनिया घूमने वाले बोल्ट को टीवी पर क्रिकेट और आईपीएल देखने का मौका नहीं मिला। मैं उतना क्रिकेट नहीं देख सका लेकिन जब भी मौका मिलता है, मैं टी20 मैच देखता हूं। यह मेरा पसंदीदा प्रारूप है। इसमें आपको मजबूत, तेज और अच्छी रणनीति बनाने में माहिर होना पड़ता है। इसमें टेस्ट और वनडे दोनों का जादू देखने को मिलता है।

पेरिस 2024: शरत, मनिका ओलंपिक टीम पदार्पण में भारत का नेतृत्व करेंगे

नई दिल्ली। अनुभवी शरत कमल और दुनिया की 24वें नंबर की खिलाड़ी मनिका बत्रा पेरिस खेलों में क्रमशः भारतीय पुरुष और महिला टीम का नेतृत्व करेंगे जहां देश टीम स्पर्धाओं में ओलंपिक में पदार्पण करेगा। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) की सीनियर चयन समिति ने गुरुवार को ओलंपिक मानदंडों के अनुसार छह सदस्यीय टीम (प्रत्एक वर्ग में तीन) का चयन किया। इसके अलावा एकल स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा करने वाले खिलाड़ियों का भी चयन किया गया। शरत, हरमीत देसाई और मानव ठक्कर को तीन सदस्यीय पुरुष टीम में जगह मिलेगी जबकि मनिका, श्रीजा अकुला और अर्चना कामथ महिला वर्ग में टीम के सदस्य होंगे। प्रत्एक वर्ग में वैकल्पिक खिलाड़ी जी साथियान और आयहिका मुखर्जी होंगे। पुरुष एकल में शरत और हरमीत प्रतिस्पर्धा करेंगे जबकि महिला एकल में मनिका और श्रीजा चुनौती पेश करेंगी। यह निर्णय नवीनतम विश्व रैंकिंग के आधार पर लिया गया है। वर्ष 2004 में ओलंपिक पदार्पण करने वाले 41 वर्षीय शरत का यहां पांचवां और अंतिम ओलंपिक होगा। टीमों और व्यक्तिगत स्पर्धाओं के लिए खिलाड़ियों का चयन टीटीएफआई के पहले से निर्धारित मानदंडों के अनुसार किया गया था। तीन खिलाड़ियों का चयन पिछले कुछ समय में उनके प्रदर्शन की निरंतरता और विश्व रैंकिंग के अनुसार स्वतः हुआ। हालांकि महिला टीम की तीसरी खिलाड़ी को लेकर बहस चल रही थी।

अंजुम, स्वप्निल ने ओलंपिक चयन ट्रायल में पहली जीत दर्ज की

भोपाल। ओलंपियन अंजुम मोदगिल और पेरिस ओलंपिक खेलों के कोटा विजेता स्वप्निल कुसाले ने बृहस्पतिवार को यहां चल रहे ओलंपिक चयन ट्रायल में क्रमशः महिला और पुरूषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में पहली जीत दर्ज की। पुरूषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा के फाइनल में स्वप्निल ने 463.7 अंक का स्कोर बनाकर अखिल श्योराण (461.6 अंक) की चुनौती पस्त की। स्थानीय निशानेबाज ऐश्वर्य तोमर 451.9 अंक के स्कोर से तीसरे स्थान पर रहे। महिलाओं के थ्री पोजिशन फाइनल में अंजुम ने 463.9 अंक का स्कोर बनाया और भारत की नंबर एक निशानेबाज सिफ्त कौर सामरा को 1.9 अंक से पछाड़ दिया।

धोनी बने इनेरा के ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली। बॉयोलोजिकल कृषि उत्पाद विकसित करने वाली अग्रणी अनुसंधान एवं विकास बायोसाइंस फर्म इनेरा ने एम.एसधोनी को अपना ब्रांड एंबेसडर घोषित किया है। इनेरा के साथ मिलकर धोनी जनता के बीच संधारणीय प्रकृति के जैव इनपुट के उपयोग का प्रचार करके खेती के क्षेत्र में बदलाव लाने के इनेरा के मिशन को बढ़ावा देंगे। संस्थापक और समूह के सीईओ अगम खरे ने कहा, एम.एसधोनी को अपने साथ जोड़कर, हम एक उत्साही सतत कृषि समर्थक का स्वागत कर रहे हैं। ग्रामीण भारत में धोनी की पहुंच अपने आप में बहुत खास है और खेती की बेहतरी के लिए उनकी लगन,जैव इनपुट को बड़े पैमाने पर अपनाए जाने और भारत में खेती को फिर से कुशल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अपने विचार व्यक्त करते हुए, धोनी ने कहा,जैव-कृषि के लिए इनेरा का दृष्टिकोण और उनके बायोलॉजिकल उत्पाद बड़े अच्छे बदलाव ला सकते हैं और इस बदलाव का समर्थन करने पर मुझे गर्व है। खेती से हमेशा मेरा लगाव रहा है। इनेरा के उत्पादों का उपयोग करने के लिए,लाखों किसानों को प्रेरित करने में मैं बहुत उत्साहित हूं। खेती में उपयोग किए जाने वाले रसायनों के विकल्प के रूप में बॉयोलोजिकल कृषि उत्पाद दुनिया भर में लोकप्रिय होते जा रहे हैं। कई पर्यावरणीय नियमों और उपभोक्ताओं के बीच जैविक उपज की बढ़ती मांग के कारण,उत्तरी अमेरिका और यूरोप जैसे क्षेत्रों में इनको बढ़-चढ़कर अपनाया जा रहा है और एशिया-प्रशांत और लैटिन अमेरिका जैसे क्षेत्रों में भी इनको अपनाने की गति में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

वोग ने कीप प्लेइंग कैंपेन किया शुरू

मुंबई। अपने वर्सटाइल और फैशनेबल आईवियर के लिए प्रसिद्ध वोग आईवियर ने प्रतिभाशाली बॉलीवुड एक्ट्रेस और ब्रांड एंबेसडर, तापसी पन्नू के साथ अपना नया कैंपेन लॉन्च किया है। ये कैंपेन हर किसी को जीवन के हर पल को चंचल भाव से अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। वोग आईवियर का मानना है कि जीवन के प्रति हमारा दृष्टिकोण ही वास्तव में मायने रखता है और फर्क पैदा करता है। यह कैंपेन जिसका नाम कीप प्लेइंग है, उपभोक्ताओं को आमंत्रित करता है कि वे अपनी जीवन के सभी रंगबिरंगे पहलुओं को जोड़ते हुए अपनी लाइट, ब्राइट और जॉयफुल पहलू को बहार लाएं। ब्रांड ग्रुप हेड-लक्जरी, प्रीमियम और फास्ट फैशन, गुंजन सहगल ने कहा, वोग आईवियर ने लगातार आत्म-अभिव्यक्ति को रेखांकित करने और उसका जश्न मनाना जारी रखा है। वोग आईवियर स्टाइल का लेटेस्ट कलेक्शन सभी प्रमुख स्टोर्स और टाइटन आईप्लस, अमेज़न इंडिया,एजीआईओ, नायका, टाटा क्लिक और सनग्लास हट जैसे सभी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

एमजी हेक्टर रफ्तार में शीर्ष पर

लखनऊ। सौ सालों की समृद्ध विरासत वाले ब्रिटिश ऑटोमोबाइल ब्रांड एमजी (मॉरिस गैरेज) मोटर इंडिया की फ्लैगशिप एसयूवी हेक्टर, एसयूवी सेगमेंट में बेस्ट वैल्यू व्हीकल बनी है। यह कम्फर्टेबल राइड की पेशकश करते हुए आकर्षक फीचर्स से भी लैस है। बता दें कि एमजी हेक्टर ने हाल ही में नीलसन आईक्यू के सर्विस कॉस्ट सर्वे में पॉपुलर हैचबैक कारों और कॉम्पैक्ट एसयूवी के बीच ओनरशिप कॉस्ट के लिए टॉप रैंकिंग हासिल की है। इसके अतिरिक्त, ड्रूम्स के विश्लेषण में भी हेक्टर को रीसेल वैल्यू, फ्यूल एफिशिएंसी/ईंधन दक्षता और कस्टमर सेटिस्फेक्शन/ग्राहक संतुष्टि जैसे फैक्टर्स में सबसे आगे स्थान मिला है। नीलसनआईक्यू सर्विस कॉस्ट सर्वे ने जनवरी से अगस्त 2021 के बीच खरीदी गई एसयूवी और हैचबैक कारों का विश्लेषण किया और औसतन 3-5 नियमित सर्विसेस पूरी कीं। पेट्रोल मॉडल के लिए, जहां एमजी हेक्टर को कुछ प्रमुख हैचबैक सहित सर्वेक्षण किए गए अन्य सभी व्हीकल्स के बीच अफर्डोबल कॉस्ट ऑफ ओनरशिप के मामले में अग्रणी कार के रूप में स्थान दिया गया।

पोषक तत्व से मिलेगा फिटनेस

कानपुर।मदर्स डे पर माँ की सेहत और तंदुरुस्ती का ध्यान रखकर उनके निस्वार्थ प्रयासों को सम्मान देना जरूरी है। अपनी माँ को बादाम का एक सुंदर-सा डिब्बा उपहार में दिया जा सकता है। माँ की अच्छी सेहत सुनिश्चित करने के लिये यह तरीका कारगर होगा। बादाम में कुछ मौलिक पोषक-तत्व होते हैं, जो पूरी तंदुरुस्ती को बढ़ाते हैं। ऐसे में बादाम मदर्स डे पर तोहफे में देने के लिये सबसे बढ़िया हैं। न्यूट्रीशन एण्ड वेलनेस कंसल्टेन्ट शीला कृष्णस्वामी ने कहा, ‘‘माँ रोजाना जितना काम करती है, उसे देखते हुए मदर्स डे पर तोहफे में बादाम देना बेहतरीन और विचारपूर्ण होगा। बादाम सेहतमंद होती हैं और उनके पोषक-तत्व पूरे दिन का जोश सुनिश्चित करते हैं। बादाम से संपूर्ण सेहत में सहयोग भी मिलता है। माँ के लिये बादाम सबसे बढ़िया स्नैक है, क्योंकि वह पूरे दिन लगातार काम करती हैं। रोजाना के आहार में बादाम को शामिल करने से वह तंदुरुस्त रहेगीबादाम में प्रोटीन, ज़िंक, मैग्नीशियम, आयरन, कैल्शियम, फॉस्फोरस और विटामिन ‘ई’ आदि होते हैं। अच्छी तरह से संतुलित आहार के तहत रोजाना मुट्ठीभर बादाम खाने से सेहत को कई फायदे मिलते हैं। जैसे कि ब्लड शुगर लेवल्स पर बेहतर नियंत्रण रहता है, कार्डियोवैस्कुलर स्वास्थ्य अच्छा होता है, त्वचा की सेहत बढ़िया होती है और वजन को नियंत्रित रखने में भी बादाम सहायक होती हैं। इसलिये, मदर्स डे पर बादाम का डिब्बा उपहार में देना माँ की तंदुरुस्ती में योगदान देने के अलावा अपना प्यार और फिक्र दिखाने का एक बढ़िया तरीका हो सकता है।

मेईराबा, सात्विक-चिराग थाईलैंड ओपन के क्वार्टर फाइनल में

बैंकॉक। युवा भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी मेईराबा लुवांग मैसनाम और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी तथा चिराग शेट्टी की स्टार पुरूष युगल जोड़ी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को यहां थाईलैंड ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। हमवतन एचएस प्रणय पर उलटफेर भरी जीत के एक दिन बाद 21 वर्षीय मेईराबा ने 50 मिनट तक चले पुरूष एकल के दूसरे दौर के मुकाबले में डेनमार्क के मैड्स क्रिस्टोफरसन को 21-14, 22-20 से हरा दिया। मेईराबा को अगले दौर मे विश्व चैंपियन और स्थानीय दावेदार कुनलावुत वितिदसार्न की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। सात्विक और चिराग की दुनिया की तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी ने अपने दूसरे दौर के मुकाबले मे 69वीं रैंकिंग वाले शेई साओ नान और झेग वेई हान को 21-16, 21-11 से हराया। एशियाई खेलो की स्वर्ण पदक विजेता भारतीय जोड़ी का सामना अगले दौर मे जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप की मलेशिया की जोड़ी से होगा।

डब्ल्यूएफआई पेरिस खेलों की चयन पात्रता पर 21 मई को फैसला करेगा

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय टीम चुनने के लिए 21 मई को चयन मानदंड तय करेगा। विश्वस्त सूत्रों से यह जानकारी मिली है। भारत ने ओलंपिक खेलों के लिए कुश्ती मे छह कोटा स्थान हासिल किए है जिनमे से पांच महिला पहलवानों को मिले है। अमन सहरावत पुरूषों के फ्रीस्टाइल 57 किग्रा वर्ग मे कोटा हासिल करने वाले एकमात्र पुरूष पहलवान है। डब्ल्यूएफआई ने कहा था कि वह 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस खेलो मे देश का प्रतिनिधित्व करने वाले पहलवानों का चयन करने के लिए एक अंतिम ट्रायल आयोजित करेगा। पहले बताए गए मानदंडों के अनुसार यह कहा गया था कि अंतिम ट्रायल में शीर्ष चार में रहने वाले पहलवान एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे और उनमे से शीर्ष पर रहने वाला पहलवान कोटा विजेता के साथ मुकाबला करेगा। डब्ल्यूएफआई के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, डब्ल्यूएफआई ने चयन मानदंड तय करने के लिए 21 मई को दिल्ली में चयन समिति की बैठक बुलाई है।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।